हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



अब तक धान की बोनी 93 फीसदी, बारिश होती रही तो बंपर होगी फसल

ड्रोन फोटोः रिजवान कुरैशी

खरीफ सीजन की सभी फसलों की बोनी 89 फीसदी पूरी

छत्तीसगढ़ में मानसून की स्थिति अच्छी होने से खरीफ फसलों की बोनी का काम तेजी से जारी है। अब तक प्रदेश में कुल 43.23 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी पूरी हो चुकी है। यह कुल निर्धारित लक्ष्य 48.69 लाख हेक्टेयर का लगभग 89 प्रतिशत है।

6 कर्मचारी चयन मंडल ने तृतीय और चतुर्थ श्रेणी भर्ती के लिए जारी किए नए नियम

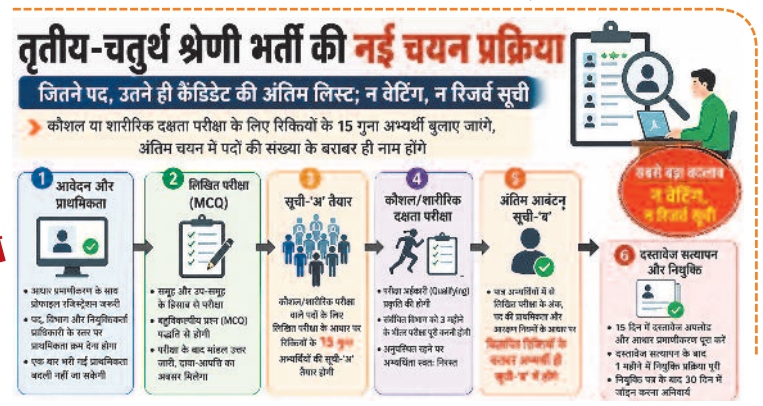
जितनी सीटें, उतने ही कैंडिडेट, नौकरियों में अब नहीं बनेगी वेटिंग और रिजर्व लिस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी की सरकारी नौकरी पाने की प्रक्रिया अब पहले से ज्यादा स्पष्ट, लेकिन अभ्यर्थियों के लिए ज्यादा सख्त होगी। आवेदन करते समय ही पद और विभाग की पसंद तय करनी होगी, बाद में इसे बदला नहीं जा सकेगा।

कौशल या शारीरिक दक्षता परीक्षा वाले पदों में रिक्तियों के 15 गुना अभ्यर्थी अगले चरण में जाएंगे, लेकिन अंतिम चयन केवल रिक्त और घोषित पदों के बराबर ही होगा। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अंतिम चयन के बाद कोई वेटिंग, परोक्ष या रिजर्व सूची नहीं बनेगी। उल्लेखनीय है कि सामान्य प्रशासन विभाग ने कर्मचारी चयन मंडल नियम, 2026 जारी कर दिए हैं। आदेश में परीक्षा से लेकर नियुक्ति तक की पूरी प्रक्रिया और अलग-अलग चरणों की समयसीमा तय की है। नई व्यवस्था में आवेदन से पहले अभ्यर्थी को कर्मचारी चयन मंडल की वेबसाइट पर आधार प्रमाणीकरण के साथ प्रोफाइल रजिस्ट्रेशन करना होगा। आवेदन के दौरान पद, विभाग और नियुक्तिकर्ता प्राधिकारी के स्तर पर प्राथमिकता क्रम ⏭शेष पेज 7 पर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव



15 गुना तक पहुंचेंगे अगले चरण में

जिन पदों पर लिखित परीक्षा के बाद कौशल या शारीरिक दक्षता परीक्षा होगी, उनमें लिखित परीक्षा के आधार पर वर्गवार रिक्तियों के 15 गुना अभ्यर्थियों की सूची-अ तैयार होगी। दूसरे चरण की कौशल या शारीरिक दक्षता परीक्षा केवल अर्हकारी यानी क्वालिफाइंग होगी। संबंधित विभाग को यह परीक्षा तीन महीने के भीतर पूरी करनी होगी। इस परीक्षा में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थी की अभ्यर्थिता स्वतः निरस्त मानी जाएगी। परीक्षा के बाद विभाग पात्र और अपात्र अभ्यर्थियों की सूची मंडल को देगा। इसके आधार पर अंतिम परिणाम जारी होगा।

15 दिन में दस्तावेज नहीं तो चयन खत्म

अंतिम सूची में शामिल अभ्यर्थियों को 15 दिन के भीतर आधार प्रमाणीकरण पूरा कर दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करने होंगे। ऐसा नहीं करने पर अभ्यर्थिता निरस्त हो जाएगी। इसके बाद विभाग दस्तावेजों का भौतिक सत्यापन करेगा। दस्तावेजों में त्रुटि मिलने पर अभ्यर्थी को सूचना दी जाएगी और वह सात दिन के भीतर ऑनलाइन दावा-आपत्ति कर सकेगा। विभाग को इसका निराकरण 15 दिन के भीतर कारणयुक्त आदेश से करना होगा। सूची-ब मिलने के बाद विभाग को दस्तावेज सत्यापन और नियुक्ति पत्र की प्रक्रिया एक महीने के भीतर पूरी करनी होगी। दस्तावेज सत्यापन के बाद नियुक्ति पत्र जारी करने के लिए 10 दिन की समयसीमा होगी। नियुक्ति पत्र मिलने के बाद अभ्यर्थी को 30 दिन के भीतर मूल दस्तावेजों के साथ ⏭शेष पेज 7 पर

नौकरी उतनी ही, जितने पद

अंतिम आबंटन सूची यानी सूची-ब में विज्ञापित रिक्तियों की संख्या के बराबर ही अभ्यर्थी होंगे। इसमें लिखित परीक्षा के अंक, अभ्यर्थी की पद प्राथमिकता और आरक्षण नियमों को आधार बनाया जाएगा। कौशल या शारीरिक दक्षता परीक्षा वाले पदों में सूची-अ में शामिल उन्हीं अभ्यर्थियों को सूची-ब में जगह मिलेगी, जो दूसरे चरण में पात्र पाए जाएंगे। सूची-ब जारी होने के बाद कोई प्रतीक्षा सूची, परोक्ष सूची या रिजर्व सूची जारी नहीं होगी।

हर साल अगस्त में परीक्षा कैलेंडर

कर्मचारी चयन मंडल हर साल अगस्त में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों की रिक्तियों का परीक्षा कैलेंडर जारी करेगा। राज्य सरकार की अनिवार्य शैक्षणिक, व्यावसायिक प्रवेश या पात्रता परीक्षाओं का संभावित कैलेंडर भी अगस्त में जारी किया जाएगा। भर्ती और व्यावसायिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए वर्ष 2026 में बनाए गए संबंधित कानून और कर्मचारी चयन मंडल के नियम लागू होंगे।

मैदानी क्षेत्रों में अच्छी बारिश से बंपर फसल की उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर/दुर्ग/बालोद/धमतरी/बेमेतरा राजनांदगांव/कवर्धा की विशेष रिपोर्ट

कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि बारिश अच्छी होने के बाद धान के अलावा अन्य फसलों की बोनी में अच्छी प्रगति देखने में आ रही है। ऐसे में इस बार बंपर फसल की उम्मीद हैं। किसानों से कहा गया है कि मानसून खुलने के बाद कीट और अन्य व्याधी का हमला फसलों पर हो सकता है उससे बचाव के उपाय कर लें। बेहतर मानसूनी गतिविधियों के चलते राज्य में धान की रोपाई और अन्य कृषि कार्यों ने अच्छी रफ्तार पकड़ ली है, हालांकि कुछ जिलों में अभी भी औसत से कम बारिश दर्ज हुई है। रायपुर संभाग में मैदानी क्षेत्र के अधिकांश जिलों में सामान्य बारिश दर्ज हुई है। बीच-बीच में तेज बौछारों से खेतों में पानी की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है। अब अच्छी बारिश होने के बाद बोता और रोपा पद्धति से बोनी कर ली है। धान की फसल लक्ष्य 38.78 लाख हेक्टेयर के मुकाबले अब तक 36.50 लाख हेक्टेयर में बोनी पूरी हो चुकी है। धान बोता का 26.76 लाख हेक्टेयर के मुकाबले 27.13 लाख हेक्टेयर में ⏭शेष पेज 7 पर

खास खबर

बोनी में हुई देरी

बारिश अच्छी होने के साथ इस बार बोनी में थोड़ी देरी हुई है। आगे धान के फसल को लेकर यही उम्मीद है कि यह ठीक रहेगा। किसान अभी खेती में लगे हैं। लेकिन अभी भी नियमित अंतराल में बारिश की जरूरज धान की बाली आने तक बनी रहेगी।

—**केके साहू**, सेवानिवृत कृषि वैज्ञानिक (आईजीकेवीवी)



ज्यादा बरसे बदरा, फिर भी खेत सूखे

धमतरी। अनियमित बारिश से खेती किसानी पर संकट मंडरा रहा है। जिन क्षेत्रों में मानसून के भरोसे खेती होती है, वहां पर खेतों को अभी भी पानी की दरकार है। स्थिति यह है कि किसान खाद का छिड़काव भी नहीं कर पाए हैं। किसानों ने बताया कि यदि बारिश नियमित रूप से होती है तो कोई समस्या नहीं होगी। बारिश के सरकारी आंकड़े देखें तो इस साल औसत से ज्यादा बारिश हुई है। अलनीनो का असर दूर- दूर तक नजर नहीं आ रहा है। बारिश तो अच्छी हो रही है, लेकिन नियमित रूप से नहीं हो रही है। अचानक ही लगातार ⏭शेष पेज 7 पर

मिलेट फसलों की बोनी

मक्का की बोनी 1.95 लाख हेक्टेयर में हुई है, जो लक्ष्य का 84 प्रतिशत है। कोदो 31.57 हजार हेक्टेयर है जो लक्ष्य का 71 प्रतिशत, कुटकी 16.24 हजार हेक्टेयर है, जो लक्ष्य का 40 प्रतिशत, रागी 14.60 हजार हेक्टेयर करीब 49 प्रतिशत और ज्वार 0.34 हजार हेक्टेयर 9 प्रतिशत में बोया गया है। अनाज वर्ग में कुल बोनी 3,909.07 हजार हेक्टेयर हुई है।

किसानों को मिली राहत

बेमेतरा जिले में शनिवार की बारिश से खेतों में नमी बढ़ी है और खरीफ फसलों के बेहतर विकास की उम्मीद जगी है। हालांकि किसान अब आगे भी पर्याप्त बारिश की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

परसहापारा से 200 ग्रामीणों का मोटर बोट से रेस्क्यू

हरिभूमि न्यूज ⏭ लोरमी

वनांचल क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश से बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। राजीव गांधी जलाशय (खुड़िया बांध) में क्षमता से अधिक जलभराव के कारण कैचमेंट क्षेत्र से लगे ग्राम परसहापारा में रविवार को प्रशासन ने एसडीआरएफ की दो टीमों की मदद से करीब 200 ग्रामीणों को मोटरबोट से सुरक्षित बाहर निकाला। इनमें बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। प्रभावित ग्रामीणों को बिजराकछार के शासकीय स्कूल और पंचायत भवन में ठहराया गया है।

प्रशासन के अनुसार, वनग्राम मंजुरहा में छह परिवारों के करीब 20 लोगों को ⏭शेष पेज 7 पर



वनांचल में बाढ़ से हाहाकार

टूट सकता है पुराना रिकॉर्ड

खुड़िया बांध के पुराने रिकॉर्ड के अनुसार वर्ष 2017 के बाद 2020 में वेस्ट वेयर से साढ़े आठ फीट तक पानी बहने का रिकॉर्ड दर्ज किया गया था। इस वर्ष लगातार हो रही बारिश के चलते वेस्ट वेयर से पानी बहने की स्थिति को देखते हुए 2026 में नया रिकॉर्ड बनने की संभावना जताई जा रही है।

की जा रही निगरानी

बाढ़ प्रभावित वनांचल के करीब 200 लोगों को एसडीआरएफ की मदद से मोटर बोट के जरिए रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मनियारी नदी में बाढ़ की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

अजीत पुजारी, एसडीएम

घरों में घुसा बाढ़ का पानी

भारी बारिश और बांध का जलस्तर बढ़ने से मंजुरहा और परसहापारा गांव चारों ओर से पानी से घिर गए। कई घरों में बाढ़ का पानी घुस गया। रविवार सुबह एसडीएम अजीत पुजारी के नेतृत्व में एसडीआरएफ की दो टीमों ने रेस्क्यू अभियान चलाया। 12 सदस्यीय दल ने मोटर बोट की मदद से प्रभावित ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर निकाला। परसहापारा में करीब 52 राशनकार्डधारी ⏭शेष पेज 7 पर

अश्मिता ने जीता कोरिया मास्टर्स का खिताब



आसन सिटी। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अश्मिता चालिहा ने रविवार को बीडब्ल्यूएफ कोरिया मास्टर्स सुपर 300 टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। उन्होंने महिला सिंगल्स के फाइनल मुकाबले में चीन की हान कियान शी को हराकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीता।



प्रदेश में पहली बार एक माह में बिके साढ़े छह हजार से ज्यादा ई-वाहन

एथेनाल को लेकर भी ग्राहक डरे उसका भी असर वाहनों की खरीद में

तेल की कीमतों से बदला मिजाज, ई-व्हीकल की बढ़ी रफ्तार, प्रदेश में 12 फीसदी शेयर, रिकार्ड बिक्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अमेरिका, इजरायल, ईरान युद्ध के कारण पेट्रोल संकट और इसके बढ़ते दाम के कारण अब प्रदेश में ई-वाहनों की बिक्री की रफ्तार तेज हो गई है। लगातार बिक्री में इजाफा हो रहा है। पहली बार जुलाई में प्रदेश में साढ़े छह हजार से ज्यादा वाहन बिके हैं। इसमें करीब साढ़े तीन हजार दोपहिया और डेढ़ हजार तिपहिया वाहन हैं। कारों की बिक्री भी अब बढ़ रही है। एक माह में चार सौ के आसपास कारें बिक रही हैं। ऑटोमोबाइल सेक्टर में ⏭शेष पेज 7 पर

खास खबर

जुलाई में बिके रिकॉर्ड वाहन

बीते माह जुलाई में रिकॉर्ड तोड़ ई-वाहन बिके हैं। 4526 दोपहिया वाहन बिके हैं। इसी के साथ 1590 तिपहिया वाहन बिके हैं। कारें करीब चार सौ बिकी हैं। जहां तक पेट्रोल वाले वाहनों का सवाल है, तो पेट्रोल वाले दोपहिया वाहन 34360 बिके हैं। पेट्रोल वाले अन्य वाहनों में 5185 चारपहिया वाहन, ⏭शेष पेज 7 पर



इलेक्ट्रिक वाहनों को विकल्प मान रहे ग्राहक

पेट्रोल में एथेनॉल की बढ़ती मात्रा को लेकर वाहन मालिकों के बीच बनी आशंकाओं का असर भी अब बाजार में दिख रहा है। ई-20 पेट्रोल के इस्तेमाल को लेकर कई ग्राहक अपने पुराने पेट्रोल वाहनों की जगह इलेक्ट्रिक वाहन को विकल्प के रूप में देख रहे हैं। खासकर दोपहिया वाहन खरीदने वाले ग्राहक पेट्रोल की कीमत, उपलब्धता और ई-20 से जुड़ी चिंताओं के चलते ईवी की तरफ आकर्षित हो रहे हैं।

ई-वाहनों का शेयर 12 फीसदी

ई-वाहनों की बिक्री का शेयर अब देश भर में लगातार बढ़ रहा है। इसी के साथ अपने प्रदेश में भी इसका शेयर बढ़ रहा है। प्रदेश में जून में जो शेयर दस फीसदी से कम था, वह जुलाई में बढ़कर करीब 12 फीसदी हो गया है। प्रदेश में जुलाई में जो 53 हजार से ज्यादा वाहन बिके हैं, उसमें से साढ़े छह हजार ई-वाहन हैं।

मांग में हो रहा लगातार इजाफा

प्रदेश में ई-वाहनों की मांग में लगातार इजाफा हो रहा है। जुलाई में पहली बार साढ़े छह हजार वाहन बिके हैं। बाजार में ई-वाहनों का शेयर करीब 12 फीसदी हो गया है। आने वाले समय में बिक्री की रफ्तार और तेज होगी।

- विवेक गर्ग, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ फाडा

अनुमति देने वाली शर्त बीएनएसएस की धारा 38 के दायरे से बाहर

आरोपी का वकील पुलिस पूछताछ के दौरान हर समय मौजूद नहीं रह सकता : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 38 के दायरे को स्पष्ट करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह प्रावधान गिरफ्तार व्यक्ति को पूछताछ के दौरान अपनी पसंद के वकील से मिलने का अधिकार तो देता है, लेकिन पूछताछ के पूरे समय वकील की लगातार शारीरिक मौजूदगी की बात नहीं करता है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा, इस प्रावधान को पढ़ने से साफ पता चलता है कि इसके तहत मिलने वाला अधिकार पूछताछ के दौरान अपनी पसंद के वकील से मिलने का अधिकार है। इसका मतलब किसी भी तरह से यह नहीं है कि हर पूछताछ सत्र के दौरान वकील लगातार शारीरिक रूप से मौजूद रहे, चाहे वह कितनी भी दूरी (देखने या सुनने की दूरी) पर क्यों न हो। यह बेंच आंध्र प्रदेश राज्य द्वारा दायर एक अपील पर सुनवाई कर रही थी। यह अपील हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ थी, जिसमें आरोपी की पुलिस कस्टडी के दौरान जेल में दो वकीलों को नामित करने और उनकी मौजूदगी की अनिवार्य शर्त रखी गई। साथ ही 'आरोपी से पूछताछ के दौरान किसी भी समय' एक वकील को मौजूद रहने की अनुमति दी गई। राज्य ने सुप्रीम कोर्ट में इस शर्त को चुनौती देते हुए कहा कि यह बहुत ज़्यादा है और इससे जांच में बाधा आती है।



बीएनएसएस की धारा 38 के दायरे से बाहर चला जाएगा

राज्य की दलील में दम पाते हुए जस्टिस संदीप मेहता द्वारा लिखे गए फैसले में राज्य की इस आशंका को सही माना गया कि लगाई गई शर्तों से आरोपी की कस्टडी में जांच में बाधा आएगी। कोर्ट ने कहा, हालांकि, यह निर्देश कि ऐसी मौजूदगी 'पूछताछ के दौरान किसी भी समय' होनी चाहिए, अगर इसे लगातार मौजूदगी के बिना शर्त अधिकार के तौर पर समझा जाए तो यह बीएनएसएस की धारा 38 के दायरे से बाहर चला जाएगा।

वकील वहीं रहेगा, जहां से आरोपी को देख सके

नतीजतन, वकील की मौजूदगी की अनुमति देने वाली शर्त को इस बदलाव के साथ बरकरार रखा गया कि /"ऐसे वकील को केवल पूछताछ वाली जगह पर ही मौजूद रहने की अनुमति होगी, जहां से वह आरोपी को देख सके। इसके अलावा, कोर्ट ने पाया कि आरोपी से पूछताछ के दौरान वकील की मौजूदगी की अनुमति देने वाली शर्त बीएनएसएस की धारा 38 के दायरे से बाहर है।

उम्र में अंतर को एक कारण बताकर कुछ राज्य कर रहे विरोध

न्यायिक अधिकारी सरकारी कर्मचारी नहीं उनकी रिटायरमेंट की उम्र अलग हो सकती है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि न्यायिक अधिकारी सरकारी कर्मचारी नहीं होते और वे एक अलग और खास वर्ग बनाते हैं। कोर्ट जिला जजों की रिटायरमेंट की उम्र 60 से बढ़ाकर 62 साल करने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा था। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने यह बात तब कही जब वे कुछ राज्य सरकारों द्वारा इस प्रस्तावित बढ़ोतरी पर उठाए गए एक विरोध पर विचार कर रहे हैं। एमिक्स क्यूरी (न्यायालय मित्र) और सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ भटनागर ने कोर्ट को बताया कि जो राज्य इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं, उन्होंने न्यायिक अधिकारियों और राज्य सरकार के कर्मचारियों की रिटायरमेंट की उम्र में अंतर को एक कारण बताया है।



राज्य सरकार व हाईकोर्ट में समन्वय जरूरी

ज्ञात हो कि कोर्ट ने 22 जुलाई को हाई कोर्ट्स से कहा था कि वे न्यायिक अधिकारियों की रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाने पर एक तय समय-सीमा में फ़ैसला लें। अंतरिम व्यवस्था के तौर पर कोर्ट ने कहा था कि जहां राज्य सरकार और संबंधित हाई कोर्ट रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाने पर सहमत हों, वहाँ संबंधित न्यायिक अधिकारियों को बढ़ी हुई रिटायरमेंट की उम्र तक सेवा में बने रहने की अनुमति दी जा सकती है। कोर्ट ने यह भी साफ़ किया था कि बढ़ोतरी पर कोई भी अंतिम फ़ैसला 1 अप्रैल, 2026 या उसके बाद होने वाली रिटायरमेंट पर लागू होगा।

अतिरिक्त वित्तीय बोझ का कारण भी खारिज

कोर्ट ने राज्यों द्वारा उठाए गए एक और विरोध को भी खारिज कर दिया कि उम्र बढ़ाने से अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा। कोर्ट ने कहा कि किसी न्यायिक अधिकारी के रिटायर होने पर रिटायरमेंट बेनिफ़िट और पेंशन का भुगतान करना पड़ता है, जबकि खाली हुई जगह को भरने के लिए नए अधिकारी को वेतन देना पड़ता है। इसलिए कोर्ट ने कहा कि एक अनुभवी न्यायिक अधिकारी के सेवा में बने रहने से वित्तीय बोझ कम हो सकता है। कोर्ट ने आखिर में राज्य सरकारों की ओर से रिटायरमेंट की उम्र न बढ़ाने के लिए दिए गए दोनों कारणों को खारिज कर दिया।

मृत कार्यकर्ता के घर जा रही थी

ममता के काफिले पर कीचड़-जूते फेंके, लगे चोर-चोर के नारे



कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के काफिले पर हमले की खबर है। वे पुलिस हिरासत में मारे गए तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता के परिवार से मिलने कांचरापाड़ा पहुंची थीं। इस दौरान उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। लोगों ने उनकी कार को घेरकर प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। कार पर कीचड़ और जूता भी फेंका गया। ममता ने कहा कि अगर कार की खिड़की खुली होती तो उनका सिर फूट जाता और मौत भी हो सकती थी।

ममता बोलीं- मेरा तो सिर ही फूट जाता

घटना के बाद ममता ने कहा, असामाजिक तत्वों ने पुलिस के सामने ही मेरी कार पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके। हमला इतना जबरदस्त था कि अगर खिड़कियां खुली होतीं, तो मेरा सिर फट जाता। हम सब मारे जा सकते थे। यह सब पुलिस के सामने हुआ। मैंने पुलिस को बताया था कि मैं आऊंगी, इसके बावजूद कोई सुरक्षा इंतजाम नहीं किए। ये एक साजिश के अलावा कुछ नहीं है।

भाजपा ने की घटना की निंदा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा, अगर कोई पूर्व मुख्यमंत्री की गाड़ी पर पत्थर, कीचड़ या चप्पल फेंकता है, तो भाजपा उसका समर्थन नहीं करती है। इसमें भाजपा का कोई कार्यकर्ता शामिल नहीं है और हम नहीं चाहते कि राज्य की पूर्व महिला मुख्यमंत्री के साथ ऐसा व्यवहार हो। हम इस घटना की निंदा करते हैं। अगर ऐसा हुआ, तो पुलिस तुरंत कार्रवाई करेगी।

'जो खेलेगा वही खिलेगा'

पीएम ने दिया कॉमनवेल्थ गेम्स खिलाड़ियों को सफलता का मंत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में तिरंगा लहराकर लौटे भारतीय दल का रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दिल्ली स्थित आवास पर भव्य स्वागत किया। इस दौरान पीएम मोदी ने देश के पदक विजेताओं के साथ लंबी बातचीत की, उनके अनुभवों को सुना और उनके शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए पूरे देश की तरफ से बधाई दी। इसके अलावा उन्होंने एक वीडियो भी सेशल मीडिया पर शेयर किया है, जो काफी तेजी से वायरल हो रहा है।



'जो खेलेगा, वो खिलेगा' का दिया मूलमंत्र : बातचीत के दौरान जब खिलाड़ियों ने प्रधानमंत्री से कुछ कहने का आग्रह किया, तो पीएम मोदी ने देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने वाला अपना प्रसिद्ध संदेश दोहराया, 'जो खेलेगा, वो खिलेगा! इसके बाद उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए भारत माता की जय के नारे भी लगाए

सोशल मीडिया पर शेयर की मुलाकात की खास झलक

प्रधानमंत्री ने कॉमनवेल्थ गेम्स के एथलीटों के साथ हुई इस खास मुलाकात की एक झलक अपने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करके भी साझा की। इस वीडियो में वह गोल्ड मेडल विजेता मुक्केबाज साक्षी चौधरी समेत कई अन्य चैंपियंस के साथ खुशनुमा माहौल में संवाद करते दिख रहे हैं। वीडियो में साक्षी चौधरी ने पीएम मोदी की सादगी की प्रशंसा करते हुए कहा, 'प्रधानमंत्री जी से मिलकर हमें बेहद खुशी हुई, वह बहुत ही विनम्र हैं।'

39 पदकों के साथ भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन

उल्लेखनीय है कि ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 39 पदक अपनी झोली में डाले। इसमें 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज पदक शामिल हैं। इस जीत के साथ ही भारतीय खेमे का हौसला बुलंद है और प्रधानमंत्री के साथ हुई इस मुलाकात ने एथलीटों के मनोबल को और अधिक बढ़ा दिया है।

कई खिलाड़ियों ने रचा इतिहास

ग्लासगो में भारतीय दल के लिए कई ऐतिहासिक उपलब्धियां भी देखने को मिलीं। जूडो में भारत ने पहली बार दो स्वर्ण पदक जीते। एथलेटिक्स में नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में रजत पदक जीता, जबकि तेजस्विन शंकर ने पुरुषों के डेकाथलॉन में कांस्य पदक हासिल कर इतिहास रचा। बॉक्सिंग में भी भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा। मुक्केबाजों ने सात स्वर्ण और तीन रजत पदक अपने नाम किए। भारोत्तोलन और पैरा खेलों में भी भारत को महत्वपूर्ण सफलताएं मिलीं। पैरा एथलेटिक्स में भी भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

एनआईए की गिरफ्त में 10 आरोपी

89600 विस्फोटक छड़ें और 10500 शॉक ट्यूब ले जाने वाला पकड़ाया

एजेंसी ▶▶ मलप्पुरम

केरल के मलप्पुरम में गैर-कानूनी विस्फोटक पदार्थों की एक बड़ी खेप बरामद होने के मामले में, राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने एक मुख्य आरोपी, हारिस टीए को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या दस हो गई है। हारिस को शनिवार को मलप्पुरम जिले के मंजेरी से गिरफ्तार किया गया। मुख्य साजिशकर्ता माने जाने वाले इस आरोपी की भूमिका इस मामले में जब्त किए गए विस्फोटक को गैर-कानूनी तरीके से हासिल करने में थी।



वैध लाइसेंस या अनुमति नहीं थी

यह मामला 7 फरवरी, 2026 को मलप्पुरम में चेम्माड-थलाप्पारा रोड पर स्थित 'फरहा होलो ब्रिक्स कंपनी' के परिसर में खड़ी एक लॉरी से 89,600 विस्फोटक छड़ें और 10,500 शॉक ट्यूब जब्त किए जाने से जुड़ा है। केरल पुलिस ने इस खेप के सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास विस्फोटक ले जाने या रखने के लिए कोई वैध लाइसेंस या अनुमति नहीं थी।

तीन राज्यों में 19 जगह छापेमारी

एनआईए ने इस मामले में जांच के दौरान तीन राज्यों में 19 जगहों पर छापेमारी की। हारिस की यह गिरफ्तारी, एनआईए द्वारा सात अगस्त को कर्नाटक के विजयपुरा से तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद हुई है। इस मामले में अब तक कुल दस लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बड़ी साजिश और विस्फोटकों को गैर-कानूनी तरीके से हासिल करने और उनकी ढुलाई की जांच अभी जारी है।

मातृभूमि की शान तिरंगा
हर भारतीय की जान तिरंगा
हर घर तिरंगा अभियान
09-17 अगस्त, 2026

भव्य तिरंगा यात्रा

मुख्य अतिथि
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

दिनांक : 10 अगस्त 2026, सोमवार
समय : प्रातः 09:00 बजे
स्थान : रायपुर के इन्डोर स्टेडियम बूढ़ापारा से सुभाष स्टेडियम तक

आइए, देशभक्ति की अलख जगाएं
हर घर तिरंगा फहराएं

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

प्रमुख जिलों में बारिश (मिमी.)

जिला	वास्तविक	औसत वर्षा
रायपुर	720	1012
बिलासपुर	690	1046
दुर्ग	555	984
राजनांदगांव	578	1027
जगदलपुर	587	1169
सारंगढ़	940	928
नारायणपुर	1032	1228

आसमान में बादलों का डेरा

- पिछले चौबीस घंटे में रायपुर समेत 21 क्षेत्रों में भारी से अतिभारी वर्षा
- पांच को छोड़कर 28 जिले बारिश के मामले में सामान्य स्थिति में



अब तक अलनीनो का कोई असर नहीं, 47 दिन के सीजन में 650 मिमी. बारिश, इस महीने दो और तगड़े सिस्टम

मानसून से पहले पूरे छत्तीसगढ़ और पूरे देश में एक चिंता थी। अलनीनो के प्रभाव से मानसून कमजोर होने और सूखा पड़ने की आशंका जताई गई थी। हालांकि जुलाई में रिकार्डतोड़ बारिश के बाद मानसून ने अगस्त में भी अपना जोरदार असर दिखाना शुरू कर दिया है। अब तक अलनीनो का कोई असर नहीं दिख रहा है। पिछले चौबीस घंटे में रायपुर, बिलासपुर समेत प्रदेश के 21 स्टेशनों में भारी से अतिभारी वर्षा के बाद नया सिस्टम बनने को तैयार है। आने वाले दिनों में बंगाल की खाड़ी में दो और तगड़े सिस्टम बनने की संभावना है, जो औसत वर्षा के कोटा को 75 से 80 फीसदी तक पूरा करेंगे। 47 दिन के मानसूनी सीजन में 650 मिमी. बारिश हो चुकी है और पांच को छोड़कर 28 जिले अपनी सामान्य स्थिति में पहुंच चुके हैं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्य में दक्षिण-पश्चिम मानसून ने 22 जून को दस्तक दी थी और आठ दिन सामान्य जैसी स्थिति में होने के कारण निराशा के भाव उत्पन्न होने लगे थे। इस दौरान सूखा जैसी आशंका भी लोगों के मन में आने लगी थी। जुलाई में मानसून ने अपनी सक्रियता दिखाते हुए जून के अधूरे और जुलाई के कोटा को पूरा किया था। अगस्त में भी मानसून के सक्रिय रहने और बारिश का दौर अनवरत जारी रहने की पूरी उम्मीद है। सक्रिय हुए मानसूनी सिस्टम से पिछले चौबीस घंटे में राज्य में भारी बारिश हुई है। मुंगेली, रायपुर, बिलासपुर ⏭ शेष पेज 7 पर

अलग खबर

देर रात तक बारिश का दौर, दिन में राहत

मानसूनी सिस्टम शनिवार की रात एकाएक सक्रिय हुआ और इसका सर्वाधिक असर रायपुर समेत मध्य इलाके में दिखाई पड़ा। डेढ़ से दो घंटे की ताबड़तोड़ बरसात के बाद देर रात तक कभी कम तो कभी ज्यादा रूप में पानी बरसता रहा। रविवार को भले ही बारिश नहीं हुई, मगर धूप-छांव का खेल जारी रहा।

Dinh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

शेरों के लिए 100 हेक्टेयर का बनाया सुरक्षित क्षेत्र

अमरेली। गुजरात का वन विभाग मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के प्रयासों के तहत अमरेली जिले के अंबार्डी सफारी पार्क में 100 हेक्टेयर क्षेत्र में एक बाड़ा तैयार कर रहा है। इसमें इंसानों पर हमला करने वाले एशियाई शेरों को रखा जाएगा। प्रधान मुख्य वन संरक्षक डॉ. जयपाल सिंह ने बताया कि गिर के आरक्षित वन क्षेत्र में इस सफारी पार्क में सुरक्षित आवास तैयार करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

मिर्गी से पीड़ित बच्ची को मिली दौरों से मुक्ति

नई दिल्ली। केरल के एक दूरदराज गांव की 12 वर्षीय बच्ची पिछले दो साल से सामान्य जीवन जी रही है, जो बचपन में दौरे पड़ने के बाद करीब एक दशक तक मिर्गी की गंभीर समस्या से परेशान थी। दिल्ली स्थित एम्स में कई चरण के उपचार के बाद उसने अपनी रोजमर्रा की सामान्य गतिविधियां फिर से शुरू कर दी हैं।

छत्तीसगढ़ में 'प्रॉक्सी' व्यवस्था पर शिकंजा, पंचायतों में पहले से निर्देश

पंचायतों के बाद निगम और पालिकाओं में पतियों पर चला डंडा, बैठक में पहुंचे तो होगा तगड़ा एक्शन

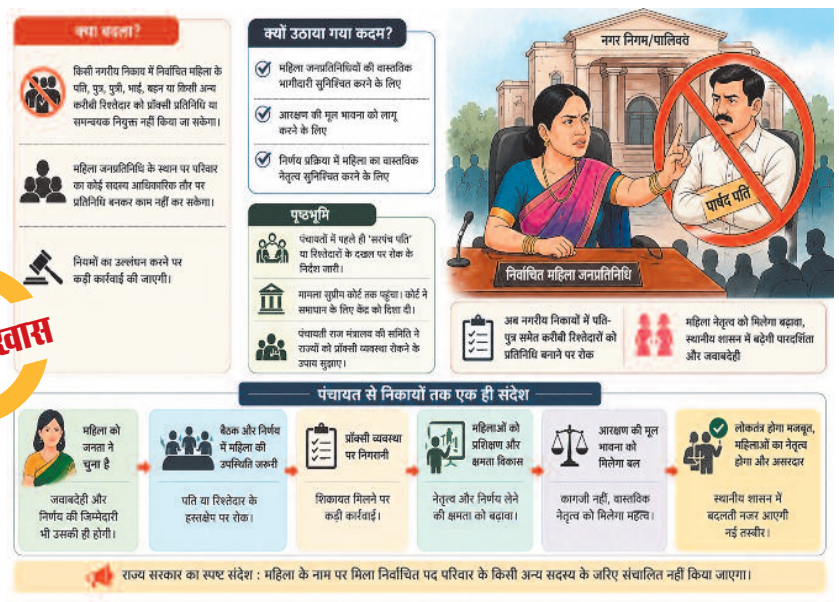
अब नगरीय निकायों में पति-पुत्र समेत करीबी रिश्तेदारों को प्रतिनिधि बनाने पर रोक

छत्तीसगढ़ सरकार ने महिला जनप्रतिनिधियों की जगह उनके पति या रिश्तेदारों के जरिए कामकाज चलाने वाली 'प्रॉक्सी' व्यवस्था पर शिकंजा कस दिया है। पंचायतों में पहले से लागू नियम अब निगम और पालिकाओं में भी लागू कर दिए हैं। महिला मेयर या महिला पार्षद के पति-पुत्र ही नहीं पुत्री, भाई, बहन तक को प्रतिनिधि नहीं बनाया जा सकेगा। यानी जनता ने जिसे चुना है, अब फैसले भी वही लेंगी और बैठकों में भी वही मौजूद रहेंगी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

महिला के नाम पर परिवार के किसी दूसरे सदस्य के जरिए निकाय चलाने की व्यवस्था पर सरकार ने साफ रोक लगा दी है। नियम नहीं मानने पर एक्शन लिया जाएगा। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने 2022 के संबंधित नियमों में संशोधन किया है। इसके तहत किसी नगरीय निकाय में निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि के पति, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन अथवा किसी अन्य करीबी पारिवारिक सदस्य या रिश्तेदार को उनके प्रॉक्सी प्रतिनिधि या समन्वयक के रूप में नामित या नियुक्त नहीं किया जा सकेगा। यानी महिला के निर्वाचित होने के बाद उसके स्थान पर उसके परिवार का कोई पुरुष या अन्य करीबी रिश्तेदार आधिकारिक तौर पर प्रतिनिधि बनकर काम नहीं कर सकेगा। सरकार ने यह प्रावधान नगरीय निकायों में महिला जनप्रतिनिधित्व को केवल कागजी न रहने देने के उद्देश्य से किया है।

हरिभूमि खास



महिलाओं को सशक्त बनाने का उद्देश्य

अब पंचायत और नगरीय निकाय—दोनों स्तरों पर महिला जनप्रतिनिधियों की जगह परिवार के सदस्यों के जरिए कामकाज संचालित करने की व्यवस्था पर रोक की दिशा स्पष्ट हो गई है। नगरीय निकायों के लिए जारी आदेश में पति के साथ-साथ पुत्र, पुत्री, भाई, बहन और अन्य करीबी रिश्तेदारों को भी दायरे में ⏭ शेष पेज 7 पर

'सरपंच पति' का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा

महिला जनप्रतिनिधियों के स्थान पर उनके पति या पुरुष रिश्तेदारों के पंचायत चलाने का मुद्दा सुप्रीम कोर्ट तक भी पहुंच चुका है। इस मामले में आरोप लगाया गया था कि महिलाओं के लिए आरक्षित पंचायत पदों पर महिलाएं निर्वाचित तो होती हैं, लेकिन काम पति या परिवार के पुरुष सदस्य पंचायत का कामकाज ⏭ शेष पेज 7 पर

पहले ही उठाया जा चुका है कदम

नगरीय निकायों से पहले पंचायत स्तर पर भी राज्य सरकार महिला जनप्रतिनिधियों की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी कर चुकी है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने महिला सरपंचों और अन्य निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों की जगह उनके पति या अन्य रिश्तेदारों के पंचायत ⏭ शेष पेज 7 पर

भाजपा की आज राजधानी में तिरंगा यात्रा, सीएम सहित कई मंत्री भी रहेंगे



इंडोर स्टेडियम से प्रारंभ होकर सुभाष स्टेडियम में होगी समाप्त



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भाजपा की राजधानी रायपुर में सोमवार को बड़ी तिरंगा यात्रा निकलेगी। इसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा सहित कई मंत्री, सांसद, विधायक, महापौर, पार्षद भी शामिल होंगे। यात्रा का प्रारंभ इंडोर स्टेडियम से सुबह 11 बजे होगा। इसका समापन सुभाष स्टेडियम में होगा। इसी के साथ ⏭ शेष पेज 7 पर

पीएम बोले-उत्साह के साथ हिस्सा लें

नई दिल्ली। पीएम नरेन्द्र मोदी ने लोगों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में उत्साह के साथ हिस्सा लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत का राष्ट्रीय ध्वज देश का गौरव है। यह देश के लिए हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की निरंतर प्रेरणा देता है।

3 हजार स्थानों में निकलेगी तिरंगा यात्रा

राजधानी रायपुर से तिरंगा यात्रा का आगाज होने के बाद प्रदेश में तिरंगा यात्रा लगातार निकलेगी। भाजपा के प्रदेश में 476 मंडल हैं। मंडलों पर फोकस करते हुए भाजपा ने मंडलों में तिरंगा यात्रा निकालने का फैसला किया है। हर मंडल में एक प्रमुख स्थान के अलावा पांच अन्य स्थानों पर भी तिरंगा यात्रा निकलेगी। इसी के साथ प्रदेश के सभी जिला मुख्यलयों और बड़े शहरों में भी तिरंगा यात्रा निकलेगी, इसमें प्रदेश के मंत्री, विधायक, सांसद भी शामिल होंगे।

सावन में बाढ़ के बीच कहीं नाव से तो कहीं नदी पार कर पहुंचते हैं श्रद्धालु, जलधाराओं के बीच विराजे हैं भगवान शिव

उफनती नदियां, चारों तरफ पानी फिर भी नहीं रुकती शिवभक्ति



आज दूसरा सावन सोमवार



महादेव मंदिर में मोटर बोट व नाव से पहुंच रहे श्रद्धालु

जगदलपुर शहर के सबसे बड़े तालाब में शुमार जगदलपुर के ऐतिहासिक दलपत सागर के बीच 250 साल पुराना भूपालेश्वर महादेव मंदिर स्थित है, बस्तर को शिवधाम कहा जाता है। दलपत सागर के बीच मौजूद रियासत काल के शिव मंदिर का बहुत ही महत्व है, यहां सावन सोमवार को सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इस मंदिर की खासियत यह है कि इसे रियासत काल में प्रदेश के सबसे बड़े तालाब दलपत सागर के बीच बनाया ⏭ शेष पेज 7 पर

खास खबर

राजिम-श्यामकिशोर शर्मा/धमतरी-यशवंत साहू/मैनपुर- शेख हसन खान/ जगदलपुर- महेन्द्र विश्वकर्मा की रिपोर्ट

सावन की झमाझम बारिश के साथ नदियां और नाले उफान पर हैं। छत्तीसगढ़ में कई ऐसे प्राचीन शिवधाम हैं, जो नदियों, तालाबों और जलधाराओं के बीच स्थित हैं। बारिश और बाढ़ के दिनों में जब इन मंदिरों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है, तब भी श्रद्धालु कभी नाव से, कभी मोटरबोट से तो कहीं उफनती नदी पार कर भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंच रहे हैं। कहीं मंदिर चारों तरफ पानी से घिर जाता है, कहीं महानदी की धाराओं के बीच शिवलिंग विराजमान है और कहीं तालाब के बीच टापू पर महादेव का धाम है। आस्था ऐसी कि जलधाराओं का वेग भी भक्तों के कदम नहीं रोक पाता। सावन में अधिक वर्षा के कारण कई मंदिर पानी से घिर जाते हैं। लेकिन देवाधिदेव महादेव की पूजा और भक्ति कहां रुकती है। ऐसे में कैसे होती है पूजा हमने यही जानने की कोशिश की है।

त्रिवेणी संगम पर है छठवीं शताब्दी का श्रीकुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर

धर्मनगरी राजिम की पहचान तीन नदियों के संगम और संगम के मध्य विराजमान भगवान कुलेश्वरनाथ महादेव से भी है। पैरी, सोंढूर और महानदी की धाराओं के बीच स्थित इस प्राचीन मंदिर की महिमा अपार है। तीनों नदियों का ⏭ शेष पेज 7 पर



महानदी के बीच विराजे धारेश्वर महादेव

धमतरी जिले के ग्राम अछोटा में महानदी के मध्य स्थित श्री धारेश्वर महादेव मंदिर वर्षों से श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का केंद्र है। विशेषकर सावन माह में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु महानदी का जल पार कर भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए यहां पहुंचते हैं। बरसात के मौसम में महानदी का जलस्तर बढ़ने से मंदिर तक पहुंचना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। सामान्य दिनों में श्रद्धालुओं को ⏭ शेष पेज 7 पर



उफनती नदी को पार कर जलाभिषेक करने पहुंचते हैं कांवरिये और श्रद्धालु



गरियाबंद जिले के मैनपुर क्षेत्र में ऐसे कई शिवमंदिर है जहां श्रद्धालु झमाझम बारिश के बाद भी उफनते नदी नालो को पारकर पहुंचते हैं। मूसलाधार बारिश और नदियों के उफान मे शिवभक्त पूरी भक्ति के साथ जलाभिषेक करने भुवनेश्वर महादेव पहुंचते हैं जो मैनपुर से 03 किमी दूर पर स्थित है लेकिन चारों तरफ नदी नालों से घिरा हुआ है। तहसील मुख्यालय मैनपुर से महज तीन किलोमीटर दूर पूर्व दिशा में स्थित भुवनेश्वर महादेव मौहाभाठा में भी श्रध्दालु व कांवरियां बड़ी संख्या में बारिश मे पहुंचकर जलाभिषेक करते नजर आते हैं। आस्था के आगे नदी का उफान कम नजर आता है - सावन में लगातार झड़ी और बारिश के बावजूद नदी में भारी उफान भी शिवभक्तों को नही रोक पाता और शिवभक्त श्रृखंला बनाकर जलाभिषेक करते हैं।



अधिसूचित जिले: बस्तर, बेमेतरा, बीजापुर, कोरिया, सारंगगढ़-बिलाईगढ़, गरियाबंद, जांजगीर-चांपा, कबीरधाम, कांकेर, सक्ती, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी

खरीफ 2026 मौसम हेतु अधिसूचित फसलें
धान सिंचित, धान असिंचित, मक्का, उड़द, अरहर, मूँग, मूँगफली, सोयाबीन, कोदो, कुटकी, रागी

■ योजना के मुख्य बिंदु :
- कृषक द्वारा देय प्रीमियम बीमित राशि का अधिकतम 2 प्रतिशत
- शेष प्रीमियम राशि का भुगतान भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा किया जावेगा
- ओलावृष्टि, जलभराव, बादल फटने, आकाशीय बिजली से नुकसान होने पर स्थानीय आपदा अंतर्गत दावा भुगतान
- स्थानीय आपदा की स्थिति में-धान फसल में जलप्लावन से होने वाली क्षति इस घटक मे शामिल नही है
- फसल कटाई के उपरांत आगामी 14 दिनों तक खेत में सुखाने हेतु बंडलो में रखी फसल को चक्रवात, बैमौसम/चक्रवाती वर्षा से नुकसान होने पर दावा भुगतान
- कम वर्षा या विपरीत मौसम अवस्थाओं के कारण फसल बुवाई विफलता पर दावा भुगतान
- फसल उत्पादन के आधार पर व्यापक क्षति की स्थिति में, राज्य शासन एवं योजना के प्रावधानों के अनुसार फसल क्षति का मूल्यांकन एवं निर्धारण किया जाएगा।
- अनावरी के आंकड़े इस योजना अतंर्गत दावा भुगतान के लिए मान्य नही होंगे

■ योजनांतर्गत शामिल होने वाले कृषक :
- ऋणी कृषकों का बीमा ऋण दायी संस्था द्वारा नियमानुसार किया जायेगा।
- गैर-ऋणी कृषक अपना बीमा बैंक शाखा/कॉपरेटिव सोसाइटी/लोक सेवा केंद्र (CSC)/पोस्ट ऑफिस/AIDE-एजेंट/फसल बीमा ऐप एवं पोर्टल के माध्यम से निर्धारित तिथि के अंदर फसल का बीमा करा सकते है।
- गैर-ऋणी कृषकों हेतु आवश्यक दस्तावेज-नवीनतम आधार कार्ड, बैंक पासबुक, भूमि एवं फसल बुवाई संबंधित दस्तावेज।

ऋणी कृषक: ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हें भारत सरकार द्वारा जारी चयन (Opt-out) प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र बीमा आवेदन की अंतिम तिथि के 7 दिन पूर्व तक संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।
- योजना से बाहर होने (Opt-Out) का निर्णय पूरी तरह किसान की इच्छा पर आधारित है। किसी भी किसान को बैंक शाखा द्वारा (Opt-Out) के लिये बाध्य नहीं किया जाएगा।
- ऑप्ट-आउट की कार्यवाही केवल एक मौसम-वर्ष के लिए ही लागू होगी; जिसके लिए किसान द्वारा ऑप्ट-आउट घोषणा दी गई है।
- बैंक शाखाएं किसानों द्वारा प्रस्तुत योजना से बाहर होने (Opt-out) की प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र को निरीक्षण/सत्यापन हेतु सुरक्षित रखेंगी।

अऋणी कृषक: अधिसूचित इकाई में अधिसूचित फसल लगाने वाले सभी गैर ऋणी कृषक ऐच्छिक तौर पर योजना का लाभ लेने हेतु पात्र होंगें।

योजना सम्बंधित अधिक जानकारी एवं अपनी शिकायत दर्ज करने हेतु कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन नंबर **14447** पर संपर्क करे या व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर **70655-14447** का उपयोग करे या www.pmfby.gov.in पर जाएँ या क्रॉप इंश्योरेंस मोबाइल एप का प्रयोग करें या अपने निकटतम कृषि कार्यालय, बैंक शाखा, CSC सेंटर या बीमा कंपनी से संपर्क करें।

स्थानीय आपदाओं से बीमित फसल में नुकसान होने पर 72 घंटे के भीतर फसल नुकसान की सूचना देना आवश्यक है।

PMFBY अंतर्गत दावा भुगतान सफल बनाने हेतु कृपया अपने संबंधित बैंक शाखा से PFMS पोर्टल से खाता संख्या को सत्यापित करवाये अथवा आधार नंबर को सही बैंक खाता से लिंक कराये।

योजना संबंधित अधिक जानकारी के लिए फार्ममित्र ऐप डाउनलोड करें

बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड (पूर्व में भजाज आलियांज जनरल इंश्योर कंपनी लिमिटेड के नाम से ज्ञात था), बजाज इंश्योरेंस हाउस, एंबासीडर रोड, देरवडा, पुणे - 411006। आईआरडीएआई पंजीकरण संख्या: 113 • सीआईएन: U66010PN2000PLC016529 • यूआईएन: IRDAN113CP0001V02201617 (पीएमएफबीवाय) • www.bajajgeneralinsurance.com • टोल फ्री नंबर: देशव्यापी 1800 209 0144 / सर्विस - 1800 209 5858 • बाजिक जानकारी के लिए ओजिक स्टारक, विक्रय और दावों को चालने के लिए कृपया विक्रय-चिका पढ़ें, यह सुनिश्चित करने से पहले। BGI-O-1092/08-07-2026

योगी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाय), छत्तीसगढ़ शासन, फार्ममित्र चैटबोटो कोर्स एक विश्वसनीय सलाहकार करने और इस्तेमाल करने के लिए किया जाता है, और यह कंपनी का आचार जोरो नहीं है।



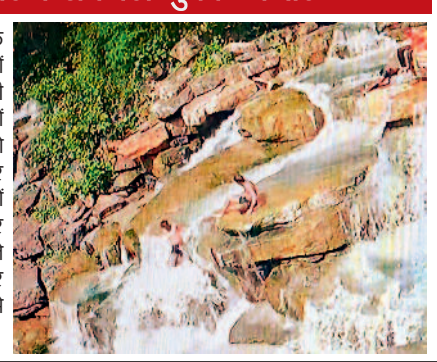
जलप्रपातों में उमड़ा सैलानियों का सैलाब, दिखा मानसून टूरिज्म का नजारा

गोरेलाल सिन्हा ⏭ गरियाबंद

गरियाबंद इन दिनों किसी खूबसूरत पर्यटन नगरी से कम नजर नहीं आ रहा है। रविवार की छुट्टी पर जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों में सैलानियों का ऐसा सैलाब उमड़ा कि कई जगह पैर रखने तक की जगह नहीं बची। सुबह से ही वाहनों की कतारें पर्यटन स्थलों की ओर बढ़ती रहीं और दिनभर चिंगरापगार, जतमई व घटारानी जलप्रपात पर्यटकों से गुलजार रहे। मानसून की सक्रियता के साथ जिले के पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश हो रही है। इसका सीधा असर जलप्रपातों पर देखने को मिल रहा है। चिंगरापगार, जतमई और घटारानी के झरने इन दिनों पूरे शबाब पर हैं। ऊंची पहाड़ियों से तेज धार के साथ गिरता पानी और आसपास फैली हरियाली का नजारा पर्यटकों को अपनी ओर खींच रहा है।

नशे में स्टंट, घटारानी के 52 फीट ऊंचे झरने से गिरा युवक गंभीर

छुईहा बेलर। जिले के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल घटारानी की चट्टान स्थित 52 फीट ऊंचे झरने में रविवार दोपहर तीन बजे एक बड़ा हादसा हो गया। नशे में धुत एक युवक पहाड़ी पर खतरनाक स्टंट करते समय अचानक अपना संतुलन खो बैठा और सीधे झरने के तेज बहाव में जा गिरा। घटना के समय झरने के नीचे नहा रहे लोगों की भीड़ में युवक गिरा, जिससे फिलहाल जान बच गई, लेकिन वह गंभीर रूप से घायल हो गया और बेहोश हो गया। यदि वह सीधे नीचे चट्टानों पर गिरा होता तो उसकी मौत निश्चित थी। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धमतरी जिले के रावां निवासी 21 वर्षीय खुबलाल ढीमर अपने 17 साथियों के साथ घूमने आया था। वह शराब के नशे में झरने के ऊपरी हिस्से में चढ़ गया और स्टंट करते हुए युवक-युवतियों, महिलाओं और बच्चों से भरे निचले स्थान की ओर इशारा करते हुए अपनी हरकतें दिखाने लगा। नीचे मौजूद लोगों ने उसे कई बार चेताया और डेंजर पॉइंट से नीचे उतरने से मना किया, लेकिन उसने एक न सुनी।



सतर्कता से बची जान

फिंगेश्वर थाना प्रभारी जयप्रकाश नेताम के नेतृत्व में मौके पर मौजूद पुलिस टीम और आपातकालीन सेवा (112) ने तत्परता दिखाते हुए बेहोश युवक को तुरंत झरने के पानी से बाहर निकाला और फिंगेश्वर अस्पताल पहुंचाया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर प्रभारी जयप्रकाश नेताम द्वारा पिछले सप्ताहांत से पर्यटक स्थल पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था तैनात की गई थी, जिसके चलते घटना पर तुरंत काबू पाया जा सका। इसके बावजूद यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि पर्यटक स्थलों पर सुरक्षा उपायों के प्रति लापरवाही और युवाओं का घोर लापरवाही भरा व्यवहार गंभीर दुर्घटनाओं को न्योता दे रहा है।

10 करोड़ की साइबर ठगी, म्यूल अकाउंट गिरोह पकड़ा गया

जांजगीर - चाम्पा। सायबर ठगी के म्यूल एकाउंट गिरोह को सायबर पुलिस ने पकड़ा है। देश के 11 राज्य में दर्ज साइबर अपराध के 33 प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए गिरोह के 5 सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ठगों ने 10 करोड़ 18 लाख 19 हजार 809 का सायबर फ्राड किया था। आरोपियों के खाते में 66 लाख 557 रुपए ट्रांसफर हुए थे। आरोपियों द्वारा ठगों को किराया पर अपना बैंक खाता दिया गया था। इन खातों का उपयोग ठगी के पैसे लेने के लिए किया जा रहा था। आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। सायबर ठगों पर नकेल कसने सायबर थाना जांजगीर-चांपा द्वारा म्यूल खातों के माध्यम से देशभर में साइबर ठगी करने वाले गिरोह के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई है। म्यूल एकाउंट गिरोह के 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। देश के 11 राज्य में दर्ज साइबर अपराध के 33 प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए गिरोह के 5 सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के म्यूल खातों में सायबर फ्रॉड के 10 करोड़ 18 लाख 19 हजार 809 रुपए जमा हुए थे। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपियों द्वारा कमीशन के लालच में अपने नाम से बैंक खाते खुलवाकर अपने नाम से सिम नंबर चालू करवा कर उन्हें साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराया गया था। इन बैंक खातों का उपयोग देश के विभिन्न राज्यों में ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की रकम प्राप्त करने एवं आगे ट्रांसफर करने के लिए किया जा रहा था। खातों में करोड़ों रूपये के ठगी के पैसे का लेन देन है।

प्रभावित गांव पहुंचे कलेक्टर, होगा सघन सर्वे व मॉनिटरिंग

उदयपुर के मतरिंगा क्षेत्र में मलेरिया का प्रकोप, मरीजों की संख्या 44 तक पहुंची

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर

सरगुजा के दूरस्थ क्षेत्र उदयपुर के मतरिंगा में मलेरिया का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले तीन महीने के भीतर क्षेत्र में लगभग 44 ग्रामीणों में मलेरिया पीएफ की पुष्टि हुई है। हालांकि इनमें से ज्यादातर मरीजों का उपचार हो चुका है और वर्तमान में सिर्फ तीन केस ही एक्टिव हैं जिनका उपचार जारी है। इस बीच हरिभूमि की खबर के बाद रविवार को कलेक्टर अजीत वसंत भी मलेरिया प्रभावित गांव पहुंचे। इस दौरान कलेक्टर ने सुदूर बसाहट क्षेत्रों में सघन सर्वे कर नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए है।

- तीन माह के भीतर सामने आए मामले: स्वास्थ्य विभाग

बता दें कि सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र मतरिंगा, मुसरडांड पारा में मलेरिया के मरीजों की पुष्टि हुई थी। यह गांव जिले के अंतिम छोर पर बसा हुआ है और कोरबा जिले से लगा हुआ है। सुदूर वादिवासी क्षेत्र में मलेरिया के मरीज मिलने का मामला 6 मई को आया था। क्षेत्र से लगे केदमा पीएचसी में संभावित मरीज की जांच के दौरान मलेरिया पीएफ की पुष्टि हुई थी और उसके बाद से लगातार क्षेत्र में मलेरिया के मरीज मिलने का मामला सामने आ रहा है। इस दौरान खर्रानगर, मतरिंगा, मूसरडाड़ एवं मोकना पहाड़ क्षेत्र में शिविर लगाकर और घर घर अभियान चलाकार लोगों की जांच की गई और अब तक की जांच में लगभग 44 ग्रामीणों में मलेरिया की पुष्टि होने की बात सामने आई है। हालांकि अधिकारियों द्वारा 7 अगस्त तक की स्थिति में 34 मरीजों के होने की बात कही गई थी लेकिन अब अधिकारी 44 मरीज मिलने की बात कह रहे है। स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि सभी मरीज 6 मई से तीन महीने के भीतर सामने आए है और वर्तमान में सिर्फ तीन मरीज ही मलेरिया से प्राभावित है और उनका उपचार चल रहा है।



हरिभूमि फॉलोअप



स्थिति नियंत्रण में

उदयपुर के मतरिंगा क्षेत्र में मई से अब तक लगभग 44 केस सामने आए है और वर्तमान में सिर्फ तीन केस ही एक्टिव है। शेष मरीजों का समय रहते उपचार हो गया है। कलेक्टर ने प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया है और आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है।

डॉ. पीएस मार्को, सीएमएचओ, सरगुजा

घर-घर जाकर लोगों की स्वास्थ्य जांच की जाए

कलेक्टर ने प्रभावित गांव में निरीक्षण के दौरान अधिकारियों से कहा कि घर-घर जाकर लोगों की स्वास्थ्य जांच की जाए और संदिग्ध मरीजों के तत्काल सैंपल लेने तथा पॉजिटिव पाए जाने पर समय पर उपचार सुनिश्चित की जाए। इस हेतु उन्होंने मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, रोजगार सहायक, सचिव सभी को शामिल करने की बात कही। कलेक्टर ने कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों की ड्यूटी लगाएं, प्रत्येक परिवार की जांच हो। उन्होंने मलेरिया की रोकथाम के लिए आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई, जलभराव वाले स्थानों की पहचान और मच्छरों के नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाने कहा। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीमों को लगातार निगरानी बनाए रखने और लोगों को मलेरिया से बचाव के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी परिवारों को मच्छरदानी प्रदान करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मतरिंगा ग्राम में राशन वितरण, सोलर लाइट, विद्युत, पुलिया सहित अन्य समस्या संज्ञान में आने पर कलेक्टर ने सम्बंधित विभागों को तत्काल आवश्यक कार्यवाही कर निराकरण के निर्देश दिए।

जस्टिस मोहपात्रा का ओडिशा से छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट तबादला

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने चार हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस की नियुक्ति एवं ओडिशा हाईकोर्ट के दो जस्टिस का तबादला आदेश जारी किया है। इसमें ओडिशा हाईकोर्ट के जस्टिस कृष्णा राम मोहपात्रा का छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट तबादला किया गया है। जस्टिस के.आर.मोहपात्रा का जन्म 18 अप्रैल 1965 में हुआ है। उनका परिवारक बैकग्राउंड भी न्याय के क्षेत्र से है। पिता स्व सरत चंद्र मोहपात्रा भी जस्टिस रहे हैं। विधि की शिक्षा प्राप्त करने के बाद 1988 से वकालत व्यवसाय से जुड़े। ओडिशा सरकार व केंद्र सरकार के विभिन्न विभाग व संस्थाओं के काउंसिल रहे। 17 अप्रैल 2015 को उन्हें ओडिशा हाईकोर्ट का जस्टिस नियुक्त किया गया। उल्लेखनीय है कि अगस्त माह में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस संजय एस अग्रवाल व जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल से सेवानिवृत्त हो रहे है। दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट के जारी अधिसूचना के अनुसार दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस वी कामेस्वर राव को पटना हाई कोर्ट, बॉम्बे हाईकोर्ट के जस्टिस रविन्द्र वी घुगे को कोलकोता, इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस महेश चंद्र त्रिपाठी को बॉम्बे हाईकोर्ट अश्वनी कुमार मिश्रा को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस के पद में पदस्थ किया गया है।



बिना किसी ठोस कारण पत्नी भरण- पोषण की हकदार नहीं

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में स्पष्ट किया है कि यदि पत्नी बिना किसी ठोस कारण के पति से अलग रह रही है, तो केवल पति की आर्थिक स्थिति के आधार पर वह भरण-पोषण की हकदार नहीं हो सकती। कोर्ट ने रायपुर कुटुंब न्यायालय के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें पत्नी का भरण-पोषण आवेदन खारिज किया गया था। हालांकि, सात वर्षीय बेटी के लिए पांच हजार रुपए प्रतिमाह भरण-पोषण की राशि निर्धारित की गई है। मामले के अनुसार निर्मला जैन और केशव लाल जैन का विवाह 25 मई 2015 को हुआ था और दोनों की एक बेटी है। दांपत्य विवाद के कारण अक्टूबर 2021 से दोनों अलग रह रहे हैं। पति केशव लाल जैन नारायणपुर जिले के ओरछा ब्लाक में शिक्षक हैं, जिनका मासिक वेतन 71,220 रुपए है। पत्नी ने कुटुंब न्यायालय में भरण-पोषण के लिए आवेदन दिया था, जिसमें उसने पति की आय और अपनी आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए भरण-पोषण की मांग की थी। कुटुंब न्यायालय ने 1 जुलाईको सुनवाई के बाद पत्नी का आवेदन खारिज कर दिया था। कोर्ट ने कहा कि पत्नी यह साबित करने में असफल रही कि वह किसी ठोस कारण से पति से अलग रह रही है। पत्नी ने हाईकोर्ट में क्रिमिनल रिवीजन दायर की, जिसमें उसने पति की अधिक आय का हवाला देते हुए भरण-पोषण की मांग की।

अंधेरे में खड़े छोटा हाथी ने बाइक टकराई, युवक की मौत

मुड़ागांव (कोरासी)। रानीपरतेवा-खड़मा पहुंच मार्ग पर शनिवार की रात करीब 9:30 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में मुड़ागांव निवासी 30 वर्षीय युवक रेखराम ध्रुव की मौत हो गई। हादसा रानीपरतेवा से कुछ दूरी पर पीपल पेड़ के पास सड़क किनारे अंधेरे में खड़े छोटा हाथी वाहन से मोटरसाइकिल टकराने के कारण हुआ। रेखराम ध्रुव शनिवार रात करीब 9 बजे अपने निवास मुड़ागांव से अपने दूसरे घर ग्राम रवेली जाने के लिए मोटरसाइकिल से निकले थे। उनके साथ उनके घर में काम करने वाला एक मिस्त्री भी पीछे बैठा हुआ था। इस दौरान रुक-रुककर रिमझिम बारिश हो रही थी। बताया गया कि बारिश के कारण वे बीच-बीच में रुककर आगे बढ़ रहे थे। बारिश थमने के बाद जब वे रानीपरतेवा से आगे पहुंचे, तभी सड़क किनारे अंधेरे में खड़े छोटा हाथी वाहन क्रमांक सीजी 04 एलएच 5987 से उनकी मोटरसाइकिल जा टकराई।



मातृत्व वंदन योजना में गड़बड़ी

बेटे को बेटी बताकर निकाली राशि

सेदम, सरगुजा। कपाटबहरी में मातृत्व वंदन योजना के तहत बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि योजना की राशि निकालने के लिए कुछ मामलों में रिकॉर्ड में बेटे को बेटी दर्शाया गया। महिलाओं ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं पर योजना का लाभ दिलाने के नाम पर अवैध वसूली करने का भी आरोप लगाया है। शिकायत के बाद कलेक्टर के निर्देश पर महिला एवं बाल विकास विभाग के बतौली परियोजना अधिकारी पीआर एक्का अपनी टीम के साथ जांच के लिए पहुंचे।

- कपाटबहरी में 25 से अधिक महिलाओं ने की शिकायत, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं पर वसूली का भी आरोप

कपाटबहरी की महिलाओं ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मातृत्व वंदन योजना के तहत हितग्राहियों को मिलने वाली राशि के वितरण में अनियमितता की शिकायत की थी। महिलाओं के अनुसार, योजना के तहत प्रथम पुत्री के जन्म पर छह हजार रुपए तथा प्रथम पुत्र के जन्म पर पांच हजार रुपए की सहायता राशि दी जाती है। वहीं दूसरी संतान पुत्री होने पर भी निर्धारित प्रावधान के अनुसार लाभ दिया जाता है। आरोप है कि गांव में कुछ ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें दूसरे पुत्र के जन्म के बावजूद रिकॉर्ड में उसे पुत्री दर्शाकर छह हजार रुपए की राशि स्वीकृत कर दी गई। महिलाओं ने इसे शासन की राशि का गलत तरीके से आहरण बताया है।

महिलाओं ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं पर योजना का लाभ दिलाने के नाम पर एक से तीन हजार रुपए तक वसूलने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि पैसे नहीं देने पर उन्हें भविष्य में सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलने की धमकी दी गई। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, कार्यकर्ताओं ने उनसे जबरन राशि ली।

शिकायत के बाद कलेक्टर के निर्देश पर बतौली परियोजना अधिकारी पीआर एक्का टीम के साथ कपाटबहरी पहुंचे। कलेक्टर को दी गई शिकायत में छह महिलाओं के नाम थे, लेकिन मौके पर जांच के दौरान बड़ी संख्या में अन्य महिलाएं भी सामने आईं। करीब 20 से 30 महिलाओं ने अधिकारियों के समक्ष इसी तरह की शिकायतें रखीं। जांच के दौरान छह महिलाओं और तीन आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के बयान दर्ज किए गए। बाद में शिकायत करने वाली महिलाओं की संख्या 25 से अधिक हो गई। परियोजना अधिकारी पीआर एक्का ने महिलाओं को उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

बिना नोटिस के शहर मंडल भंग करने से भाजपा में बवाल

राजनांदगांव। डोंगरगढ़ में भारतीय जनता पार्टी के प्रिंस भाटिया सहित सौ से अधिक कार्यकर्ताओं द्वारा एक साथ सामूहिक इस्तीफा दिया था। जिला संगठन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रिंस भाटिया सहित पांच कार्यकर्ताओं को छह वर्षों के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया था। इसके साथ ही डोंगरगढ़ शहर भाजपा मंडल की पूरी कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से बिना नोटिस भंग कर दिया गया था। रविवार को जिले के प्रवास पर पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से डोंगरगढ़ के सौ से से अधिक वरिष्ठ एवं सक्रिय पदाधिकारियों ने मुलाकात की और अपनी बात रखी।

हरिभूमि HEALTH CARE छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बडों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोनः 0771-4044551 समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोनः +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130



धर्मेंद्र को दिया जाएगा 'प्यार ही प्यार बेशुमार' के तहत म्यूजिकल ट्रिब्यूट

मुंबई। दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र को मुंबई में 21 अगस्त के दिन एक शानदार म्यूजिकल ट्रिब्यूट 'प्यार ही प्यार बेशुमार' दिया जाएगा। यह कार्यक्रम मुंबई के बांद्रा वेस्ट में मौजूद सेंट एंड्रयूज ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। इसमें अभिनेता की यादगार फिल्मी विरासत का जश्न मनाया जाएगा। इसे बिगटाइम एंटरटेनमेंट के संस्थापक पंकज रैना ने तैयार और आयोजित किया है, जो खुद एक प्रोड्यूसर और अभिनेता भी हैं। 'प्यार ही प्यार बेशुमार' टाइटल उस अपार स्नेह को बखूबी दर्शाता है, जो दर्शकों की कई पीढ़ियों ने धर्मेंद्र पर बरसाया है। इस म्यूजिकल शाम में धर्मेंद्र के शानदार सफर से जुड़े कुछ यादगार म्यूजिकल पलों को फिर से जिया जाएगा।

लाइफ Style



श्वेता

साइकोलॉजिकल थ्रिलर असुर 3 में हुई एंट्री

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

'असुर' गौरव शुक्ला द्वारा बनाई गई एक बहुत ही सफल और दिलचस्प साइकोलॉजिकल थ्रिलर है। दो सीजन की जबरदस्त सफलता के बाद मेकर्स अब तीसरे सीजन को लाने की तैयारी में है और इसी को लेकर अब अपडेट सामने आ गई है।

धनंजय राजपूत और निखिल नायर के निभाए किरदार इस फ्रैंचाइजी का अहम हिस्सा बन चुके हैं और अब यह देखना दिलचस्प होगा कि फैन्स के लिए आगे क्या है। कास्ट में और रोमांच जोड़ने के लिए, एक्ट्रेस श्वेता बसु प्रसाद तीसरे सीजन में शामिल होने जा रही हैं। हालांकि उनके किरदार के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन उम्मीद है कि उनके आने से इस थ्रिलर में एक नया मोड़ आएगा। पिंकविला की रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'असुर' के मोस्ट अवेटेड तीसरे सीजन की शूटिंग सितंबर में शुरू होने वाली है और मेकर्स कहानी को एक नए चैप्टर के साथ आगे बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। जाहिर है कि वेब सीरीज के तीसरे भाग में भी अरशद वारसी और बरुन सोबती ही मुख्य भूमिकाओं में होंगे, जो पहले सीजन से ही इस शो का अहम हिस्सा रहे हैं। जानकारी के लिए बता दें कि कैमरे के पीछे एक और बड़ा बदलाव यह है कि लेखक और क्रिएटर गौरव शुक्ला, जो 'असुर' से गहराई से जुड़े रहे हैं, सीजन 3 के साथ डायरेक्टर के तौर पर अपनी शुरुआत करेंगे। पिछले दो सीजन का निर्देशन ओनी सेन ने किया था, जबकि शुक्ला लेखक और क्रिएटर थे। गौरव शुक्ला इस बार प्रोड्यूसर की भूमिका भी निभाएंगे।



इंसिडियस की छठी किस्त की रिलीज 21 को



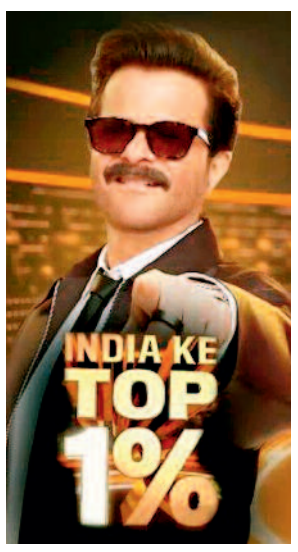
नई दिल्ली। हॉलीवुड की फेमस हॉरर फ्रैंचाइजी 'इंसिडियस' की छठी किस्त अब सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। सोनी पिक्चर्स ने 5 अगस्त को फिल्म 'इंसिडियसः आउट ऑफ द फर्दर' का आखिरी ट्रेलर भी रिलीज कर दिया। ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे शैतान अंधेरी दुनिया से बाहर निकलकर वास्तविक दुनिया में कदम रख रहे हैं. फिल्म 21 अगस्त को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। ट्रेलर की शुरुआत डरावने माहौल के साथ होती है। अंधेरे कमरों, रहस्यमय आवाजों और भयभीत चेहरों के बीच लाल रंग के शब्दों में संदेश उभरता है। फिल्म ब्लमहाउस और एटॉमिक मॉन्स्टर की को-प्रोडक्शन है। इसमें जेम्मा की कहानी है, जिसे अभिनेत्री अमेलिया ईव ने निभाया है। जेम्मा अपनी बेटी के साथ उसी घर में रहती है जहां उसका बचपन बीता था. एक दिन उसे पता चलता है कि वह 'द फर्दर' नामक उस रहस्यमय लोक में जा सकती है।

सोनू ने सर्जरी करवाते हुए गाया गाना ..



मुंबई। सिंगर सोनू निगम ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया है, जिसने फैंस को परेशान कर दिया है। वो ऑपरेशन थिएटर में लेटे हुए गाना गा रहे हैं और अपनी सर्जरी करा रहे हैं। सोनू निगम की सर्जरी कर रहे डॉक्टर्स भी उन्हें देखकर हैरान रह गए हैं। रविवार को सोनू निगम ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें वह ऑपरेशन टेबल पर लेटे हुए थे। सिंगर को 1949 की फिल्म 'दुलारी' का मोहम्मद रफी का मशहूर गाना 'सुहानी रात ढल चुकी' गाते हुए देखा गया। सोनू ने बताया कि उन्होंने यह गाना अपने डॉक्टर और मेडिकल टीम के लिए गाया था। सिंगर श्रेया घोषाल ने सोनू के जल्द ठीक होने की कामना करते हुए लिखा, 'प्लीज सोनू जी, जल्द ठीक हो जाइए! आप जल्दी ठीक हों। ऐसी हालत में भी म्यूजिक के प्रति आपका समर्पण और परफेक्शन वाकई प्रेरणादायक है!' विशाल मिश्रा ने भी कमेंट किया, 'इसीलिए आप मेरे भगवान हैं, जल्द ठीक हो जाइए भैया।' रणवीर अल्लाहबादिया ने लिखा, 'जल्द ठीक हो जाइए सोनू सर! ढेर सारा प्यार।' हालांकि .सोनू की सर्जरी की वजह अभी पता नहीं चली है, लेकिन इस साल जून में सिंगर ने एक वीडियो शेयर करके बताया था कि उन्हें 'पिंच्ड नर्व्स' (नसों के दबने) की समस्या है। हाल ही में सोनू ने 'बंटवारा 1947' फिल्म के गाने 'तबस्सुम' के लिए अपनी आवाज दी है। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सनी देओल, शबाना आजमी, प्रीति जिंटा और अन्य कलाकार भी अहम रोल्स में हैं। यह फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अनिल लेकर आए नया गेम शो जल्द शुरू होगा इंडिया के टॉप 1%



नई दिल्ली। अभिनेता अनिल कपूर जल्द ही एक रियलिटी शो होस्ट करते नजर आएंगे। इस शो का नाम है 'इंडिया के टॉप 1%'। जल्द रिलीज होने जा रहा इस शो में किताबी ज्ञान की जगह प्रतिभागियों का लॉजिक टेस्ट किया जाएगा। गेम शो 'इंडिया के टॉप 1%' लॉन्च करते हुए अनिल कपूर ने कहा, 'मुझे यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि 'इंडिया के टॉप 1%' का प्रीमियर 5 सितंबर को होगा। मजेदार बात यह है कि इस शो को दर्शक घर बैठे-बैठे भी खेल सकते हैं। इस गेम शो से लोगों को परिवार के साथ वक्त बिताने का भी मौका मिलेगा।' गेम शो पर बात करते हुए अनिल कपूर ने बताया, 'यह एक ऐसा शो है जो आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। यह आपको चौंका देगा और सतर्क भी करेगा। यहां सिर्फ आपका ज्ञान काम नहीं आएगा, यह आपके सोचने के तरीका भी परखेगा। यहां हर चुनौती आपकी तर्कशक्ति, सूझबूझ और दबाव में शांत रहने की क्षमता की परीक्षा लेती है।'

दुनियाभर में हासिल की सफलता

बता दें इस शो का मूल 'द 1% क्लब' से आया है। इस शो ने दुनियाभर में सफलता हासिल की है। नीदरलैंड, जर्मनी, स्पेन, ग्रीस, ऑस्ट्रेलिया, इजराइल, तुर्की, यूक्रेन, मैक्सिको और यूएसए जैसे देशों में दर्शकों ने इस गेम को काफी पसंद किया। अब भारत में यह शो 'इंडिया के टॉप 1%' के नाम से प्रसारित किया जाएगा। शो 5 सितंबर से स्टारप्लस पर प्रसारित होगा और साथ ही जियो हॉट स्टार पर भी इसे स्ट्रीम किया जाएगा।

14 अगस्त को थिएटर में होने वाला है धमाका एक साथ रिलीज हो रहीं ये चार फिल्में

नई दिल्ली। 15 अगस्त के मौके पर रिलीज हुई फिल्मों को अक्सर लॉन्ग वीकेंड और फेस्टिव हॉलिडे का फायदा होता है। ऐसे में आने वाले दिनों में बॉक्स ऑफिस पर कुछ शानदार फिल्में दस्तक देने वाली हैं। सरकारी छुट्टी और फिर इन फिल्मों का धमाका मेकर्स को अच्छी ओपनिंग दे सकता है। पिछले कुछ सालों में 15 अगस्त के मौके पर रिलीज हुई फिल्मों को जबरदस्त फायदा हुआ है। ऐसे में आने वाले हफ्ते में रिलीज होने वाली ये चार फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर सकती हैं। 14 अगस्त को रिलीज होने वाली फिल्मों की लिस्ट ये रही।



बंटवारा 1947

आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म बंटवारा 1947 इस हफ्ते की सबसे बड़ी फिल्म मानी जा रही है। फिल्म में सनी देओल लीड हीरो है। कहानी एक ऐसे मुसलमान की है जिसे बंटवारे के बाद भारत से पाकिस्तान जाना पड़ता है। इस फिल्म में शबाना आजमी एक हिंदू पाकिस्तानी महिला के किरदार में हैं। प्रीति जिंटा, करण देओल, अली फजल जैसे एक्टर्स ने फिल्म में अहम किरदार निभाए हैं। ये फिल्म आने वाले शुक्रवार यानी 14 अगस्त को थिएटर में दस्तक देगी।

आवारापन 2

इमरान हाशमी की फिल्म आवारापन 2 सनी देओल को टक्कर देने आ रही है। इमरान हाशमी एक बार फिर अपने पुराने वाले अवतार में हैं और उन्हें इस अंदाज में वापस देखना उनके फैंस को पसंद आ रहा है। फिल्म 14 अगस्त को रिलीज होने वाली है।

द एंड ऑफ ओक स्ट्रीट

14 अगस्त को एम अमेरिकन साइंस फिक्शन फिल्म द एंड ऑफ ओक स्ट्रीट भी रिलीज ही रही है। फिल्म में ऐनी हाथवे, एवान म्क्ग्रेगोर, मैसी स्टेला और क्रिस्चियन कांवेरी शामिल है। इस मजेदार फिल्म को थिएटर पर देखने का इंतजार हो रहा है।

विश्वनाथ एंड संस

14 अगस्त को तमिल-तेलुगू ड्रामा फिल्म विश्वनाथ एंड संस रिलीज हो रही है। फिल्म की कहानी 40 साल के ओलिंपिक लेवल शूटर की जिंदगी के बारे में है। एक इमोशनल जर्नी, रिश्तों में फंसे किरदार के इर्दगिर्द रची गई है। फिल्म में सूर्या ने लीड रोल निभाया है।

परेशान होने वाली बात थी : आकांक्षा



नई दिल्ली। शो 'लॉकअप 2' में आते ही आकांक्षा चमोला ने बताया कि वह टीवी अभिनेता गौरव खन्ना से तलाक ले रही हैं। आगे चलकर उन्होंने कहा कि वह लड़कियों के प्रति भी आकर्षित रहती हैं। अभिनेत्री का यह राज सामने आने पर हंगामा खड़ा हो गया। इसी बारे में हाल ही में 'लॉकअप 2' से बाहर आने के बाद आकांक्षा चमोला ने बात की। उन्होंने बताया कि परिवार उनसे काफी नाराज है। जब शो 'लॉकअप 2' से आकांक्षा चमोला बाहर हुई थीं तो उनसे अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश ने सवाल-जवाब किए थे।

रेड कार्पेट पर फैन ने किया जबरन किस...



मुंबई। शनिवार को निकिता रावल एक इवेंट के रेड कार्पेट पर पोज दे रही थीं। तभी एक फैन उनके पास आई और उनसे सेल्फी की रिक्वेस्ट की। एक्ट्रेस ने मुस्कुराते हुए फोटो के लिए हामी भर दी। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि पहले फैन ने निकिता के गाल पर किस किया। इसके बाद उसने अचानक उन्हें अपनी तरफ खींचा और उनके होंठों पर किस कर दिया। यह देखकर निकिता एकदम चौंक गईं और खुद को पीछे हटाने की कोशिश करने लगीं। इतना ही नहीं, फैन बार-बार उन्हें पकड़कर किस करने की कोशिश करती रही। निकिता साफ तौर पर असहज नजर आईं और इस स्थिति से बाहर निकलने की कोशिश करती दिखीं। आखिर में फैन ने उनके गाल पर एक और किस किया और वहां से चली गई।

टीवी मसाला



26 साल बाद भी हर एपिसोड की पूरी तैयारी करते हैं अमिताभ

नई दिल्ली। शो में ऑडियंस को सिर्फ अमिताभ बच्चन का सवाल पूछने का अंदाज दिखाई देता है। लेकिन, कैमरे के पीछे वह हर एपिसोड की कितनी तैयारी करते हैं, शायद ही लोग जानते हों। केबीसी के डायरेक्टर अरुण शेषकुमार बताते हैं कि 26 साल बाद भी अमिताभ बच्चन का काम करने का तरीका नहीं बदला। वह सिर्फ शो होस्ट नहीं करते, बल्कि हर कंटेस्टेंट की कहानी को जीते हैं। अरुण शेषकुमार ने बताया कि आखिर क्यों उनके लिए **KBC** की सबसे बड़ी ताकत अमिताभ बच्चन हैं। अरुण कहते हैं, '26 साल बाद भी उनके काम करने का तरीका नहीं बदला है। वह सुबह सेट पर आते हैं और सबसे पहले स्क्रिप्ट देखते हैं। शो का सिर्फ शुरुआत और आखिर वाला हिस्सा स्क्रिप्टेड होता है। बाकी पूरा शो कंटेस्टेंट्स के साथ उसी समय होने वाली बातचीत पर चलता है'। वह बताते हैं, 'हमें पहले से नहीं पता होता कि हॉट सीट पर कौन पहुंचेगा। इसलिए हर एपिसोड से पहले हम करीब 10 कंटेस्टेंट्स की प्रोफाइल और उनकी जिंदगी की कहानियां तैयार रखते हैं। अमित जी उन सभी को पढ़ते हैं, समझते हैं और पूरी तरह आत्मसात कर लेते हैं। जब कोई कंटेस्टेंट हॉट सीट पर आता है, तो वह उसी के संघर्ष और जिंदगी के मुताबिक उससे बातचीत करते हैं। यही बात उन्हें बाकी टीवी होस्ट्स से अलग बनाती है'। अरुण के मुताबिक, अमिताभ बच्चन की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह सामने बैठे कंटेस्टेंट की घबराहट और बॉडी लैंग्वेज तुरंत पकड़ लेते हैं।



चिंतन

सीमा सुरक्षा के साथ सतर्कता भी जरूरी

भारत-पाकिस्तान सीमा पर अमृतसर के दाउके गांव में घुसपैठिए को बीएसएफ द्वारा मार गिराए जाने की घटना एक बार फिर याद दिलाती है कि सीमा सुरक्षा में छोटी-सी चूक भी बड़ी चुनौती का रूप ले सकती है। कंटीली तार के पास संदिग्ध गतिविधि, जवानों की सतर्कता, चेतावनी और उसके बाद हुई फायरिंग पूरी घटना बताती है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा बलों को हर समय सतर्कता बरतनी पड़ती है। सीमा पर यह घटना ऐसे समय हुई है, जब पाकिस्तान अपनी सैन्य क्षमताओं को तेजी से आधुनिक बनाने में जुटा है। रिपोर्टों के मुताबिक, पाकिस्तान ने भारत से लगे इलाकों में चीन निर्मित एसएच-15 व्हील्ड सेल्फ-प्रोपेल्ड होवित्जर तैनात किए हैं। इनकी संख्या करीब 250 बताई जा रही है, हालांकि इस तैनाती की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन यदि यह आकलन सही है तो इसे केवल हथियारों की खरीद का मामला मानना उचित नहीं होगा। यह चीन और पाकिस्तान के बीच गहरे होते सैन्य एवं रणनीतिक सहयोग का एक और गंभीर संकेत है। एसएच-15 स्वचालित तोप ट्रक चेसिस पर आधारित है और शूट एंड स्कूट क्षमता के कारण गोलीबारी के बाद तेजी से स्थान बदल सकती है। इससे जवाबी गोलाबारी का जोखिम कम होता है। लंबी दूरी तक मार करने वाली ऐसी प्रणालियां सीमा के पास तैनात होने पर किसी भी सैन्य संकट में दोनों पक्षों के लिए प्रतिक्रिया का समय घटा सकती हैं। यही वह पहलू है, जिसे भारत को गंभीरता से देखना चाहिए। चीन-पाकिस्तान सैन्य सहयोग की कहानी नई नहीं है। चीन के लिए पाकिस्तान एक रणनीतिक साझेदार होने के साथ-साथ उसके रक्षा उद्योग के लिए महत्वपूर्ण बाजार भी है, जबकि पाकिस्तान को अपेक्षाकृत कम लागत पर सैन्य आधुनिकीकरण और पश्चिमी देशों पर निर्भरता घटाने का अवसर मिलता है। भारत के लिए चुनौती इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि उसे एक साथ दो सीमाओं पर रणनीतिक परिस्थितियों पर नजर रखनी पड़ती है। पाकिस्तान की बढ़ती आर्टिलरी क्षमता, रॉकेट सिस्टम और अन्य सटीक मारक हथियारों के साथ चीनी तकनीक का मेल भविष्य के किसी संकट में सैन्य गणित को प्रभावित कर सकता है। अमृतसर की घटना इस बड़े परिदृश्य का जमीनी पहलू सामने रखती है। सीमा पर केवल भारी हथियारों की चुनौती नहीं है, बल्कि घुसपैठ, तस्करी, ड्रोन और संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी भी उतनी ही जरूरी है। इसलिए सीमा सुरक्षा को केवल जवानों की संख्या या हथियारों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। आधुनिक सेंसर, ड्रोन निगरानी, कैमरा नेटवर्क, बेहतर खुफिया तंत्र और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच तेज सूचना-साझाकरण को और मजबूत करना होगा। भारत को पाकिस्तान की हर गतिविधि पर प्रतिक्रिया देने के बजाय अपनी निवारक क्षमता को इतना मजबूत करना होगा कि किसी भी संभावित दुस्साहस की कीमत स्पष्ट हो। साथ ही, संदिग्ध घुसपैठ की घटनाओं में सख्त कार्रवाई के साथ निष्पक्ष और तथ्यात्मक जांच भी जरूरी है। चीन-पाकिस्तान का बढ़ता सैन्य तालमेल भारत के लिए निश्चित रूप से सतर्क रहने का संकेत है, लेकिन इसे अनावश्यक भय का कारण बनाना भी उचित नहीं। भारत की वास्तविक ताकत उसकी तकनीकी क्षमता, स्वदेशी रक्षा उत्पादन, खुफिया तैयारी और त्वरित प्रतिक्रिया में है। सरहद पर चौकसी जितनी जरूरी है, उतनी ही जरूरी दूरदर्शी रणनीति भी है। सीमा की सुरक्षा केवल कंटीली तार से नहीं, बल्कि मजबूत निगरानी, आधुनिक तकनीक और हर संभावित खतरे के लिए तैयार रणनीति से सुनिश्चित होगी।



शिक्षा के पंचतत्त्व
प्रो. रमेश चंद्र कुहाड़

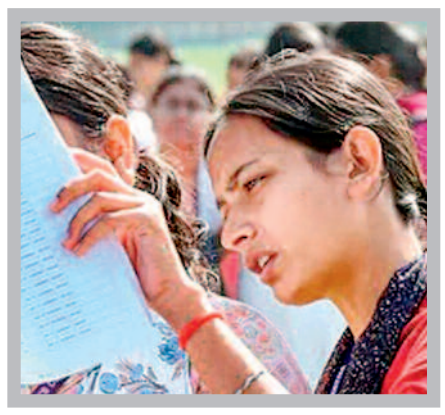
शिक्षा संस्थानों की अभिरक्षा का पुनर्निर्माण

> प्रश्नपत्र लीक, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं तथा प्रवेश प्रक्रियाओं को लेकर उत्पन्न विवादों ने करोड़ों छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के मन में गहरी चिंता उत्पन्न की है। वर्षों की कठोर साधना, अथक परिश्रम और असंख्य सपनों का भविष्य जब कुछ क्षणों में संदेह के घेरे में आ जाता है, तब सबसे अधिक आहत विद्यार्थी नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता होती है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक त्रुटि या तकनीकी विफलता का परिणाम नही, शिक्षा व्यवस्था की संरचना, उत्तरदायित्व और संस्थागत स्वायत्तता पर गंभीर पुनर्विचार का आह्वान भी है। इन चुनौतियों का समाधान केवल कठोर कानूनों, दंडात्मक प्रावधानों अथवा आधुनिक तकनीकी निगरानी में नहीं खोजा जा सकता।

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके प्राकृतिक संसाधनों, आर्थिक संपन्नता अथवा तकनीकी प्रगति में नहीं, बल्कि उसकी शिक्षित, जागरूक, नैतिक और उत्तरदायी युवा पीढ़ी में निहित होती है। शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के व्यक्तित्व, समाज की संस्कृति और राष्ट्र के चरित्र का निर्माण करने वाली सबसे प्रभावशाली शक्ति है। इसलिए जब शिक्षा व्यवस्था की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं, तब संकट केवल किसी परीक्षा, विश्वविद्यालय अथवा संस्था का नहीं होता; वह राष्ट्र के भविष्य, सामाजिक विश्वास और लोकतांत्रिक मूल्यों की विश्वसनीयता का संकट बन जाता है।

हाल के वर्षों में प्रश्नपत्र लीक, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं तथा प्रवेश प्रक्रियाओं को लेकर उत्पन्न विवादों ने करोड़ों विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के मन में गहरी चिंता उत्पन्न की है। वर्षों की कठोर साधना, अथक परिश्रम और असंख्य सपनों का भविष्य जब कुछ क्षणों में संदेह के घेरे में आ जाता है, तब सबसे अधिक आहत विद्यार्थी नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता होती है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक त्रुटि या तकनीकी विफलता का परिणाम नहीं है; यह शिक्षा व्यवस्था की संरचना, उत्तरदायित्व और संस्थागत स्वायत्तता पर गंभीर पुनर्विचार का आह्वान भी है। इन चुनौतियों का समाधान केवल कठोर कानूनों, दंडात्मक प्रावधानों अथवा आधुनिक तकनीकी निगरानी में नहीं खोजा जा सकता। स्थायी समाधान तभी संभव है, जब शिक्षा की मूल आत्मा, उसकी संस्थागत संरचना और शैक्षणिक उत्तरदायित्व को पुनः सुदृढ़ किया जाए। शिक्षा की संपूर्ण व्यवस्था पांच आधारभूत तत्व-प्रवेश, पाठ्यक्रम, पढ़ाई, परीक्षा और परिणाम पर आधारित है। यदि इनमें से कोई भी तत्व शिक्षा संस्थानों के नैतिक और शैक्षणिक नेतृत्व से बाहर चला जाता है, तो उत्तरदायित्व का स्वाभाविक क्षरण प्रारम्भ हो जाता है। उत्तरदायित्व का यह विखंडन अंततः पारदर्शिता को कमजोर करता है और वही परिस्थितियां प्रश्नपत्र लीक, अनियमितताओं तथा जनविश्वास के ह्रास जैसी समस्याओं को जन्म देती हैं। वर्तमान समय में शिक्षा व्यवस्था के अनेक महत्वपूर्ण कार्य विभिन्न बाहरी एजेंसियों के बीच विभाजित होते जा रहे हैं। प्रवेश प्रक्रिया कोई संस्था संचालित करती है, प्रश्नपत्र किसी अन्य एजेंसी द्वारा तैयार किए जाते हैं, परीक्षा किसी तीसरे तंत्र के माध्यम से आयोजित होती है और परिणाम भी कई स्तरों की बाहरी व्यवस्थाओं पर निर्भर हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में उत्तरदायित्व का स्पष्ट निर्धारण कठिन हो जाता है। जब उत्तरदायित्व बिखरता है, तब पारदर्शिता और जवाबदेही भी स्वतः कमजोर पड़ जाती है। परिणामस्वरूप किसी त्रुटि अथवा विफलता की स्थिति में दोष तो दिखाई देता है, परंतु उत्तरदायी व्यक्ति या संस्था स्पष्ट रूप से सामने नहीं आती। शिक्षा केवल परीक्षा आयोजित करने की प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है। यह शिक्षक, विद्यार्थी, पाठ्यक्रम, शोध, संवाद, मूल्यांकन और सतत बौद्धिक विकास के बीच निरंतर चलने वाली एक जीवंत प्रक्रिया है।

शिक्षक केवल विषय-विशेषज्ञ नहीं होता; वह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, चरित्र, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्माता होता है। यदि प्रवेश से लेकर परिणाम तक की संपूर्ण प्रक्रिया में शिक्षा



संस्थानों की भूमिका सीमित कर दी जाएगी, तो धीरे-धीरे उनका शैक्षणिक महत्व भी कम होने लगेगा। तब विद्यालय और विश्वविद्यालय केवल भवन बनकर रह जाएंगे, जबकि शिक्षा का वास्तविक केंद्र उनका बौद्धिक वातावरण, नैतिक संस्कृति और अकादमिक परंपरा होती है। निस्संदेह विद्यार्थियों की सुविधा, समान अवसर और राष्ट्रीय स्तर पर एकरूपता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अनेक प्रवेश प्रक्रियाओं का केंद्रीकरण किया गया है। सेंट्रल यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट जैसी व्यवस्थाओं ने विद्यार्थियों का समय, श्रम और आर्थिक व्यय कम करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। किंतु अनुभव यह भी दर्शाते हैं कि अनेक विश्वविद्यालयों में अपेक्षित संख्या में विद्यार्थी प्रवेश नहीं ले पा रहे हैं।

परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में सीटें रिक्त रह जाती हैं और बार-बार ओपन काउंसलिंग आयोजित करनी पड़ती है। यह केवल प्रवेश प्रक्रिया का प्रश्न नहीं, बल्कि संस्थागत उत्तरदायित्व, स्थानीय शैक्षणिक आवश्यकताओं और विश्वविद्यालयों की सक्रिय भूमिका से भी जुड़ा विषय है। अतः आवश्यकता किसी एक छोर पर खड़े होकर केंद्रीकरण या विकेंद्रीकरण का समर्थन करने की नहीं, बल्कि संतुलित और उत्तरदायी व्यवस्था विकसित करने की है। यदि राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाएं आवश्यक समझी जाती हैं, तो भी प्रवेश प्रक्रिया के अंतिम चरणों, विषय चयन, शैक्षणिक परामर्श और प्रवेश प्रबंधन में विश्वविद्यालयों की भूमिका अधिक सशक्त होनी चाहिए। इससे शिक्षा के प्रथम पंचतत्व, प्रवेश का स्वाभाविक संबंध पुनः शिक्षा संस्थानों से स्थापित होगा। इसी प्रकार यदि सरकार व्यावसायिक पाठ्यक्रमों, सिविल सेवाओं अथवा अन्य राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रवेश परीक्षाओं की व्यवस्था बनाए रखना आवश्यक समझती है तो उनकी शैक्षणिक विश्वसनीयता, गोपनीयता, निष्पक्षता और शुचिता का नेतृत्व शिक्षा संस्थानों तथा अनुभवी शिक्षकों के हाथों में होना चाहिए। आधुनिक तकनीक, सूचना-प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ, प्रशासनिक अधिकारी और सुरक्षा एजेंसियां इस प्रक्रिया के आवश्यक सहयोगी अवश्य हों, किंतु परीक्षा की शैक्षणिक आत्मा का केंद्र शिक्षक ही रहना चाहिए। एक विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली केवल तकनीकी दक्षता से निर्मित नहीं होती। उसके लिए शिक्षकों, प्रशासकों, सूचना-प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों तथा सहयोगी कर्मचारियों के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। फिर भी उसकी शैक्षणिक विश्वसनीयता का मूल आधार शिक्षक ही होता है। शिक्षक के लिए शिक्षण केवल आजीविका नहीं, बल्कि ज्ञान, चरित्र और समाज के प्रति आजीवन नैतिक उत्तरदायित्व है। यदि हमें प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाओं पर स्थायी नियंत्रण स्थापित करना है, प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पुनः स्थापित करनी है और समाज का विश्वास सुदृढ़ करना है, तो शिक्षा के पंचतत्व -प्रवेश, पाठ्यक्रम, पढ़ाई, परीक्षा और परिणाम को पुनः शिक्षा संस्थानों की अभिरक्षा, उत्तरदायित्व और नैतिक नेतृत्व में प्रतिष्ठित करना होगा।

यही शिक्षा की गरिमा, शिक्षक की प्रतिष्ठा और विद्यार्थी के उज्ज्वल भविष्य की सबसे सुदृढ़ आधारशिला है। भारत यदि ज्ञान-आधारित, नवाचारी और विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प रखता है, तो उसे शिक्षा को केवल प्रशासनिक व्यवस्था नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र निर्माण की सर्वोच्च संस्था के रूप में देखना होगा। प्रवेश, पाठ्यक्रम, पढ़ाई, परीक्षा और परिणाम- ये पांचों पंचतत्त्व तभी अपनी पूर्ण सार्थकता प्राप्त करेंगे, जब उनका संचालन उत्तरदायी, स्वायत्त और नैतिक शैक्षणिक नेतृत्व के अंतर्गत होगा। यही शिक्षा की विश्वसनीयता, शिक्षक की गरिमा, विद्यार्थी के भविष्य और राष्ट्र के ज्ञान-आधारित विकास की सबसे सुदृढ़ आधारशिला है।

(लेखक हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

मेटा पर सखी

डॉ. मोनिका शर्मा



सुरक्षा-सम्मान से जुड़ी जवाबदेही लेनी होगी

मौजूदा दौर में हर मोर्चे पर डिजिटल होते जीवन में भी वर्चुअल प्लेटफॉर्म्स नियमों से परे नहीं हो सकते। विशेषकर नागरिकों और देश की सुरक्षा के मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हाल ही में भारत सरकार ने मेटा के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में यही बात स्पष्ट रूप कही है कि देश में काम करने वाले सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म को भारतीय कानूनों का पालन करना होगा। ध्यातव्य है कि सरकार द्वारा मेटा कंपनी से एआई, डीपफेक, बाल यौन शोषण सामग्री और कंटेंट मॉडरेशन पर भी जवाब मांगा गया है। आईटी नियमों को और सख्त करने का प्रस्ताव रखने के साथ ही कई अहम मुद्दों पर विस्तार से हुई चर्चा के बाद मेटा ने यह भी स्वीकार किया कि बहुत सारा गैरकानूनी कंटेंट प्रमोट किया गया और खास ऑडियंस के लिए पेड प्रमोशन किए गए। ज्ञात हो कि इन्हीं दिनों फेसबुक और इंस्टाग्राम की मनमानियों पर अमेरिकी अदालत ने भी एक अहम निर्णय दिया है। बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य से खिलवाड़ और सुरक्षा में गंभीर चूक के बाद मेटा को अरबों रुपये का हर्जाना भरने का आदेश दिया गया है। यह सख्त निर्णय इस कंपनी द्वारा अपने फायदे के लिए बच्चों की सुरक्षा, गोपनीयता और मानसिक सेहत को पूरी तरह दरकिनार करने के गंभीर आरोपों के बाद आया है गौरतलब है कि व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम एवं फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फेसबुक पोस्ट को भी कुछ समय के लिए हटाने के साथ-साथ बच्चों के यौन शोषण वाले कंटेंट, डीपफेक और बहुत सारा पैसा लेकर कुछ खास सामग्री को बढ़ावा देने जैसी खामियों के लिए माफी मांगी है। ज्ञात हो कि जेन जी आंदोलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा युवाओं से की गई अपील वाले वीडियो संदेश मेटा ने हटा दिया था। मोदी की पोस्ट को तकनीकी समस्या (ऑटोमेटेड फ़िल्टर की त्रुटि) को इसका कारण बताकर कुछ देर बाद बहाल कर दिया था। वहीं न्यू मैक्सिको की एक शीर्ष अदालत के बाद अमेरिका में भी मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जुकरबर्ग ने सार्वजनिक रूप से गलती मानते हुए प्लेटफॉर्म पर चाइल्ड सेक्सुअल अब्यूज से जुड़ी सामग्री को रोकने में व्यवस्थागत असफलता की बात स्वीकार की है। साथ ही इस लापरवाही के लिए सुरक्षा प्रणालियों को बेहतर बनाने का आश्वासन भी दिया है। दरअसल, बात माफी मांगने से कहीं ज्यादा जवाबदेही लेने की है। इसके लिए कड़े नियम भी जरूरी हैं और मेटा कंपनी में दायित्वबोध का भाव भी। हालिया वर्षों में देश में होने वाली राजनीतिक घटनाएं हों या चर्चित चेहरों जुड़ा कंटेन्ट। बाल यौन शोषण से जुड़ी सामग्री हो या कंटेंट मॉडरेशन अपने फायदे के अनुसार नकारात्मक सामग्री को बढ़ावा देने की प्रवृत्ति स्पष्ट दिखती है। यही वजह है कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने भी सोशल मीडिया कंपनी मेटा को कथित पोर्नोग्राफ़ी और अनुचित आयुवर्ग से संबन्धित सामग्री अपने प्लेटफॉर्म पर दिखाने के विरुद्ध नोटिस जारी किया है। इसका सीधा सार अर्थ है कि इन प्लेटफॉर्म पर पॉक्सो कानून का उल्लंघन किया जा रहा है। ज्ञात हो कि यह नोटिस इंस्टाग्राम और फेसबुक पर चाइल्ड सेक्सुअल अब्यूज मटेरियल की श्रेणी के तहत आ सकते हैं। ज्ञात हो कि 2025 में भी सोशल मीडिया पर बच्चों के अश्लील वीडियो परोसे जाने को लेकर सरकार ने आपत्ति जताई गई थी। बावजूद इसके ऐसी सामग्री को लेकर लापरवाही जारी है। समझना मुश्किल नहीं कि हमारे देश में ही नहीं, दुनियाभर में एल्गोरिदम का खेल खेलने वाली टेक कंपनी मेटा के सभी मंचों पर मुनाफे की सोच हावी है। विचारणीय है कि हमारे देश में सोशल मीडिया पर परोसी या प्रमोट की जाने वाली सामग्री से कई चिंताएं और चुनौतियां जुड़ी हैं। भारत में अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे व्हाट्सएप पर करीब 56 करोड़, यू-ट्यूब पर करीब 50 करोड़, इंस्टाग्राम पर 48 करोड़, फेसबुक पर 40 करोड़, स्नैपचैट पर 21 करोड़ और एक्स पर 2 करोड़ से ज्यादा उपयोगकर्ता हैं। इनमें यूजर्स में युवाओं की संख्या ज्यादा है। अकेले इंस्टाग्राम पर 18 से 24 आयु वर्ग के 64 प्रतिशत युवा हैं। ऐसे में यहां साझा की जा रही सामग्री न केवल देश की बड़ी आबादी को प्रभावित करती है बल्कि सामाजिक-पारिवारिक और राजनीतिक परिवेश की दिशा से जुड़ी है। यही वजह है कि इनके नैतिक दायित्वों को याद दिलाने के साथ ही सख्त नियम बनाने और उनका पालन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक हो चला है। मेटा कंपनी के मनमानी रवैए पर केंद्र सरकार ने कहा है कि भारत में उसके जितने भी डिजिटल प्लेटफॉर्म काम कर रहे हैं, उन्हें भारतीय कानून का पालन करना ही होगा। साथ ही इस पहलू से जुड़ी चिंताओं के समाधान के लिए हर कदम उठाना होगा।

(लेखिका स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

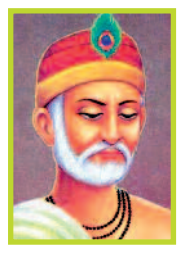
जब मन अशांत हो, इष्टदेव के मंत्रों का करें जप



संकलित
दर्शन

शुकदेव राजा परीक्षित को कथा सुना रहे थे, उस समय राजा ने पूछा कि आजकल लोग इतने बेचैन क्यों हैं? लोगों का मन अशांत क्यों है? शुकदेव ने राजा को एक कथा सुनाई कि एक दिन पृथ्वी ने भी भगवान से यही बात पूछी थी। पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि ये लोग जो खुद मौत के खिलौने हैं। ये सभी मुझे यानी धरती, राज्य जीतना चाहते हैं। अभी तक मुझे यानी धरती को कोई भी मृत्यु के बाद अपने साथ ऊपर नहीं ले जा सका है। लोग ये बात क्यों नहीं समझते हैं? शुकदेव ने राजा से कहा कि पृथ्वी ने ये सभी बातें भगवान से इसलिए कहीं थीं, कि धरती पर जो धन-संपत्ति है, वही सारे झगड़ों की जड़ है। सभी चाहते हैं कि मेरे पास दूसरों से ज्यादा वैभव हो, सभी इसी में लगे हुए हैं। जिस दिन इस दुनिया से जाएंगे, सब कुछ यहीं रह जाएगा। परीक्षित ने शुकदेव की बातें ध्यान से सुनीं और कहा कि आजकल इतनी अशांति है तो शांति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? शुकदेव ने कहा कि जब भी हमारा मन अशांत हो, हमें भगवान के नामों का जप करना चाहिए, ध्यान, पूजा-पाठ करना चाहिए। अपने इष्टदेव के नामों का जप करने से नकारात्मकता दूर होती है, मन शांत होता है। मंत्र जप से शरीर में जो परिवर्तन होते हैं, उनसे मन शांत होता है।

कपड़े की उपयोगिता दिखावे के लिए नहीं



संकलित
प्रेरणा

संत कबीर रोज अपने शिष्यों को और अन्य लोगों को उपदेश दिया करते थे। कबीर जी के उपदेश सुनने एक धनी व्यक्ति भी आता था। धनी व्यक्ति कबीर दास जी से बहुत प्रभावित था। एक दिन उस धनी व्यक्ति ने देखा कि कबीर दास जी जो कुर्ता पहनते हैं, वह बहुत पुराना हो गया और कुर्ता बहुत ही सामान्य कपड़े से बना था। अगले दिन धनी व्यक्ति एक मूल्यवान कुर्ता लेकर पहुंचा और कबीर दास को उपहार में दे दिया। कुर्ता मखमल से बना था। बाहर की ओर से कुर्ता मखमली था और अंदर की ओर उसमें सामान्य कपड़ा लगा था। धनी व्यक्ति ने सोचा था कि अब कबीर दास जी उसका दिया हुआ कुर्ता पहनेंगे। अगले दिन जब वह व्यक्ति फिर से कबीर दास जी के पास पहुंचा तो उसने देखा कि कबीर जी ने उल्टा कुर्ता पहना है। दरअसल, कबीर दास जी के कुर्ते का मलमल वाला हिस्सा अंदर की ओर था और बाहर सामान्य कपड़ा दिख रहा था। उस धनी व्यक्ति ने कबीर जी से पूछा कि ये आपने क्या किया? आपने तो कुर्ता उल्टा पहना है? सभी लोगों ने भी कबीर दास जी से पूछा कि कुर्ता मूल्यवान है तो आपने इसे उल्टा क्यों पहना है? कबीर जी ने कहा कि ये कुर्ता देखकर मैंने सोचा कि मखमल शरीर को स्पर्श होगा तो शरीर को ज्यादा बेहतर लगेगा, क्योंकि ये कपड़ा तो शरीर के लिए ही हैं। दिखाने के लिए तो साधारण हिस्सा ही काफी है। दूसरों को हमारे कपड़ों से क्या लेना-देना?

अंतर्मन



आज की पाती

गांव की हर चीज चाहिए लेकिन गांव नहीं चाहिए

यह एक साधारण-सा वाक्य नहीं, बल्कि आधुनिक भारतीय समाज की बदलती मानसिकता का सटीक चित्रण है। हम गांव के शुद्ध दूध की बात करते हैं, देसी घी की प्रशंसा करते हैं, जैविक अनाज खरीदने के लिए अधिक कीमत चुकाने को तैयार रहते हैं, गांव के फलों और सब्जियों को स्वास्थ्य का आधार मानते हैं, गांव की संस्कृति, लोकगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक जीवन को अपनी पहचान बताते हैं, लेकिन जब स्वयं गांव में रहने की बात आती है तो अधिकांश लोग उससे दूरी बनाना चाहते हैं। यह विरोधाभास केवल जीवन-शैली का नहीं, बल्कि विकास की हमारी अवधारणा का भी प्रश्न है। भारत को सदियों से गांवों का देश कहा जाता रहा है। आज भी देश की बड़ी आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। हमारी अर्थव्यवस्था की नींव कृषि पर टिकी है और कृषि गांवों के बिना संभव नहीं है। *– प्रमोद साहू, रायपुर*

ट्रेंड

गर्व का पल



भारतीय खेलों के लिए गर्व का पल, जब हमारे युवा एथलीटों ने वैश्विक मंच पर शानदार प्रदर्शन किया ! बसंत का हाई जंप में भारत का पहला मेडल और शाहनवाज का ब्रॉन्ज मेडल, हमारे रक्षा बलों के समर्पण, अनुशासन की मिसाल हैं।
- **राजनाथ सिंह,** रक्षामंत्री

रोशनी की मशाल



सिस्टम की फैलाई गई अंधेरी फिज़ा के बीच, देश के छात्रों ने अपने डर का सामना किया और रोशनी की मशाल जलाई है। अब समय आ गया है कि बीजेपी-आरएसएस और अडानी के सिस्टम को 'टाटा-बाय-बाय' कहकर खत्म कर दिया जाए।
- **राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

'हर घर तिरंगा' अभियान



'हर घर तिरंगा' अभियान हर व्यक्ति तक देशभक्ति की भावना पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम बन रहा है। आइए, हम सब उत्साह के साथ इस अभियान से जुड़ें और 'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा करने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।
- **नितिन नवीन,** अध्यक्ष, भाजपा

कानून-व्यवस्था कमज़ोर



पश्चिम बंगाल में विपक्षी नेताओं को डराने और उन पर हमला करने के लिए सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने जान-बूझकर कानून-व्यवस्था को कमजोर किया है। जैसे-जैसे मोदी सरकार की लोकप्रियता घट रही है, बीजेपी की हताशा बढ़ती जा रही है।
-**अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

चीन में सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भूमिका घटी



चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) महिलाओं के अधिकारों की रक्षा को लंबे समय से अपनी उपलब्धियों में से एक बताती रही है। हालांकि, विभिन्न अध्ययनों से पता चला है कि चीन में हाल के वर्षों में सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भूमिका घटी है, खासकर राजनीतिक और नीतिगत नेतृत्व में शीर्ष स्तरों पर। चीन में सत्तारूढ़ सीपीसी ने लैंगिक समानता के लिए एक मार्गदर्शक सिद्धांत के तौर पर दशकों से माओ जेदोंग के इस प्रसिद्ध नारे को बढ़ावा दिया है कि महिलाएं आधा आसमान थामे हुए हैं। हालांकि, सीपीसी के मुखपत्र 'पीपुल्स डेली' में प्रकाशित विभिन्न लेखों के विश्लेषण पर आधारित एक नये अध्ययन की मानें तो हाल के वर्षों में चीन के सरकारी मीडिया के विमर्श में बदलाव देखने को मिला है और इसमें मुख्य रूप से महिलाओं की घरेलू और पारिवारिक भूमिकाओं पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। सीपीसी दशकों से दावा करती आ रही है कि महिलाओं ने समाजवादी आधुनिकीकरण, सुधार और खुलापन लाने में सक्रिय भूमिका निभाई है। हालांकि, हांगकांग स्थित दो शोधकर्ताओं के मुताबिक, चीन के सरकारी मीडिया में 1990 के दशक के अंत में महिलाओं के चित्रण में व्यापक बदलाव दिखना शुरू हो गया।

ऑफ बीट

स्मार्ट चश्मे जिंदगी का हिस्सा बन रहे, खत्म होगी निजता



ऑस्ट्रेलिया की सड़कों पर ऐसे चश्मा पहने लोग अच्छी खासी संख्या में दिख जाएंगे जिससे वे आसपास की तस्वीरें और वीडियो बेहद सहजता से रिकॉर्ड कर सकते हैं। इसकी बड़ी वजह 'केमार्ट' है, जिसने हाल में सस्ते /"कैमरा वाले चश्मे/ बाजार में उतारे हैं और ये देखते ही देखते बिक गए हैं। ये चश्मे 'केमार्ट' के अपने ब्रांड 'आंको' के हैं जिनकी कीमत महज 89 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर है, जबकि 'मेटा' और 'रे-बैन' के इसी तरह के उत्पादों की कीमत 337 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर से शुरू होती है। 'कैमरा वाले चश्मे' को बड़े उपभोक्ता चलन में बदलने की इस कोशिश की एक कीमत है और वह कीमत चश्मा पहनने वाले की ही नहीं, बल्कि उसके आसपास मौजूद हर व्यक्ति की निजता को चुकानी पड़ सकती है। या इनसे रिकॉर्ड की गई तस्वीरें आखिर कौन देख सकता है। यही वजह है कि शुक्रवार को संघीय अटॉर्नी-जनरल मिशेल रोलैंड ने ऑस्ट्रेलिया के निजता आयुक्त से इस तकनीक की तत्काल समीक्षा करने को कहा। तो क्या मौजूदा निजता कानून तकनीक की इस नयी लहर से निपटने के लिए पर्याप्त मजबूत हैं? स्मार्ट चश्मे कोई नयी चीज नहीं हैं। गूगल ने 2013 में 'गूगल ग्लास' पेश किया था। उस समय मीडिया में इसकी खूब चर्चा हुई और कई मशहूर हस्तियों ने भी इसका समर्थन किया।

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

देशभर में तिरंगा यात्रा निकली, उपराष्ट्रपति और कई मुख्यमंत्रियों ने दिया संबोधन

पूरा देश तिरंगा यात्रा के जश्न में डूबा, कश्मीर से लेकर कोलकाता तक और श्री विजयपुरम (पोर्ट ब्लेयर) में फ्लैग पॉइंट पर राष्ट्रीय ध्वज फहरा

योगी ने काकोरी ट्रेन कार्रवाई के 101 वर्ष पूरे होने के मौके पर लखनऊ में तिरंगा यात्रा की शुरुआत की। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी प्रधानमंत्री के आभारी हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान बढ़ाने कदम उठाए और इनके अपमान को संज्ञेय अपराध की श्रेणी में लाकर खड़ा किया।

बांदीपोरा में जश्न



जम्मू कश्मीर में आजादी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जम्मू कश्मीर के बांदीपोरा से लेकर पश्चिम बंगाल के कोलकाता और मध्य प्रदेश के भोपाल तक देश रविवार को तिरंगा यात्रा के जश्न में डूबा रहा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में तिरंगा यात्रा की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत में रहकर लोग देश के राष्ट्रीय प्रतीकों, महापुरुषों, राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत का अपमान नहीं कर सकते। योगी ने रविवार को कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि भारत में रह कर लोग देश के राष्ट्रीय प्रतीकों, महापुरुषों, राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत का अपमान करें। योगी ने काकोरी ट्रेन कार्रवाई के 101 वर्ष पूरे होने के मौके पर लखनऊ में तिरंगा यात्रा की शुरुआत की। उन्होंने इस मौके पर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी प्रधानमंत्री के आभारी हैं, जिन्होंने भारत के राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान बढ़ाने के लिए कदम उठाए और इनके अपमान को संज्ञेय अपराध की श्रेणी में लाकर राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत की गरिमा बढ़ाई।

शहीदों के प्रति कृतज्ञता की अभिव्यक्ति : योगी

योगी ने कहा कि महान क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए देशभर में तिरंगा यात्रा निकाल रही है। योगी ने राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह और अशफाक उल्लाह खान समेत स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने काकोरी ट्रेन कार्रवाई के जरिए अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दी थी। यह सभी शहीदों के प्रति कृतज्ञता है।



महापुरुषों और राष्ट्र का अपमान बर्दाश्त नहीं

योगी ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि भारत में रह कर लोग देश के राष्ट्रीय प्रतीकों, महापुरुषों, राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत का अपमान करें। योगी की अगुवाई में यह तिरंगा यात्रा 5 कालिदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास से विधान भवन तक निकाली गई जिसमें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और उप मुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य एवं बृजेश पाठक समेत हजारों लोग शामिल हुए। योगी ने कहा कि राष्ट्रध्वज भारत की सादगी, विकास, विरासत और इसकी आन, बान एवं शान का प्रतीक है।

'वंदे मातरम ' की 150वीं वर्षगांठ मनाई जा रही

योगी ने यह भी कहा कि यह वर्ष इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि देश राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम ' की 150वीं वर्षगांठ मना रहा है। हमारे युवा प्रतिभाशाली और ऊर्जा से भरपूर हैं। उनमें देश के सामने आने वाली हर चुनौती का सामना करने की क्षमता है। इस ऊर्जा को उचित मंच मिलना चाहिए, ताकि वे खुद को तैयार कर देश को आगे ले जा सकें।

देहरादून में भी भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई

सीएम धामी ने भारतीय सेना के पराक्रम, वीरता को नमन किया



देहरादून। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को भाजपा महानगर देहरादून की ओर से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित यात्रा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट भी यात्रा में मौजूद रहे। गांधी पार्क से शुरू हुई तिरंगा यात्रा घंटाघर, दर्शनलाल चौक, लैंसडाउन चौक, कनक चौक और ओरिएंट सिनेमा होते हुए वापस गांधी पार्क पहुंची। यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं और आम लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारतीय सेना के पराक्रम और वीरता को नमन किया।

जयपुर सहित कई जिलों में तिरंगा यात्रा निकली, डांस भी किया

भजनलाल और नड्डा ने लहराया तिरंगा, स्कूली बच्चे, युवा और बुजुर्ग रहे शामिल



सरकार के 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत रविवार को जयपुर सहित कई जिलों में तिरंगा यात्रा निकाली गईं। बारिश के बीच अल्बर्ट हॉल से राज्यस्तरीय तिरंगा यात्रा निकाली। सीएम भजनलाल शर्मा और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा भी बारिश में हाथ में तिरंगा लहराते चले। यात्रा रामनिवास बाग चौराहा, सांगानेरी गेट होते हुए बड़ी चौपड़ पर समाप्त हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, युवा और बुजुर्ग शामिल हुए। बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर डांस किया। शर्मा ने तिरंगे का राजस्थान से ऐतिहासिक जुड़ाव बताते हुए कहा कि 15 अगस्त 1947 को आजादी के अवसर पर पहली बार फहराया गया तिरंगा राजस्थान की धरती से जुड़ा था। वह तिरंगा दौसा में तैयार किया गया था।

पहले की सरकारों ने राष्ट्रगीत को छोड़ दिया: नड्डा

सभा में नड्डा ने कहा कि हाल ही में राज्यसभा में 'प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर (संशोधन) एक्ट, 2026' पारित किया है। 55 साल पहले 'द प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर एक्ट' लाया गया था। इसमें राष्ट्रीय प्रतीकों जैसे संविधान, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय ध्वज के अपमान को दंडनीय अपराध घोषित किया गया था।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन 8 अगस्त के महत्व को बताया

पोर्ट ब्लेयर में फ्लैग पॉइंट पर 'हर घर तिरंगा' अभियान शुरू किया

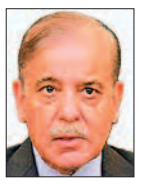
उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के श्री विजयपुरम (पोर्ट ब्लेयर) में फ्लैग पॉइंट पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने ऐतिहासिक सेलुलर जेल का दौरा किया और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उपराष्ट्रपति ने कहा कि जब आप अंडमान के बारे में सोचते हैं, तो सिर्फ़ वहां की हरियाली और सुंदरता ही मन में नहीं आती। सावरकर और नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने देशभक्ति की जो लौ जलाई थी, वह आने वाली कई पीढ़ियों तक हर भारतीय नागरिक के दिल में बनी रहेगी।



खबर संक्षेप

प्रदर्शनकारियों को पहले कहा आतंकी, अब बता रहा देशभक्त

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में तथाकथित सरकार की कमान



संभालने जा रही प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके भाई नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) प्रदर्शनकारियों से निपटने के मामले में नरम रुख अपनाती नजर आ रही है। पहले प्रदर्शनकारियों को आतंकी कहते थे अब देशभक्त बता रहे हैं। क्षेत्र में कई महीनों से हिंसा और विरोध प्रदर्शन जारी हैं।

तेज रफ्तार ट्रॉले ने वैन को ठोका, 6 की मौत

हरिभूमि न्यूज:धार। धार-उज्जैन फोरलेन पर ग्राम पंचकवासा के पास रविवार दोपहर करीब 1 बजे एक भयानक सड़क हादसा हो गया। रॉन्ग साइड से आ रहे लोहे से लदे अनियंत्रित ट्रॉले ने सामने से आ रही एक मारुति ईको वैन को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में वडोदरा (गुजरात) के 6 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सभी युवक उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन करने के बाद मारुति ईको वैन से वापस वडोदरा लौट रहे थे। भिड़ंत इतनी भयानक थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।

प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी पर शिकंजा

यूएपीए मामले में 26 ठिकानों पर छापा दस्तावेज व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त

हालिया आतंकी हमलों को लेकर पुलिस की कार्रवाई सोपोर शहर के साथ बोमाई, तारजू, शुतलु, रोहामा, गोरीपोरा और बहरामपोरा जैसे कई गांवों में तलाशी ली

संभावित नेटवर्क की जुटाई जा रही जानकारी अब तक सैकड़ों से पूछतांछ कर चुके हैं सुरक्षा बल | गैर कानूनी काम करने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, महत्पूर्ण जानकरी की संभावना

एजेंसी ▶▶ सोपोर

प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) से जुड़े यूएपीए मामले की जांच के तहत सोपोर पुलिस ने रविवार को पुलिस जिला सोपोर में 26 स्थानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। ये तलाशी जेईआई के नेताओं, सदस्यों और कार्यकर्ताओं से जुड़े आवासीय एवं अन्य परिसरों में की गई। अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों से आपत्तिजनक दस्तावेज, साहित्य और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद कर जब्त किए गए हैं। जब्त सामग्री की जांच की जा रही है ताकि प्रतिबंधित संगठन से जुड़े अन्य लोगों गतिविधियों और संभावित नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई प्रतिबंधित संगठनों और उनसे जुड़े नेटवर्क के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। तलाशी की पूरी कार्रवाई निर्धारित कानूनी प्रक्रिया और नियमों के तहत की गई। सोपोर पुलिस ने कहा कि गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले व्यक्तियों या संगठनों के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। मामले में आगे की जांच जारी है।

घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी खंगाला जा रहा



छापामारी के दौरान अलमारियां भी खंगाली गई

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सोपोर शहर के साथ-साथ बोमाई, तारजू, शुतलु, रोहामा, गोरीपोरा और बहरामपोरा जैसे कई गांवों में घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की तलाशी ली जा रही है. यह ऑपरेशन सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स की मदद से चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि ये तलाशी अभियान गैर-कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत चल रही जांच का हिस्सा हैं। हालांकि, अभी तक कोई नई गिरफ्तारी नहीं हुई है। साल 2019 में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यूएपीए के तहत जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध लगा दिया था और उसे एक गैर-कानूनी संगठन घोषित किया था। यह कार्रवाई संगठन के कथित अलगाववादी और आतंकी संबंधों की वजह से की गई थी। पुलवामा हमले के बाद यह कदम उठाया गया था। गृह मंत्रालय ने फरवरी 2024 में इस प्रतिबंध को और पांच साल के लिए बढ़ा दिया।

हालिया आतंकी हमलों के बाद हुई सख्त कार्रवाई

यह ऑपरेशन हाल ही में हुए कई आतंकी हमलों के बाद पूरे कश्मीर में सुरक्षा के लिहाज से की जा रही सख्त कार्रवाई के बीच चलाया जा रहा है। 22 जुलाई को आतंकवादियों ने अनंतनाग शहर के बीचों-बीच एक पुलिसकर्मी की बहुत पास से गोली मारकर हत्या कर दी। इसके एक हफ्ते बाद, पास के कुलगाम जिले में एक और टारगेटेड हमले में दो प्रवासी मजदूरों की हत्या कर दी गई। अनंतनाग हमले के बाद, सुरक्षा बलों ने पूरी घाटी में बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू की और 3,000 से ज्यादा संदिग्धों को हिरासत में लिया। कुछ अनुमानों के मुताबिक हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या इससे भी ज्यादा हो सकती है।

कश्मीर को विवादित क्षेत्र मानता है संगठन

अधिकारियों के मुताबिक जमात-ए-इस्लामी जम्मू-कश्मीर का गठन 1950 के दशक में एक अलग शाखा के रूप में हुआ था, जो सैयद अबुल आला मौदूदी की इस्लामी शिक्षाओं से प्रभावित थी। जमात-ए-इस्लामी ने स्कूलों और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों का एक बड़ा नेटवर्क चलाते हुए कट्टर धार्मिक दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया। यह संगठन कश्मीर को एक विवादित क्षेत्र मानता है। जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख नेताओं में मौलाना सादुद्दीन ताराबली शामिल थे, जिन्होंने 1953 में संगठन की स्थापना की थी और 1985 तक संगठन के प्रमुख रहे। उन्होंने 1990 के दशक में अलगाववादी हिंसा शुरू होने तक चुनावी प्रक्रिया में भाग लिया।

अब कोई रियायत नहीं, एच-1बी वीजा वालों की नौकरी गई, तो अमेरिका छोड़ना पड़ेगा!



नई नौकरी तलाशने की 60 दिन की मोहलत खत्म!

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में एच-1बी वीजा पर काम कर रहे विदेशी कर्मचारियों की मुश्किल बढ़ सकती है। अमेरिकी सरकार नौकरी जाने के बाद नई नौकरी तलाशने के लिए मिलने वाली 60 दिन की मोहलत खत्म करने पर विचार कर रही है। अगर यह बदलाव लागू होता है तो नौकरी जाने के बाद अमेरिका में रुकना मुश्किल हो सकता है।

यह प्रस्ताव फिलहाल व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट (ओएमबी) को भेजा गया है। अभी यह नियम नहीं बना है। दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका में एच-1बी वीजा पर काम कर रहे करीब 5 लाख भारतीयों पर इसका असर पड़ सकता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसी साल मई में यह मामला अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के सामने उठाया था। रूबियो ने माना था कि नए इमिग्रेशन सिस्टम में बदलाव के दौरान कुछ दिक्कतें और तनाव हो सकते हैं। हालांकि, रूबियो ने कहा था कि अमेरिका इमिग्रेशन सिस्टम को ज्यादा प्रभावी बनाने की कोशिश कर रहा है और लंबे समय में इसका फायदा सभी पक्षों को मिलेगा। रूबियो ने यह भी कहा था कि यह कदम खासतौर पर भारत को निशाना बनाकर नहीं उठाया गया।

उनके मुताबिक अमेरिका पिछले कुछ सालों में बड़े पैमाने पर अवैध प्रवासियों की समस्या से जूझ रहा है। 2 करोड़ से ज्यादा लोग गैरकानूनी तरीके से अमेरिका में दाखिल हुए और उसी चुनौती से निपटने के लिए यह बदलाव किए जा रहे हैं।

पहले जल्द मौत का दावा किया गया था

मुजतबा का जंग के बाद पहला वीडियो लोगों से बात करते नजर आए सुप्रीम

यह भी दावा था कि ईरानी सुप्रीम लीडर तेहरान में नहीं थे

एजेंसी ▶▶ तेहरान



ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई का जंग के बाद पहली बार वीडियो सामने आया है। ईरानी न्यूज एजेंसी मेहर ने यह वीडियो जारी किया है। इसमें मुजतबा जमीन पर बैठे लोगों के बीच उनसे बातचीत करते नजर आ रहे हैं। सुप्रीम लीडर बनने के बाद यह उनका पहला वीडियो है।

हालांकि, वीडियो कब रिकॉर्ड किया गया, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। पिछले कुछ दिनों से मुजतबा की सेहत को लेकर कई तरह के दावे किए जा रहे थे। इजराइली चैनल 14 ने उनकी हालत गंभीर होने और अस्पताल में भर्ती होने का दावा किया था। यहां तक कहा गया था कि उनकी जल्द मौत हो सकती है। अब वीडियो सामने आने के बाद इन दावों पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, मुजतबा की मौजूदा सेहत को लेकर अभी भी पूरी तस्वीर साफ नहीं है।

सऊदी मीडिया अल-हदथ ने इजराइली सुरक्षा सूत्र के हवाले से दावा किया था कि मुजतबा ईरान में नहीं थे। सूत्र ने यह भी कहा था कि मुजतबा के नाम से जारी सरकारी संदेश आईआरजीसी प्रमुख अहमद वाहिदी और दूसरे वरिष्ठ अधिकारी तैयार कर रहे थे। सुप्रीम लीडर बनने के बाद से मुजतबा सार्वजनिक तौर पर नजर नहीं आए थे।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू करेंगी स्वतंत्रता दिवस के 'एट होम' कार्यक्रम की मेजबानी

छत्तीसगढ़ की ढोकरा ढलाई व पिटवा शिल्पकला 'एट होम' कार्यक्रम के निमंत्रण किट में शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस के 'एट होम' कार्यक्रम के लिए इस वर्ष हस्तनिर्मित निमंत्रण किट तैयार करने वाले 130 शिल्पकारों की टीम में कभी नक्सल प्रभावित रहे छत्तीसगढ़ के करीब 50 कलाकार शामिल हैं। इस कार्यक्रम की मेजबानी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा की जाएगी। एनआईडी के निदेशक अशोक मंडल ने बताया, ''निमंत्रण किट करीब 130 लोगों ने तैयार की है, जिनमें छत्तीसगढ़ के कभी वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित रहे बस्तर क्षेत्र के करीब 50 शिल्पकार शामिल हैं। यह समावेशी विकास और आजीविका के अवसरों के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है।''इस निमंत्रण किट में छत्तीसगढ़, गोवा, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश की समृद्ध शिल्पकला, परंपराओं व सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया गया है। राष्ट्रपति भवन के अधिकारियों और अहमदाबाद स्थित राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान की एक टीम ने संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप इसकी परिकल्पना की है। यह किट स्थिरता, समावेशिता और सांस्कृतिक संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।



तीन महीने से अधिक समय में किट हुई तैयार

एनआईडी के निदेशक अशोक मंडल ने बताया कि तीन महीने से अधिक समय तक इन शिल्पकारों ने एनआईडी के शिक्षकों, डिजाइनर और विद्यार्थियों के साथ मिलकर अपनी पारंपरिक व पर्यावरण-अनुकूल शिल्प तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए भारत के राष्ट्रपति की ओर से भेजी जाने वाली इस अनूठी निमंत्रण किट को तैयार किया। मंडल ने बताया, ''पूरी तरह हस्तनिर्मित और पर्यावरण-अनुकूल यह किट भारत की कलात्मक उत्कृष्टता, सतत प्रथाओं और पारंपरिक शिल्पकार समुदायों के सशक्तीकरण का प्रतीक है।''

छत्तीसगढ़ की इन शिल्पकला को किया शामिल

मंडल ने बताया कि निमंत्रण किट में छत्तीसगढ़ की ढोकरा ढलाई कला को शामिल किया गया है, जो भारत की सबसे पुरानी धातु शिल्प की परंपराओं में से एक है। उन्होंने बताया कि इसमें समुदाय की पवित्र उपवनों के संरक्षण की परंपरा को भी दर्शाया गया है, इसके अलावा लोहे से तैयार की जाने वाली 'पिटवा' शिल्पकला का इस्तेमाल किट के डिस्प्ले फ्रेम और घंटी बनाने में किया गया है।

अधिकारी ने बताया, ''यह निमंत्रण किट उन कुशल शिल्पकारों और कारीगरों को समर्पित है, जो क्षेत्र की सदियों पुरानी ज्ञान परंपरा व विविध सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखे हुए हैं।

निमंत्रण किट में अन्य प्रदेशों की भी झलक

निमंत्रण किट में छत्तीसगढ़, गोवा, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में पर्यावरण संरक्षण व सतत पर्यावरणीय तौर-तरीकों के प्रेरणादायक उदाहरणों को दर्शाया गया है। ये क्षेत्र पहाड़ियों, घुमावदार नदी प्रवाह और भरपूर हरियाली वाले समृद्ध प्राकृतिक परिदृश्य के लिए जाने जाते हैं। इन राज्यों की जीवंत लोक कला परंपराओं का इस्तेमाल करते हुए तैयार की गई यह निमंत्रण किट समुदायों, रचनात्मकता और संरक्षण के बीच गहरे परस्पर संबंध की झलक प्रस्तुत करती है।

खबर संक्षेप

जुताई के दौरान ट्रैक्टर पलटा दबने से युवक की मौत

मैनपुर। गरियाबंद जिले के देवभोग थाना क्षेत्र के अमाड़ गांव से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। खेत में जुताई के दौरान ट्रैक्टर पलटने से उसके नीचे दबकर एक युवक की मौत हो गई। हादसा 03 कि मी दूर ओडिशा के खपराडीही गांव में हुआ, जो अमाड़ गांव से लगा हुआ क्षेत्र बताया जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार अमाड़ निवासी महेश्वर नागेश कृषि कार्य के लिए अपना ट्रैक्टर लेकर खपराडीह गया था। खेत में जुताई के दौरान ट्रैक्टर का चक्का दलदल में फंस गया, जिसके बाद वाहन अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रैक्टर के पलटते ही महेश्वर उसके नीचे आ गया और कीचड़ में दब गया। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। युवक को बाहर निकालने के प्रयास किए गए, लेकिन उसकी मौत हो गई।

बैरियर तोड़कर गांजा से भरी कार मकान में घुसी, चालक घायल

महासमुंद। पलसापाली में वाहन चेकिंग के दौरान गांजा से भरी एक कार बैरियर को तोड़कर भागने के दौरान एक मकान में जा घुसी। कार से उतरकर भाग रहा वाहन चालक भी गिरने से घायल हो गया। बसना पुलिस ने तलाशी के दौरान उक्त कार से 25 लाख रुपए का 50 किलो गांजा बरामद किया है। वहीं कार के घुसने से मकान क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने बताया कि 8 अगस्त को वाहन चेकिंग के दौरान क्रेटा वाहन क्रमांक ओडी 03 पी 7254 को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक वाहन को रोकने के बजाए बैरियर को ठोकर मारकर क्षतिग्रस्त कर भागने लगा, जिसका जब पीछा किया गया तब वाहन गढ़फुलझर के प्रीतम भोई के मकान के अंदर घुस गया, जिससे मकान क्षतिग्रस्त हो गया। इसी बीच जब चालक वाहन को छोड़कर भागनेके दौरान गिर गया, जिससे उसके बांये पैर में चोट आई।

पंडरिया के जंगलों में नहीं थम रही अवैध कटाई व अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

जिले के विकासखण्ड पंडरिया क्षेत्र के वनांचलों में जंगलों की अवैध कटाई रूकने का नाम नहीं ले रही है। बताया जाता है कि यहां ईमारती लकड़ी के साथ ही वनभूमि में अवैध कब्जा की नियत से बड़ी संख्या में हरेभरे पेड़ों को काटा जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि इतने बड़े में हो रही जंगलों की अवैध कटाई के बाद भी वन विभाग कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है जिसके चलते इस तरह से अवैध कृत्य को अंजाम देने वालों के हौसले बुलंद हैं। इस संबंध में क्षेत्र के पर्यावरण प्रेमियों और ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार हर साल भी वर्षा ऋतु में पंडरिया क्षेत्र के वनांचलों में धड़ल्ले से कुल्हाड़ी चलाई जा रही है। स्थिति ये है कि ग्राम तेलियापानी लेदरा, सेंदुरखार, बिरुलडीह, रुखमीदादर, पोलमी, अधचरा, भेलकी, मराडबरा सहित आसपास के जंगलों में बड़े पैमाने पर हरे-भरे ईमारती तथा अन्य प्रजाति के पेड़ों को काटा गया है। जिसके साक्ष्य जंगलों में अब मौजूद हैं। क्षेत्रवासियों ने बताया कि वर्षाकाल के दौरान जंगल काफी घने हो जाते हैं और वन अमला भी वर्षाकाल के दौरान जंगलों से दूरी बना लेता है जिसका बेजा फायदा उठाते हुए लकड़ी तस्कर सक्रिय हो जाते हैं। इन लोगों द्वारा विशेष रूप से ईमारती प्रजाति के पेड़ों का काटा जाता है जो वर्षाकाल में घने हो चुके जंगलों में सहजता से किया जा सकता है।

जंगलों से नदारद नजर आ रहा वन विभाग का अमला

वन विभाग नहीं पुलिस पकड़ रही अवैध लकड़ी

यहां बताना लाजिमी होगा कि अभी हाल के ही दिनों में कुकदुर पुलिस की गश्ती टीम ने एक पिकअप वाहन से 38 नग सागौन के लट्ठा, पांच नग आरा और एक नग तलवार बरामद की थी। ऐसे में बड़ा सवाल यही उठता है कि आखिर सागौन के इन लट्ठों की कटाई जिले के किस जंगल से की गई है और जब लकड़ी तस्कर बड़े इतमिनान से सागौन की अवैध कटाई कर रहे थे तब वन विभाग का अमला कहां था।



वनभूमि में अवैध कब्जाधारी भी सक्रिय

इसी प्रकार वर्षाकाल का ही फायदा वे लोग भी उठाते हैं जो क्षेत्र की वनभूमि में अवैध कब्जा करना चाहते हैं। इन लोगों द्वारा जंगलों को काटकर उन्हें खेत में तब्दील कर दिया जाता है और वन विभाग की अनदेखी का फायदा उठाते हुए आने वाले दिनो में इन्हीं खेतों में खेती किसानी करने लगते हैं। यही वजह है कि पंडरिया क्षेत्र का जंगल साल दर साल घटते चला जा रहा है। जिसे देखते हुए क्षेत्रवासियों ने वन विभाग से सक्रियता दिखाते हुए इस पर रोक लगाने तथा दोषियों के खिलाफ कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

लाल पानी की निकासी के लिए नाली तक नहीं, कंपनी ने नहीं दिया ध्यान

लौह अयस्क के लाल पानी से अंजरेल में लाखों की फसल बर्बाद पर कार्रवाई नहीं

अंजरेल में किसानों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। यहां खेतों में लौह अयस्क का लाल पानी पहुंचने से किसानों की खड़ी फसल बर्बाद होने की स्थिति में है। किसानों का आरोप है कि बीएसपी प्रबंधन की लापरवाही के कारण लाल पानी खेतों की ओर बहकर पहुंच रहा है। पानी की निकासी के लिए समुचित नाली अथवा अन्य व्यवस्था नहीं किए जाने से किसानों के खेत प्रभावित हो रहे हैं। लाखों रुपये की फसल पर लाल पानी का कहर टूटने से किसान आर्थिक संकट में आ गए हैं। किसानों ने नरहरपुर में सुनवाई नहीं होने पर कांकेर के पत्रकारों से मदद के लिए गुहार लगाया है।

मुआवजे की मांग को लेकर किसानों में आक्रोश



हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

किसानों के मुताबिक अंजरेल क्षेत्र में बीएसपी के द्वारा अंजरेल से लौह अयस्क का उत्खनन किया जा रहा है और बारिश होने पर लौह अयस्क का पूरा लाल पानी खदान के आसपास के किसानों के खेतों की ओर पहुंच रहा है। बारिश के दौरान समस्या और गंभीर हो जाती है। खेतों में लाल पानी जमा होने तथा बहने से फसल को नुकसान पहुंच रहा है। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते पानी की निकासी की स्थायी व्यवस्था कर दी जाती तो खेतों तक यह पानी पहुंचने से रोका जा सकता था। लेकिन लंबे समय से इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

खास खबर

प्रभावित किसानों का कहना है कि बीएसपी प्रबंधन की लापरवाही के चलते लाल पानी की निकासी के लिए पर्याप्त और सुरक्षित नाली का प्रावधान नहीं किया गया है। यही वजह है कि पानी अपने प्राकृतिक बहाव के साथ खेतों की ओर पहुंच रहा है। किसानों का आरोप है कि प्रबंधन को समस्या की जानकारी होने के बावजूद अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया। इससे हर बारिश के दौरान किसानों को अपनी फसल खराब होने का डर सताता रहेगा।

प्रशासन व बीएसपी से नाराजगी

किसानों का कहना है कि खेतों में लाल पानी पहुंचने की समस्या कोई अचानक पैदा हुई स्थिति नहीं है। इसके बावजूद नारायणपुर प्रशासन की ओर से प्रभावित किसानों की सुध नहीं ली जा रही है। वहीं बीएसपी प्रबंधन द्वारा भी किसानों की समस्या का स्थायी समाधान करने की दिशा में पहल नहीं किए जाने का आरोप लगाया गया है। प्रभावित किसानों ने प्रशासन से मौके का निरीक्षण कर खेतों में हुए नुकसान का तत्काल सर्वे कराने की मांग की है। किसानों का कहना है कि नुकसान का आंकलन कर उन्हें उचित मुआवजा दिलाया जाना चाहिए। साथ ही लाल पानी की निकासी के लिए ऐसी स्थायी व्यवस्था बनाई जाए, जिससे भविष्य में खेतों में पानी पहुंचकर फसल को नुकसान न पहुंचाए।

इन किसानों की फसल प्रभावित

प्रथम दृष्टया मिली जानकारी के अनुसार ग्राम अंजरेल के प्रभावित किसानों में सोमनाथ दुग्गा पिता लक्ष्मण, पंडरू गावड़े पिता दुरगू, सनवारी पति रैनसिंह, रामू राम गावड़े पिता जडंगा तथा बुधरू राम पिता गज्जू के खेत प्रभावित हुए है। इन किसानों का कहना है कि उनकी मेहनत और कृषि पर खर्च की गई राशि लाल पानी के कारण बर्बादी की कगार पर पहुंच गई है। किसानों ने सवाल उठाया है कि लाल पानी की निकासी के लिए उचित व्यवस्था करना संबंधित प्रबंधन की जिम्मेदारी है, तो इसका खामियाजा किसानों को क्यों भुगतना पड़ रहा है।

एनीकट में बहे दो युवकों में से एक की जान बची, दूसरे का सुराग नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ पिथौरा (ग्रामीण)



समीपस्थ ग्राम कौड़िया स्थित जोंक नदी के एनीकट में रविवार दोपहर नहाने गए पांच युवकों के लिए मौज-मस्ती का पल अचानक हादसे में तब्दील हो गया। एनीकट से नीचे की ओर छलांग लगाने के दौरान दो युवक नदी के तेज बहाव की चपेट में आ गए और देखते ही देखते बहने लगे। मौके पर मची चीख-पुकार के बीच पास में काम कर रहे चैन माउंटेन मशीन के चालकों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए एक युवक को बांस के डंडे की मदद से बाहर निकाल लिया, लेकिन दूसरा युवक पानी में डूबने के बाद लापता हो गया। देर

मिली जानकारी अनुसार, रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे ग्राम कौड़िया निवासी पांच युवक जोंक नदी के एनीकट में नहाने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान 16 वर्षीय अजित बरिहा पिता रामभाऊ बरिहा और हरिशंकर ठाकुर पिता गणेश ठाकुर ने एनीकट से नीचे की ओर पानी में छलांग लगा दी। बताया जा रहा है कि उस समय नदी में पानी का बहाव काफी तेज था। पानी में उतरते ही दोनों युवक बहाव की चपेट में आ गए और डूबने लगे। दोनों को पानी में बहते देख उनके साथ नहा रहे चंदू यादव, अजित यादव और प्रीतम यादव ने घबराकर बचाओ-बचाओ की आवाज लगाई।

बरघाट में उफनते नाले में बहा युवक, पेड़ पकड़कर बचाई जान

कसडोल। कसडोल थाना क्षेत्र के बरघाट में शनिवार को तेज बारिश के बीच नाला पार करते समय मध्यप्रदेश का एक युवक अनियंत्रित होकर पानी के तेज बहाव में बह गया। गनीमत रही कि बहते समय युवक एक पेड़ के सहारे रुक गया, जिससे उसकी जान बच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों, डायल 112 की टीम और कसडोल पुलिस ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान चलाकर युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश के सतना निवासी धनंजय गर्ग वर्तमान में ग्रासिम सीमेंट रावन में पॉइंटमैन के पद पर कार्यरत हैं। शनिवार को वे बरघाट स्थित नाला पार कर रहे थे। इसी दौरान तेज बारिश के कारण नाले में पानी का बहाव काफी तेज था। नाला पार करते समय अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वे पानी के तेज बहाव में बहने लगे। हालांकि कुछ दूरी पर वे एक पेड़ के सहारे रुक गए। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने डायल 112 की टीम एवं कसडोल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और ग्रामीणों के सहयोग से रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। कड़ी मशक्कत के बाद धनंजय गर्ग को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email : response.haribhoomi@gmail.com
CLASSIFIED
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 17000 सुपरवाइजर 20000 फील्ड अधिकारी 18000 कंप्यूटर ऑपरेटर 15000 -20000 टेंडर कार्य, मेस सुविधा ,आवास फ्री संपर्क:- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय:- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016.(आरो-815)

अति शीघ्र आवश्यकता है- Security Guard Post- 60 Salary: 22000 (CTC) 18500 (in hand) PF & ESIC अलग से योग्यताः हाइट- 5.5" वजन- 55 kg योग्यता- दसवीं पास फैसिलिटी- रहने की निःशुल्क व्यवस्था लोकेशनः उरला, रायपुर (छत्तीसगढ़) पताः मध्य भारत सिक्योरिटी सर्विस सोनकर बाड़ी के पीछे, सुंदर नगर, रायपुर (छ.ग.) Mob. 9244767619, 9244767686, 6267596471. (आरो-817)

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड, गनमैन, फिल्ड ऑफिसर, सिक्युरिटी सुपरवाइसर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई। वेतन 8000-20000 पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जेजे हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर, 9893041578, 8085233213, 7223821623. (आरो-41602)

टीचर

आवश्यकता है- लेडी वाईस प्रिंसीपल, इंचार्ज (फ्रेशर बी.एड.) एवं एकाउंट, मैथ्स, मैनेजमेंट इको, एसएसटी, इंग्लिश पढ़ाने हेतु, डांस, म्यूजीक, स्पोर्ट्स शिक्षक/शिक्षिकाओं, माली की आवश्यकता हैं। साक्षात्कार 13.08.2026 प्रातः 9:30 बजे, रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल, पानी टंकी के पास खमतराई, 9826198065, 0771-2252855. (आरो-002)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य के लिए लड़कियों एवं महिलाओं की जरूरत है। पता - ST ENTERPRISES, सब्जी मार्केट पानी टंकी, यूनिहोम्स सोसायटी के सामने, भाटागांव रायपुर (छ. ग.) संपर्क करे - 9993685150, 8871740076.(आरो-816)

आवश्यकता है- ऑफिस में साफ सफाई एवं अन्य कार्य हेतु चपरासी एवं महिला, 1 फुल टाइम को (घर),1 ई-रिक्शा ड्राइवर, फार्महाउस हेतु चौकीदार (सफाईकर्मी) रहने की सुविधा उपलब्ध 7974351591. (आरो-4157)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- किराना दुकान में काम करने हेतु मेहनती लड़को की आवश्यकता हैं। पढ़ाई में बाधा नहीं। आकर्षक वेतन। सम्पर्क करें- भगत किराना, गोल बाजार, रायपुर, मो. 7828644611.(आरो-001)

हरिभूमि क्लासीफाईड

आवश्यकता है- होलसेल खिलौना दुकान बंजारी चौक गोल बाजार रायपुर में कार्य हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है कम पढ़े लिखे भी संपर्क कर सकते है संपर्क:- 8349712577, 9827918086. (आरो-054)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में लड़को/लड़की (फ्रेशर/अनुभवी) की जरूरत है वेतन योग्यता अनुसारः आशीष शुभम मेडिकोज 41 छत्तीसगढ़ दवा बाज़ार राजबंधा मैदान रायपुर 81039 81038. (आरो-230)

हेल्पर

आवश्यकता है- भैय्या जी ढाबा (हनोदा) में कार्य करने के लिए रसोइया और हेल्पर की जरूरत है। संपर्क करें- 7000680424. (आरो -324)

ड्राइवर

आवश्यकता है- सुपेला भिलाई मे स्थित ब्रांडेड ऑटो रिक्शा के शोरूम मे इलेक्ट्रिक एवं डीजल ऑटो चलाने हेतु 1 अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है. अनुभवी को प्राथमिकता. वेतन योग्यतानुसार. मो. - 7909929991.(आरो-325)

आवश्यकता है- अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता न्यूनतम 10 वर्ष का अनुभव अनिवार्य, वेतन 15,000 प्रतिमाह। समय : सुबह ९ बजे से रात्रि ९ बजे तक , संपर्क करें: 9826708233 ,पता: 4/17, दक्षिण गंगोत्री, पोस्ट सुपेला, भिलाई (छ.ग.) (Ro-SPD/0070)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- फ्लेक्स प्रिंटिंग के कार्यालय में डिजाइनर,1 फ्लेक्स पेस्टर ,1 मशीन ऑपरेटर ,1 हेल्पर (लेबर) की शीघ्र आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध सरोना चौक के पास लॉजिस्टिक पार्क रायपुर. 7869187165. (आरो-4156)

पंप कर्मी

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप में कार्य करने हेतु युवक/युवतियों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता इच्छुक व्यक्ति अपने बायोडाटा सहित सम्पर्क करे डागा पेट्रोल पंप फाफाडीह चौक स्टेशन रोड रायपुर मो. 8109135400, 9179380728.(आरो-173)

घरेलु कार्य/कुक

आवश्यकता है- घरेलू कार्य एवं स्वादिष्ट खाना बनाने के लिए दो महिला की आवश्यकता हैं । (१) समयः सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक , वेतन : रु 10000 प्रतिमाह (२) समयः 24 घंटे (रहकर कार्य करने हेतु) वेतन :रु 15000 प्रतिमाह आयु : 35 से 60 वर्ष तक स्थानः गुरुद्वारे के पास, नेहरू नगर, भिलाई संपर्क करें: 9826708233. (Ro-SPD/0069)

बाइंडर/मार्केटिंग

आवश्यकता है- फुल टाइम/ पार्ट टाइम, बाइंडर जो कि प्रिंटिंग प्रेस में कार्य करने के साथ ही, मार्केटिंग जैसे पेपर लाना तथा बनी हुई सामग्रियों को विभिन्न कार्यालयों में देना, संपर्क - अजय प्रिंटर्स, रायपुर 7509921535, 7987377198.(आरो-4778)

हरिभूमि

पैकिंग कार्य

शीघ्र आवश्यकता है- आयुर्वेदिक क्लीनिक में दवा पैकिंग कार्य हेतु लड़के लड़कियां पुरुष महिलाओं की जरूरत संपर्क करें डॉक्टर अग्रवाल मोहन नगर थाना के सामने ब्राइट फर्नीचर के पीछे मो 9827199213.(आरो-4162)

कंस्ट्रक्शन कार्य

आवश्यकता है- कंस्ट्रक्शन के कार्य की जानकारी रखने वाले व्यक्ति की कटोरा तालाब के आसपास रहने वाले व्यक्ति को प्राथमिकता पता- सनी होतवानी महादेव कंस्ट्रक्शन बबला सीमेंट हाऊस संत कंवर राम चौक कटोरा तालाब रायपुर(आरो-295)

सेल्स एक्जीकेटिव

आवश्यकता है- भर्ती जारी- नरदाहा, रायपुर, प्रतिष्ठित रियल एस्टेट कम्पनी हेतु जनरल सेल्स एग्जीक्यूटिव, सेल्स एग्जीक्यूटिव एवं ऑफिस बॉय की तत्काल आवश्यकता है। आकर्षक वेतन, इंसेंटिव, PF, ESIC की सुविधा। इच्छुक उम्मीदवार अपना रिज्यूमे भेजें/ तुरन्त सम्पर्क करें - 9589000680.(आरो-41584)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- रिसर्च बेस आयुर्वेदिक दवाईयों के प्रमोशन हेतु छत्तीसगढ़ के सभी तहसील स्तर मे डाक्टर्स, नर्स, मेडिकल प्रोफेशनल की आवश्यकता है :- सेलरी + कमीशन २००००/- से-५००००/- 91657-33916, 97135-17535. (आरो-418)

आवश्यकता है- रियल स्टेट हेतु मार्केटिंग कार्य के लिए लड़को(उम्र 18 से 35) की आवश्यकता वेतन योग्यतानुसार + कमीशन, पता - शंकरनगर, चौपाटी रायपुर (मिले - सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक) 9098334681. (आरो-209)

मैकेनिक

आवश्यकता है- मैकेनिक चाहिए- दो पहिया वर्कशॉप हेतु अनुभवी, निपुण मैकेनिक की आवश्यकता है आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करे:- शुक्ला जी माँ दुर्गा ऑटोस फाफाडीह रायपुर मोबाइल नंबर:- 9993485550, 9300697230. (आरो-053)

आवश्यकता

(Walk in Interview)- छत्तीसगढ राज्यएड्स नियंत्रण समिति रायपुर के सहयोग से आनंद शिक्षण संस्था लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना में निम्न पद पर नियुक्ति हेतु आमंत्रण, आउटरीच वर्कर (ORW)- 1 पद, वेतन- =10500+1500 योग्यता 12वी, साक्षात्कार एवं लिखित परीक्षा है - दिनांक 12/08/2026 समय सुबह 11 से 2 बजे तक। पता :- म. 440, शांतिनगर, गदाचौक के पास, सुपेला, भिलाई संपर्क न. 7828854494, 9770377577.(आरो-Bhi.)

कुक/मिस्त्री

आवश्यकता है- रेस्टोरेंट कैफे में काम करने के लिये कुक (मिस्त्री) की आवश्यकता है. अनुभवी कुक जिसके हाथों में स्वाद हो. सैलरी 15000 से 20000, लोकेशन कुम्हारी चौक. 8982228900. (आरो-398)

Property प्रापर्टी

प्लाट

बेचना है - बिलासपुर नया हाईकोर्ट के पास काली ढाबा के सामने 5168 वर्गफुट प्लॉट एवं मोपका में कमर्शियल डायवर्सन किया हुआ 2500 वर्गफुट प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें 7898855268 (ब्रोकर क्षमा करें) (आरो-41541)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (जैसे भेजने, कोई भी शुल्क भुगतने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व व्यक्तिगत से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।



RAIPUR SMART BUSINESS
GST ITR फाइल बनवाएं मात्र 500/-
25 वर्ष का अनुभव
• CMA Data • Balance Sheet • प्रोजेक्ट रिपोर्ट
• फूड लाइसेंस • Income Tax Audit • TDS रिफंड
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।
संपर्क : शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants
C-74, सेक्टर- 1 आदर्श विद्यालय के पीछे, देवेन्द्र नगर, रायपुर
Whatsaap पर बनवाएं 9300755544, 8878655544



विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

हरिभूमि क्लासीफाईड

Healthcare



पत्नी-बेटे से छुपाकर खेत में गड़ाए 5 लाख रुपये, दीमक कर गई चट

नशे की लत व भूलने की बीमारी, किसान को पड़ गई भारी

एजेंसी ▶▶| जयपुर

राजस्थान के एक किसान को उसकी एक गलती भारी पड़ गई और दीमक उसके लाखों रुपये चट कर गई। बालोतरा जिले के मांगीलाल मेघवाल ने सालभर पहले एक प्लॉट बेचा था और उससे 5 लाख रुपये की रकम मिली। उसने उन पैसों को पत्नी व बेटों से बचाने खेत में दबा दिया। मांगीलाल की नशे की लत और भूलने की बीमारी के चलते पैसों को रखकर भूल गया। उसने काफी ढूंढा, लेकिन उसे पैसे नहीं मिले। आखिर में उसे पत्नी और बेटों को इसकी जानकारी देनी पड़ी, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। जब उसे पैसे मिले तो उसमें दीमक लग चुकी थी।

खेत में गड्ढा खोदकर छिपा दी थी रकम

मांगीलाल पचपदरा से कुछ दूरी पर स्थित नेवाई गांव में अपने खेत अपनी कच्ची ढाणी में परिवार के साथ रहता है। पचपदरा के प्लॉट को बेचने के बाद वह खेत में कमरा बनाना चाहता था। उसे डर था कि कहीं उसके पैसे चोरी नहीं हो जाए या उसके बेटे यह मोटी रकम खर्च न कर दें। इसी वजह से उसने एक रात 5 लाख रुपये पॉलीथीन में रखे और खेत में गड्ढा खोदकर छिपा दिया। उसने इसके बारे में परिवार को भी नहीं बताया।



10 बीघा खेत में कहां रखे थे पैसे, भूल गया किसान

कुछ समय बाद जब खेत में कमरा बनाने के लिए पैसों की जरूरत हुई तो उसने उन पैसों को बाहर निकलने का सोचा। तब तक वह उस जगह को भूल गया था। जब उसने इसके बारे में अपनी पत्नी व बेटों को बताया तो पहले उन्होंने इस पर विश्वास नहीं किया। बाद में परिजनों ने पैसों की तलाश शुरू की, लेकिन उन्हें भी पैसे नहीं मिले।

फिर मिले 500-500 के कटे-फटे नोट

करीब साल भर बाद बरसात होने के बाद खेत की बुवाई का काम शुरू हुआ। उसी दौरान, एक रात पैसों की थैली बाहर आ गई। जब उसकी पत्नी व बेटा खेत में तारबंदी सही कर रहे थे, तब उनकी नजर उस थैली पर पड़ी। दोनों ने जब उस कटी-फटी थैली को खोलकर देखा तो उसमें दीमकों के साथ 500-500 के नोट थे, जो दीमक लगने से टुकड़े-टुकड़े हो चुके थे।

बैंक ने नोट बदलने से किया इनकार

नोटों को इकट्ठा कर परिजन पचपदरा स्थित एसबीआई बैंक के दरवाजे पर पहुंचे। नोटों की हालत देखते हुए बैंक ने भी उसे लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद बालोतरा में बैंक की मुख्य शाखा भी पहुंचे और लेकिन वहां भी उन्हें निराशा हाथ लगी। अब इस मामले में उसके बेटे और पत्नी किसान को कोस रहे हैं।

झारखंड सरकार से हुई चर्चा

छात्रों की आधी मांगें मानीं, परीक्षा होगी रद्द; आज विधानसभा का घेराव

एजेंसी ▶▶| रांची

झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में कथित गड़बड़ी को लेकर छात्रों व सरकार के बीच तीसरे दौर की बातचीत हुई। इसमें सरकार ने छात्रों की आधी मांगें मान ली हैं। छात्रों ने बताया कि जेपीएससी पीटी परीक्षा रद्द करने पर सरकार ने सहमति जता दी है। हालांकि, अभी सहमति नहीं बन पाई है। हालांकि, छात्र सीबीआई जांच की मांग पर अड़े हैं। इस वजह से उन्होंने आंदोलन खत्म करने से इनकार कर दिया है।

क्या हैं छात्रों की मांगें? : छात्र जेपीएससी, जेएसएससी-सीजीएल समेत अन्य भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों की सीबीआई जांच, दोषियों पर कार्रवाई और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। प्रमुख मांगों में 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा रद्द करना, जेपीएससी और जेएसएससी दोनों में संरचनात्मक सुधार करना, भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच आदि मांगे शामिल हैं।

विधानसभा घेराव का ऐलान किया

कई दौर की बातचीत और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ मुलाकात के बावजूद छात्र अपनी मांगों से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। आज भी सहमति नहीं बनने के बाद छात्रों ने आज 10 अगस्त को विधानसभा तक विशाल मार्च निकालने की योजना बनाई है।

जैकेट के शेष

जितनी सीटें, उतने ....

देना होगा। एक बार प्राथमिकता भरने के बाद उसमें बदलाव नहीं किया जा सकेगा। अभ्यर्थी का चयन उन्हीं पदों के लिए होगा, जिन्हें उसने अपनी प्राथमिकता सूची में रखा है।

15 दिन में दस्तावेज ....

कार्यालय में उपस्थित होकर कार्यभार ग्रहण करना होगा। समय पर उपस्थित नहीं होने पर नियुक्ति पत्र जारी होने के 30 दिन बाद पद रिक्त माना जाएगा। यदि अभ्यर्थी आबंटित पद के निर्धारित मापदंड पूरे नहीं करता पाया गया तो उसे नियुक्ति आदेश नहीं मिलेगा। उसे उसी परीक्षा में किसी दूसरे पद पर भी स्थानांतरित नहीं किया जाएगा और उसकी अभ्यर्थिता समाप्त हो जाएगी।

अब तक धान ....

बोनी हो चुकी है, जो लक्ष्य का 102 प्रतिशत है। वहीं धान रोपा का लक्ष्य 9.70 लाख हेक्टेयर है, जिसके मुकाबले 9.36 लाख हेक्टेयर में रोपाई पूरी हुई है। धान की बोनी एवं रोपाई को मिलाकर कुल 36.50 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में काम पूरा हो चुका है। जो लक्ष्य का 93 प्रतिशत है।

61 प्रतिशत दलहन फसलों की बोनी : दलहन फसलों में अरहर की बोनी 94.81 हजार हेक्टेयर, मूंग 11.32 हजार हेक्टेयर, उड़द 75.09 हजार हेक्टेयर और कुल्थी 1.68 हजार हेक्टेयर में हुई है। दलहन फसलों का कुल क्षेत्रफल 182.90 हजार हेक्टेयर है, जो निर्धारित लक्ष्य का 61 प्रतिशत है। तिलहन फसलों में मूंगफली की बोनी 47.53 हजार हेक्टेयर, तिल 14.95 हजार हेक्टेयर, सोयाबीन 12.21 हजार हेक्टेयर, रामतिल 1.27 हजार हेक्टेयर तथा सूरजमुखी शून्य से मामूली क्षेत्र में हुई है। तिलहन का कुल बोनी क्षेत्र 75.96 हजार हेक्टेयर है।

राजनांदगांवः अच्छी बारिश ने दी खेतों को संजीवनी, धान की फसल में लौटी जान : राजनांदगांव, कवर्धा, दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, खैरागढ़, मोहला। शनिवार को दुर्ग संभाग के विभिन्न हिस्सों में हुई बारिश से खेती-किसानी को बड़ी राहत मिली है। बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के खेतों में नमी लौटने से धान समेत खरीफ की अन्य फसलों की बढ़वार को फायदा मिलने की उम्मीद है।

राजनांदगांव में धान को राहत : राजनांदगांव जिले में धान की फसल को शनिवार की बारिश से विशेष राहत मिली है। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कई किसान बारिश के इंतजार में थे। खेतों में नमी बढ़ने से धान की फसल की बढ़वार बेहतर होने की उम्मीद है। बारिश के बाद किसान अब खाद डालने और निराई-गुड़ाई जैसे कृषि कार्यों की तैयारी में जुट गए हैं।

दुर्ग जिले में रोपाई कार्य में जुटे किसान : दुर्ग जिले में शनिवार की रात हुई बारिश ने खेती-किसानी की उम्मीदें और बढ़ा दी है। जिले में अब तक 110 प्रतिशत औसत वर्षा हो गई है। जिसकी वजह से धान रोपाई का काम अंतिम चरण में है। जिले में कुल खरीफ फसल का रकबा 146.36 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल हैं। कृषि उपसंचालक संदीप कुमार भोई का कहना है कि जिले में धान और दहलनी-तिलहनी फसलों के लिए पर्याप्त बारिश हो चुकी है। स्थिति सामान्य है। उसके बावजूद भी किसानों को बीमा करवाना जरूरी है। 14 अगस्त तक किसान अपनी फसलों का बीमा करवा सकते हैं।

कबीरधाम में खरीफ फसलों को फायदा : कबीरधाम जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भी बारिश के बाद किसानों में उत्साह देखा गया। धान के साथ मक्का, सोयाबीन और दलहन फसलों को बारिश से फायदा मिलने की संभावना है।

मोहला- मानपुर- चौकी : जिले में अल्प वर्षा के कारण किसानों की मुश्किलें बढ़ गई है। पहली बार ऐसा हो रहा है जब वनांचल में अभी तक कम बारिश दर्ज की गई है। आंकड़ों की माने तो मानपुर में 73 फीसदी बारिश हुई है। किसानों को अच्छी बारिश की उम्मीद है।

एक बारिश काफी नहीं, आगे भी चाहिए पानी : किसानों से जब हरिभूमि ने चर्चा की तो उनका कहना है कि खरीफ फसल के लिए आने वाले दिनों में भी नियमित अंतराल पर बारिश जरूरी है। खासकर धान की फसल अभी ऐसे दौर में है, जहां लंबे समय तक बारिश का अंतराल होने पर खेतों में नमी की कमी फसल की बढ़वार को प्रभावित कर सकती है।

बालोद में संकट में खेती : इधर बालोद जिले में अल्प वर्षा के कारण किसानों में मायूसी देखी जा रही है। यहां धान के अलावा सोयाबीन, अरहर और अन्य खरीफ फसल को बारिश का इंतजार है। किसानों द्वारा अब जलाशयों से पानी छोड़ने की मांग भी शुरू कर दी गई है।

ज्यादा बरसे बदरा, फिर ....

बारिश होती है, इसके बाद कई दिनों तक बारिश का नजारा नहीं होता है। ऐसे में बारिश का पानी खेतों से बहकर नदी नाले में चला जा रहा है, जिससे खेत फिर से सूखे हो गए हैं।

परसहापारा से 200 ....

सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया है। कारिडोंगरी में वन विभाग ने बाढ़ प्रभावित चार परिवारों के करीब 20 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। लोरमी नगर में भी नगरपालिका ने प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया है। शनिवार देर रात से लगातार हुई बारिश के कारण खुड़िया बांध के वेस्ट वेयर से छह फीट से अधिक पानी बह रहा है। विभाग के अनुसार यहां करीब 5 हजार क्यूसेक पानी प्रति सेकंड बह रहा है, जबकि मुख्य नहर में 250 क्यूसेक प्रति सेकंड पानी छोड़ा जा रहा है। कारिडोंगरी पुलिया के ऊपर से करीब पांच फीट पानी बहने के कारण वनांचल के 19 गांवों का मुख्य मार्ग से संपर्क कट गया है।

घरों में घुसा ....

परिवार बताए जा रहे हैं और लगभग पूरा गांव बाढ़ से प्रभावित है। गांव का आधा हिस्सा जलमग्न हो गया है, जबकि शेष क्षेत्र चारों ओर से पानी से घिरा है। कुछ ग्रामीणों को मवेशियों की देखभाल के लिए गांव में ही रहने दिया गया है। बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। प्रभावित परिवारों के लिए राशन और भोजन की व्यवस्था भी की गई है।

तेल की कीमतों ....

अब ई-वाहनों का शेयर 12 फीसदी हो गया है। इसके कारण पेट्रोल वाहनों का शेयर अब 88 प्रतिशत पर आ गया है। दो माह पहले जब पेट्रोल संकट के कारण राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के कई शहरों में पेट्रोल पंपों में लंबी लाइनें लगीं तो लोगों को इस बात का अहसास हुआ कि आने वाले समय में पेट्रोल का संकट और बढ़ा तो क्या होगा। ऐसे में लोगों ने इसके विकल्प के रूप में ई-वाहनों की तरफ जाना प्रारंभ किया है। इधर ई-20 पेट्रोल के कारण भी अब लोगों का मोह पेट्रोल वाले वाहनों से कम हो रहा है।

जुलाई में बिके ....

2249 कमर्शियल वाहन 5009 ट्रक बिके हैं। कुल मिलाकर जुलाई में ई-वाहन, पेट्रोल और सीएनजी वाले सभी प्रकार के वाहनों को मिलाकर 53194 वाहन बिके हैं। यह बीते माह जून से 8.25 फीसदी ज्यादा हैं। जून में 49138 वाहन बिके थे।

नेतन्याहू बोले- मेरे रहते नहीं बनेगा स्वतंत्र फिलिस्तीन देश, ट्रंप का प्रस्ताव ठुकराया

एजेंसी ▶▶| येरुशलम

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिका समर्थित 15 सूत्रीय शांति प्रस्ताव को पूरी तरह खारिज कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित इस प्रस्ताव का उद्देश्य हमास का निरस्त्रीकरण करना और गाजा से इजरायली सेना को वापस बुलाना था। हालांकि, नेतन्याहू ने स्पष्ट रूप से कहा है जब तक वह प्रधानमंत्री हैं, तब तक किसी भी स्वतंत्र फिलिस्तीनी देश के गठन की अनुमति नहीं दी जाएगी। इजरयली मीडिया के अनुसार नेतन्याहू ने कहा, मैं यहां स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि इजरायल 15 सूत्री दस्तावेज को खारिज करता है। इजरायली सेना तब तक पीछे नहीं हटेगी जब तक हमास वास्तव में निशस्त्र नहीं हो जाता। हम इस बारे में अमेरिकी अधिकारियों से चर्चा कर रहे हैं। उनके पास कुछ विचार हैं, जिनमें से कुछ हमें स्वीकार्य हैं और कुछ नहीं, और हम जानते हैं कि उनका सामना कैसे करना है।



जरूरत पड़ने पर दोस्तों के खिलाफ डटे रहेंगे

नेतन्याहू ने आगे कहा, जब तक मैं प्रधानमंत्री हूं, तब तक कोई फिलिस्तीनी राज्य स्थापित नहीं होगा, न तो गाजा में और न ही वेस्ट बैंक में। उन्होंने अमेरिका के खिलाफ जाने से कोई गुरेज न होना बताते हुए आगे कहा, हमें उपदेश देने वालों के विपरीत, हम इजरायल की सुरक्षा के लिए जो आवश्यक है वह करते हैं और जरूरत पड़ने पर हम अपने सबसे अच्छे दोस्तों के खिलाफ भी डटे रह सकते हैं और डटे रहेंगे।

मुस्लिम देशों ने जताई गहरी चिंता, दी चेतावनी : शांति समझौते पर बने इस गतिरोध के बाद कई मुस्लिम बहुल देशों ने इजरायल के सैन्य अभियानों की तीखी आलोचना की है। संयुक्त अरब अमीरात, कतर, जॉर्डन, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, तुर्की, सऊदी अरब और मिस्र ने इजरायल की कार्रवाई की निंदा करते हुए चेतावनी दी है कि लगातार जारी सैन्य हमलों से राजनीतिक प्रक्रिया पूरी तरह पटरी से उतर जाएगी, गाजा में मानवीय संकट और गहराएगा तथा क्षेत्र में नए सिरे से तनाव भड़क सकता है।

ट्रंप और नेतन्याहू के बीच गहराया मतभेद

नेतन्याहू का यह रुख ट्रंप के उस दावे के विपरीत है, जिसमें उन्होंने शांति प्रस्ताव को संघर्ष खत्म करने की दिशा में बड़ा मील का पत्थर और ऐतिहासिक कामयाबी बताया था। नेतन्याहू ने कहा कि जब तक हमास का पूरी तरह से सफाया और निरस्त्रीकरण नहीं हो जाता, तब तक इजरायली सेना गाजा से वापस नहीं हटेगी। इस बयान ने ट्रंप के उस दावे को खारिज कर दिया है जिसमें उन्होंने कहा था कि इजरायल इस समझौते से खुश है।

हमास ने भी रखीं अपनी शर्तें

दूसरी तरफ हमास ने भी तुरंत हथियार डालने से साफ इनकार कर दिया है और अपनी शर्तें सामने रखी हैं। हमास के वरिष्ठ अधिकारी गाजी हम्माद ने संकेत दिए हैं कि वे एक कठिन और दर्दनाक समझौते को स्वीकार करने के लिए तैयार हो सकते हैं, लेकिन उससे पहले इजरायल को अपने हमले रोकने होंगे और पुराने संघर्ष विराम समझौतों का सम्मान करना होगा। ऐसे में साफ है कि इजरायल और हमास के बीच अभी शांति संभव नहीं है।

पुदुचेरी पुलिस को मिला राष्ट्रपति कलर्स, शाह बोले- शौर्य और समर्पण का सम्मान



हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को पुदुचेरी पुलिस को प्रतिष्ठित राष्ट्रपति कलर्स प्रदान किया। इस अवसर पर पुदुचेरी के उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। राष्ट्रपति कलर्स प्राप्त करने वाला पुदुचेरी पुलिस देश के चुनिंदा पुलिस बलों में शामिल हो गया है।

- पुदुचेरी पुलिस देश के चुनिंदा पुलिस बलों में शामिल

समारोह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि राष्ट्रपति कलर्स मिलना किसी भी पुलिस बल के लिए सबसे गौरवपूर्ण क्षण होता है। पुदुचेरी पुलिस ने अपनी बहादुरी, कड़ी मेहनत, शौर्य, सेवा और समर्पण के माध्यम से यह प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किया है। उन्होंने कहा कि पुदुचेरी पुलिस केंद्रशासित प्रदेश की रक्षा, आंतरिक सुरक्षा और सम्मान की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। गृह मंत्री ने कहा कि पुदुचेरी दक्षिण भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक है। लंबे समय तक फ्रांसीसी शासन के अधीन रहने के बावजूद पुदुचेरी ने अपनी भारतीयता और आध्यात्मिक ऊर्जा को बनाए रखा।

तीन नई न्याय संहिताओं से न्याय व्यवस्था में बदलाव

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अंग्रेजों के समय से चली आ रही दंड संहिताओं को बदलकर तीन नई न्याय संहिताएं लागू की हैं। इनका उद्देश्य दंड आधारित व्यवस्था के बजाय तकनीक के इस्तेमाल और समयबद्ध प्रक्रिया के माध्यम से नागरिकों को न्याय उपलब्ध कराना है। नई न्याय संहिताएं टेक्नोलॉजी, टाइमलाइन और ट्रस्ट यानी प्रौद्योगिकी, समयबद्धता और विश्वास के तीन स्तंभों पर आधारित हैं।

नाइजीरियाई से 200 ग्राम से अधिक कोकीन बरामद

गुरुग्राम। वजीराबाद गांव के पास से रविवार को एक नाइजीरियाई नागरिक को गिरफ्तार करके उसके पास से 204.04 ग्राम कोकीन बरामद की गई। पुलिस के अनुसार, नाइजीरिया नागरिक डेनियल ओबिफुना फिलहाल गुरुग्राम के सेक्टर-52 स्थित झील चौक के पास रह रहा था। सेक्टर-53 थाने की टीम ने उसे गिरफ्तार कर उसके पास से 204.04 ग्राम कोकीन बरामद किया है। गुरुग्राम पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया, प्रारंभिक पूछताछ के दौरान पता चला है कि आरोपी 2024 में मेडिकल वीजा पर भारत आया था।

:: आम सूचना ::

मैं प्रदुम कुमार (**PRADUM KUMAR**) ग्राम श्यामतराई, तहसील धमतरी जिला धमतरी (छ.ग.) का निवासी हूँ जो कि मेरे आधार कार्ड क्रमांक 6537 0941 3713 में मेरे पिता किशोर जैन (**KISHOR JAIN**) का नाम दर्ज है। किन्तु मेरे पिता जी की मृत्यु मेरे बाल्यकाल अवस्था में हो जाने के कारण मुझे बचपन से सुरूज बाई साहू पति स्व. घासीराम साहू द्वारा मेरा लालन-पालन एवं सम्पूर्ण देखभाल किया जा रहा है तथा उनके द्वारा मुझे गोद भी लिया गया है और इसी गोदानामा के आधार पर मेरे आधार कार्ड क्रमांक 6537 0941 3713 में मेरे पिता किशोर जैन के स्थान पर गोद लेने वाली पालक माँ सुरूज बाई साहू (**SURUJ BAI SAHU**) का नाम दर्ज किये जाने के संबंध में राजपत्र में प्रकाशन कराना चाहता हूँ। जिसका आवेदन माननीय अनुविभागीय दण्डाधिकारी धमतरी में उक्त नाम सुधार किये जाने आवेदन पेश किया गया है।

अतः उक्त संबंध में किसी भी शासकीय एवं अर्द्धशासकीय संस्था/व्यक्ति एवं आम जनता को आपत्ति हो तो 07 दिवस के भीतर दावा, आपत्ति कर सकते हैं। नियत अवधि समाप्त होने पर दावा, आपत्ति मान्य नहीं होगी। सो सूचना जाने

भवदीय
प्रदुम कुमार
पालक माँ सुरूज बाई साहू
ग्राम श्यामतराई, तहसील धमतरी,
जिला धमतरी (छ.ग.) पिन कोड-
493776, मो.नं. 9171658307

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. ECoR-2x25-OHE-BK-01A, दिनांक : 30.08.2026

कार्य का नाम : 3000MT लोडिंग लक्ष को पूरा करने के लिए पूर्व तट रेलवे के खोरधा रोड मण्डल के भद्रक-खोरधा रोड सेक्शन के बीच 1X25 KV ट्रैक्शन सिस्टम को 2X25 KV ट्रैक्शन सिस्टम में उन्नयन से संबंधित फीडर लाइन, ACE एवं BEC का डिजाइन, आपूर्ति, उत्थापन, परीक्षण एवं शुरुआत (174 RKM/394 TKM)।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपयेमें) : 121,61,64,816.27, बिड सिक्युरिटी (रुपये में) : 2,43,23,300/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 30 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 17.09.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ना चाहिए एवं चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा विधिवत सत्यापित और हस्ताक्षरित अनुलग्नक-B/G एवं G1 जमा करने साथ, निविदा दस्तावेज के चैप्टर 2 के अनुलग्नक-I, निविदा फॉर्म (द्वितीय शीट) की जाँच सूची, पैरा 3.1 (अतिरिक्त जाँच सूची) सहित सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

उप मुख्य विद्युत अभियन्ता (निर्माण-III)/ भुवनेश्वर

PR-168/CJ/26-27

पेज एक के शेष

अब तक अलनीनो का कोई...

समेत 21 स्टेशनों में 60 मिमी. से 160 मिमी. तक भारी से अतिभारी बारिश हुई। यह सिस्टम दो दिन कमजोर जैसा रहेगा, इसके बाद एक नया ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण 11 अगस्त को उत्तर बंगाल की खाड़ी और उससे लगे पश्चिम बंगाल बांग्लादेश के ऊपर बनने के आसार हैं। इसके असर से भी प्रदेश में बरसात का दौर आने वाले दिनों में जारी रहेगा। साथ ही अगस्त के शेष दिनों में एक से दो सिस्टम बनने की गुजाइंश है, जो राज्य के कुल वर्षा को औसत यानी 1142 मिमी. के 75 से 80 फीसदी कोटा को पूरा कर सकता है।

महिलाओं को सशक्त ...

रखा गया है। इसका सीधा संदेश है कि महिला के नाम पर मिला निर्वाचित पद परिवार के किसी दूसरे सदस्य के जरिए संचालित नहीं किया जा सकेगा। अब चुनौती इस बात की होगी कि इन प्रावधानों का जमीनी स्तर पर कितना प्रभावी क्रियान्वयन होता है। महिला आरक्षण का उद्देश्य केवल महिलाओं को चुनाव जिताना नहीं, बल्कि उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में वास्तविक अधिकार और नेतृत्व देना है। छत्तीसगढ़ में पंचायतों से लेकर नगरीय निकायों तक प्रॉक्सी व्यवस्था पर बढ़ती सख्ती इसी व्यापक सवाल से जुड़ी हुई है।

'सरपंच पति' का मामला...

संभालते हैं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने सीधे 'सरपंच पति' के खिलाफ कोई देशव्यापी प्रतिबंध लगाने का आदेश नहीं दिया था। अदालत ने इस समस्या को पंचायती राज मंत्रालय के स्तर पर उठाने और उचित समाधान तलाशने का रास्ता बताया था। इसके बाद केंद्र सरकार के पंचायती राज मंत्रालय ने महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों के स्थान पर उनके परिवार के पुरुष सदस्यों के प्रतिनिधि के तौर पर काम करने यानी प्रॉक्सी व्यवस्था के मुद्दे पर विचार के लिए समिति गठित की। समिति ने अपनी रिपोर्ट में राज्यों को ऐसी व्यवस्था रोकने के लिए कई उपाय सुझाए।

पहले ही उठाया जा चुका...

संबंधी कामकाज में हस्तक्षेप को रोकने के निर्देश दिए हैं। जिस महिला को जनता ने चुना है, पंचायत की बैठक से लेकर निर्णय लेने तक उसकी भूमिका भी वही निभाए। केवल चुनाव जीतने के बाद वास्तविक अधिकार पति या किसी दूसरे रिश्तेदार के हाथ में चले जाने की स्थिति को 'प्रॉक्सी' प्रतिनिधित्व माना जाता है।

भाजपा की आज ...

भाजपा की तिरंगा यात्रा का आगाज होगा। प्रदेश में 14 अगस्त तक तीन हजार से ज्यादा स्थानों पर तिरंगा यात्रा निकलेगी। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन के निर्देश पर देश के हर राज्य में भाजपा का हर घर तिरंगा अभियान 10 से 15 अगस्त तक चलेगा। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ में भी यह अभियान चलेगा। इसको लेकर प्रदेश संगठन ने तैयारी पूरी कर ली है। सबसे अहम तिरंगा यात्रा है। इसका प्रारंभ राजधानी रायपुर से किया जा रहा है। इसको लेकर रायपुर शहर और ग्रामीण की बैठक भी हो चुकी है। सभी मंडलों को भी बड़ी संख्या में तिरंगा यात्रा में कार्यकर्ताओं के साथ आम जनों को लाने का जिम्मा दिया गया है।

सभी जन प्रतिनिधि होंगे शामिल : तिरंगा यात्रा में जहां मुख्यमंत्री और दोनों डिप्टी सीएम रहेंगे, वहीं जो भी मंत्री राजधानी में रहेंगे, वे सब शामिल होंगे। इसके अलावा रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, राजेश मूणत, महापौर मीनल चौबे, नगर निगम के सभी पार्षद, प्रदेश भाजपा के महामंत्री यशवंत जैन, नवीन मार्कंडेय, अखिलेश सोनी सहित संगठन के सभी पदाधिकारी, रायपुर शहर और ग्रामीण जिले के पदाधिकारी भी शामिल होंगे।

महादेव मंदिर में ...

गया। लगभग ढाई सौ साल पुराने इस मंदिर में भक्त मोटर बोट एवं नाव के जरिए सागर के बीच में स्थित मंदिर में पहुंचते हैं और भूपालेश्वर महादेव के दर्शन करते हैं। दलपत सागर के बीच टापू पर स्थित इस मंदिर में शाम होते ही यहां मौजूद हरे भरे पेड़ पौधों में हजारों की संख्या में अलग-अलग प्रजाति की पक्षी मौजूद रहते हैं। कई पक्षियों का यह रहवास बन गया है। बस्तर राजपरिवार के सदस्य ने बताया कि लगभग आज से ढाई सौ साल पहले बस्तर के काकतीय चालुक्य राजा दलपत देव ने जगदलपुर की नींव रखकर इसे अपनी राजधानी बनाई थी। महाराजा दलपत देव ने राजधानी जगदलपुर में विशाल तालाब खुदवाया जो कि महाराजा के नाम पर ही दलपत सागर के रूप में प्रसिद्ध है। महाराजा दलपत देव के चार-पांच पीढ़ियों बाद बस्तर के राजा बने भूपाल देव जिनकी शासन की अवधि 1842 से 1853 तक मात्र 11 वर्ष थी। महाराजा भूपाल देव भगवान शिव के परम भक्त थे, इन्होंने अपनी रानी वृंदकुंवर बघेलीन की प्रेरणा से दलपत सागर के बीच शिव मंदिर बनवाया था। यह मंदिर उनके नाम पर भूपालेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है।

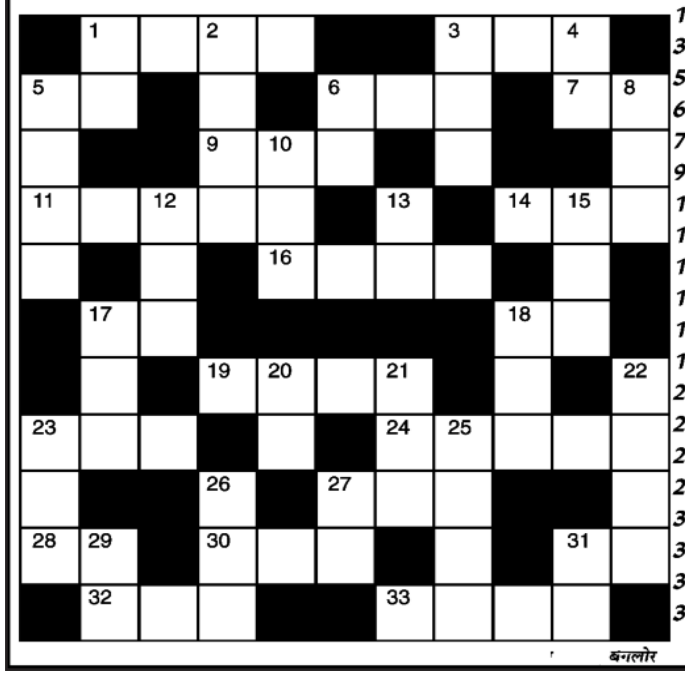
त्रिवेणी संगम पर है ...

जलस्तर बढ़ने के साथ कुलेश्वरनाथ मंदिर चारों ओर से पानी से घिर जाता है। कई बार बाढ़ का पानी मंदिर के चबूतरे तक पहुंच जाता है। अभी पिछले सप्ताह बाढ़ के दौरान भी नदी का पानी मंदिर के चबूतरे के ऊपर तक पहुंच गया था। इसके बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था कम नहीं हुई। कुछ वर्ष पहले तक बाढ़ के दिनों में कुलेश्वरनाथ महादेव के दर्शन करना बेहद कठिन हो जाता था। कुछ वर्ष पहले जब लक्ष्मण झूला नहीं बना था, तब बाढ़ के दौरान श्रद्धालुओं को नदी तट से ही भगवान की आरती और पूजा-अर्चना जल अर्पित कर भक्त अपनी श्रद्धा प्रकट करते थे। अब लक्ष्मण झूला के निर्माण से स्थिति काफी बदल गई है। राजिम और नवापारा, दोनों शहर की ओर से श्रद्धालु आसानी से मंदिर तक पहुंचकर पूजा-अर्चना कर पा रहे हैं। बाढ़ के दौरान भी श्रद्धालु लक्ष्मण झूला के रास्ते भगवान कुलेश्वरनाथ के दर्शन कर लेते हैं। मान्यता है कि भगवान श्रीराम के वनवास के दौरान माता सीता ने यहां शिवलिंग की स्थापना की थी। कालांतर में यही शिवलिंग श्रीकुलेश्वरनाथ महादेव के नाम से प्रसिद्ध हुआ। ऐतिहासिक दृष्टि से भी यह मंदिर करीब छठवीं शताब्दी का बताया जाता है।

महानदी के बीच विराजे...

लगभग 100 मीटर तक नदी का पानी पार कर मंदिर पहुंचना पड़ता है, जबकि बाढ़ के समय यह मार्ग और भी कठिन हो जाता है। इसके बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था कम नहीं होती और वे जोखिम उठाकर भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने पहुंचते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि धारेश्वर महादेव मंदिर का इतिहास लगभग 1100 वर्ष पुराना माना जाता है। स्थानीय मान्यता के अनुसार इसका संबंध सातवाहन काल से है। यहां प्राचीन काल में एक भव्य शिव मंदिर था, जिसे मुगलकाल में ध्वस्त कर दिया गया।

शब्द पहेली - 6313



बाएँ से दाए
1. असभ्यता, मूर्खता-4
3. निर्भय, बहादुर-3
5. प्याला-2
6. सहारा, शरण-3
7. मां का भाई-2
9. साठ वर्ष की अवधि-3
11. परतंत्रता, गुलामी-5
14. दानव, दैत्य-3
16. लूटपाट-4
17. वाद्य यंत्र-2
18. परछाई, छाया-2
19. आदत, स्वभाव(उर्दू-4)
23. जंगल, वन-3
24. सेंधमार-5
27. गजल लिखने वाला-3
28. मोटा आटा, सूजी-2
30. गुलिस्तां, बाग-3
31. एक ग्रह, शनिश्चर-2
32. दबाना, कुचलना-3
33. रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे
1. मंत्रों का पाठ-2
2. उद्देश्यहीन-4
3. अनूठा, अनोखा-3
4. लक्ष्मी, कमला-2
5. खीजना, रोना-4
6. एक पौधा, अकुवा, आकड़ा-2
8. दक्ष, होशियार-3
10. जमीकंद, एक सब्जी-3
12. धैर्य, संयम-3
13. अस्थमा-2
15. एक गायिका-3
17. वर्षा ऋतु-3
18. महोदय-3
20. पैंदा, तला-2
21. पुत्र, बेटा-3
22. अवमानना-4
23. नास्तिक (उर्दू-3)
25. करामात-4
26. प्रतिज्ञा-3
27. ठाठ-बाट-2
29. अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31. तीर, बाण-2

शब्द पहेली - 6312 का हल

	अ	स	भ	यो	ग		अ	दा	व	त
र	क्स		रा		ग	रु	ड़		न	र
ख		स	ना	त	न		ना	म		क
र	फ्ता	र			चुं	गी		त	म	स
खा		मा		चा	बी		सी		ही	
व	ल	या	का	र		प	रा	या	प	न
	क		या		का	ल		द		क
द	वा	त		भ	ला			गा	य	ब

सुधारों की रफ्तार बढ़ाने, कारोबार सुगमता बेहतर करने की जरूरत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) के चेयरमैन आर सी भार्गव ने केंद्र और राज्य सरकारों से आर्थिक सुधारों की रफ्तार तेज करने तथा कारोबार सुगमता की स्थिति बेहतर करने के प्रयास बढ़ाने की अपील की है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से ऐसे सुधारों और कार्यक्रमों का समर्थन करने को कहा है, जो देश में संपत्ति और रोजगार के नए अवसर पैदा करते हैं। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट 2025-26 में शेयरधारकों को दिए संदेश में भार्गव ने कहा कि सरकार और विपक्ष को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सुधारों से पैदा होने वाले अतिरिक्त संसाधनों का इस्तेमाल अधिक न्यायपूर्ण और समान समाज के निर्माण में किया जाए। भार्गव के अनुसार, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों के बाद देश के वाहन उद्योग की वृद्धि की संभावनाएं बेहतर हुई हैं।

मारुति के चेयरमैन का केंद्र और राज्य सरकारों से अपील

देश का कार बाजार 63 लाख इकाई सालाना पहुंचा

मारुति का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2030-31 तक भारत का कार बाजार 61 लाख से 63 लाख इकाई सालाना तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में छोटी कारों की मांग पिछले पांच साल की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बढ़ सकती है। उन्होंने बताया कि 22 सितंबर, 2025 से नई जीएसटी दरें लागू होने के बाद वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में मारुति सुजुकी की खुदरा बिक्री में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई।



पहली तिमाही में बिक्री 38 फीसदी बढ़ी

मार्च, 2026 के अंत में कंपनी के पास करीब 1.9 लाख लंबित बुकिंग थीं। इसका प्रमुख कारण मांग वाले मॉडल के लिए उत्पादन क्षमता का पर्याप्त नहीं होना था। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में कंपनी की बिक्री 38 प्रतिशत बढ़ी, जबकि पूरे उद्योग की वृद्धि 28 प्रतिशत रही। इसी अवधि में छोटी कारों की बिक्री में 35 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

नई उत्पादन लाइन को लचीला बना रही

भार्गव ने कहा कि कंपनी अब अपनी नई उत्पादन लाइन को अधिक लचीला बना रही है, ताकि मांग के अनुसार इसमें बदलाव किया जा सके। इससे बाजार में मांग बढ़ने पर कंपनी तेजी से उत्पादन बढ़ा सकेगी। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र पर भार्गव ने कहा कि भारत को शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करने के लिए किसी एक प्रौद्योगिकी पर निर्भर रहने के बजाय कई प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल करना होगा।

खबर संक्षेप



पीएफसी का लाभ मामूली बढ़कर 8,998 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) का एकीकृत शुद्ध लाभ जून तिमाही में मामूली रूप से बढ़कर 8,998 करोड़ रुपये रहा। आलोच्य तिमाही कंपनी का परिचालन राजस्व 28,526.86 करोड़ रुपये रहा, जबकि इससे पहले यह 28,539.04 करोड़ रुपये था। कंपनी ने एक बयान में कहा, 'वित्तवर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध मुनाफा 8,998 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्तवर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में यह 8,981 करोड़ रुपये था।'

एफपीआई ने पहले सप्ताह की 12,921 करोड़ की शेयर खरीदी

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की खरीदारी का सिलसिला अगस्त में भी जारी है। विदेशी निवेशकों ने अगस्त के पहले सप्ताह में भारतीय शेयरों में 12,921 करोड़ का निवेश किया है। बेहतर होती वृहद आर्थिक स्थिति, अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और रुपये की स्थिरता की वजह से एफपीआई के लिए भारतीय बाजार आकर्षक बना हुआ है। अगस्त का यह आंकड़ा जुलाई में किए गए 20,200 करोड़ के निवेश के बाद आया है।



पूंजीकरण में एसबीआई को हुआ सबसे अधिक लाभ

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 1.43 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को सबसे अधिक लाभ हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 404.53 अंक यानी 0.51 प्रतिशत बढ़ा, जबकि एनएसई का निफ्टी 187.05 अंक यानी 0.76 प्रतिशत के लाभ में रहा।



ब्रिक्स की अलग मुद्रा के पक्ष में नहीं है भारत : गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत, ब्रिक्स समूह की अलग मुद्रा शुरू करने के पक्ष में नहीं है और ऐसी किसी योजना का समर्थन नहीं करता है। ब्रिक्स समूह में दुनिया की उभरती और विकासशील 11 अर्थव्यवस्थाएं - ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। यह समूह वैश्विक और क्षेत्रीय महत्व के समकालीन मुद्दों पर विचार-विमर्श तथा सहयोग के लिए एक मंच के रूप में काम करता है।



हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस को 66.26 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस को जून तिमाही में 66.26 करोड़ रुपये का एकीकृत नुकसान हुआ है। ''बिजनेस प्रोसेस मैनेजमेंट'' कंपनी ने बताया कि एक साल पहले इसी तिमाही में उसे 11.16 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी का परिचालन राजस्व 1,050.36 करोड़ रुपये पर लगभग स्थिर रहा। कंपनी का वित्तवर्ष 2025-26 की जून तिमाही में परिचालन राजस्व 1,056.23 करोड़ रुपये रहा था।

चांदी के आभूषणों की जांच क्षमता बढ़ाने की तैयारी शुरू

सोने के दाम चढ़ने के बाद चांदी के आभूषणों की मांग बढ़ी, हॉलमार्किंग क्षमता बढ़ाएगा बीआईएस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सोने की कीमतों में तेज उछाल के बीच चांदी के आभूषणों की बढ़ती मांग को देखते हुए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने उनकी (चांदी के आभूषणों की) जांच क्षमता बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। बीआईएस अगले दो साल में देशभर में चांदी के आभूषणों की जांच के लिए 'संदर्भ' और 'परीक्षण' प्रयोगशालाओं का विस्तार करेगा।

- अगले दो साल में जांच के लिए संदर्भ और परीक्षण प्रयोगशालाओं का होगा विस्तार

बीआईएस की उप महानिदेशक (प्रयोगशाला) निशात एस हक ने बताया कि चांदी के आभूषणों की जांच की बढ़ती जरूरत को देखते हुए संगठन ने अपनी तैयारियों का आकलन कर लिया है और अब अपनी प्रयोगशालाओं में बड़े पैमाने पर जांच के लिए तैयार है।

खास बातें

- सितंबर 2025 से चांदी के आभूषणों पर एचयूआईडी नंबर दिया जा रहा
- नंबर से उपभोक्ता आभूषणों की शुद्धता की जांच कर सकता है



चांदी की हॉलमार्किंग अभी स्वैच्छिक: हक ने कहा कि अगले करीब दो साल तक बीआईएस अपनी मौजूदा प्रयोगशालाओं के जरिये बढ़ी हुई जरूरत को पूरा करने में सक्षम होगा। इस अवधि के दौरान देशभर में संदर्भ और परीक्षण प्रयोगशालाओं का विस्तार किया जाएगा। चांदी की हॉलमार्किंग वर्ष, 2005 से स्वैच्छिक है।

चांदी के आभूषणों की संख्या 59 लाख हुई

सितंबर, 2025 से हॉलमार्क वाले चांदी के आभूषणों पर हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन (एचयूआईडी) नंबर भी दिया जा रहा है, जिससे उपभोक्ता आभूषण की शुद्धता की जांच कर सकते हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में हॉलमार्क किए गए चांदी के आभूषणों की संख्या बढ़कर 59 लाख हो गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 32 लाख थी।

जांच बाहरी प्रयोगशालाओं को नहीं सौंपा जाता

फिलहाल देशभर में करीब 230 संदर्भ और परीक्षण केंद्र बीआईएस से मान्यता प्राप्त हैं जो चांदी के आभूषणों की जांच करते हैं। हक ने कहा कि हॉलमार्क वाले सोने के आभूषणों की बाजार निगरानी के तहत होने वाली सभी जांच बीआईएस अपनी प्रयोगशालाओं में ही करता है। इस काम को बाहरी प्रयोगशालाओं को नहीं सौंपा जाता।

बीआईएस ने 2.70 लाख उत्पाद नमूनों की जांच की

हक ने कहा कि हॉलमार्क वाले आभूषणों की बाजार निगरानी के लिए बीआईएस ने अपनी प्रयोगशाला व्यवस्था के भीतर ही संदर्भ (रेफरल) और परीक्षण (एसे) प्रयोगशाला स्थापित की है। बीआईएस ने पिछले वर्ष करीब 2.70 लाख उत्पाद नमूनों की जांच की।

संगठन की देशभर में 10 प्रयोगशालाएं

संगठन के पास फिलहाल देशभर में अपनी 10 प्रयोगशालाएं हैं, जबकि मान्यता प्राप्त निजी और सूचीबद्ध सरकारी प्रयोगशालाओं का व्यापक नेटवर्क भी उसके साथ जुड़ा है। हक के अनुसार, वर्ष 2014 में बीआईएस के साथ करीब 147 मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाएं और 24 सूचीबद्ध सरकारी प्रयोगशालाएं थीं। अब इनकी संख्या क्रमशः 440 और 350 हो गई है।

कुल 23 हजार मानक निर्धारित

बीआईएस ने कुल करीब 23,000 मानक निर्धारित किए हैं, जिनमें लगभग 700 अनिवार्य हैं। बीआईएस जांच की गति बढ़ाने, पारदर्शिता सुधारने और मानवीय त्रुटियों को कम करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई), मशीन लर्निंग और रोबोटिक्स का इस्तेमाल भी बढ़ाने पर काम कर रहा है।

दिसंबर तक संपत्ति प्रबंधन सेवा शुरू करेगा पीएनबी

ब्याज से इतर आमदनी बढ़ाने होगी सेवा शुरू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ब्याज से इतर आमदनी बढ़ाने के लिए पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) इस साल दिसंबर तक अपनी संपत्ति प्रबंधन सेवा शुरू करने की तैयारी कर रहा है। बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अशोक चंद्रा ने यह जानकारी दी। चंद्रा ने कहा, 'हमारी संपत्ति प्रबंधन योजना का पहला कदम यह सुनिश्चित करना था कि बैंक के पास ग्राहक संबंध प्रबंधक (सीआरएम) मौजूद हों। छह महीने पहले हमने 1,700 शाखाओं में लगभग 1,700 सीआरएम तैनात किए। उनका मुख्य काम हर शाखा के 250 से 300 बड़े और प्रमुख ग्राहकों के कामकाज को देखना है।' सरकारी क्षेत्र का यह बैंक अब इस महीने के अंत तक 1,300 और सीआरएम तैनात करने की योजना बना रहा है। इन्हें चुनी गई अन्य 1,300 शाखाओं में तैनात किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया, यह हमारा पहला कदम था। संपत्ति प्रबंधन पहल के लिए हमने सलाहकारों से भी बात करना शुरू कर दिया है। सीईओ ने कहा, बहुत जल्द हम इस सेवा के लिए भागीदार चुनने की प्रक्रिया शुरू करने वाले हैं। मुझे उम्मीद है कि अगले तीन से चार महीनों में हमारी संपत्ति प्रबंधन सेवा पूरी तरह तैयार हो जाएगी।

- बैंक इस दिसंबर तक इस सेवा को शुरू कर देगा



अलग विभाग के रूप में चलाया जा रहा

क्रेडिट कार्ड कारोबार के बारे में बात करते हुए चंद्रा ने कहा कि बैंक इस क्षेत्र के विस्तार पर काम कर रहा है, जिसे एक महाप्रबंधक की देखरेख में अलग विभाग के रूप में चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया, ''बैंक के पास 31 मार्च, 2025 तक केवल 6.6 लाख क्रेडिट कार्ड धारक थे। हालांकि, हमने इसमें बड़ी संभावनाएं देखीं और कारोबार को तेजी से बढ़ाने का फैसला किया। सबसे पहले एक डिजिटल ढांचा तैयार किया गया, जिसमें हमें लगभग पांच महीने का समय लगा।''

कच्चे तेल की कीमतें और महंगाई तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

इस सप्ताह जारी होंगे मुद्रास्फीति के आंकड़े

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कच्चे तेल की कीमतें, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव और इस सप्ताह जारी होने वाले मुद्रास्फीति के आंकड़े स्थानीय शेयर बाजार की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रम, विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां और घरेलू कंपनियों के तिमाही नतीजे भी बाजार की चाल को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक रहेंगे।

- विदेशी निवेशकों की गतिविधियां प्रभावित करेगा बाजार

रिलायंस ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि घरेलू स्तर पर निवेशकों की नजर जुलाई के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति, थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति और विदेशी मुद्रा भंडार के ताजा आंकड़ों पर रहेगी। इनसे महंगाई के रुख और बाह्य क्षेत्र की स्थिति का संकेत मिलेगा। मिश्रा ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजों का दौर भी गति पकड़ेगा। इस सप्ताह हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, भारत फोर्ज, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और टाटा मोटर्स सहित कई कंपनियां अपने तिमाही नतीजे घोषित करेंगी। मिश्रा ने कहा कि वैश्विक स्तर पर बाजार की नजर होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रम, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और ईरान से जुड़े व्यापक भू-राजनीतिक घटनाक्रम पर रहेगी।



14 अप्रैल को मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी होंगे

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा कि पिछले सप्ताह नई समापन नीलामी व्यवस्था पहली बार लागू होने के कारण यह बाजार का प्रमुख आकर्षण रही। उन्होंने कहा कि व्यापक आर्थिक दृष्टि से भी यह सप्ताह महत्वपूर्ण रहेगा। भारत में 12 अगस्त को सीपीआई आधारित और 14 अगस्त को डब्ल्यूपीआई आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी होंगे।

कोटक महिंद्रा बैंक ने पेश किया 'हाइब्रिड होम लोन'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कोटक महिंद्रा बैंक ने ग्राहकों को आवास ऋण की मासिक किस्त (ईएमआई) को लेकर अधिक निश्चितता देने के उद्देश्य से 'हाइब्रिड होम लोन' पेश किया है। इसके तहत ग्राहक 65 महीने तक अपने आवास ऋण की ब्याज दर तय रख सकेंगे। बैंक ने रविवार को जारी बयान में कहा कि घर खरीदना किसी परिवार की वित्तीय यात्रा की शुरुआत भर होता है। शुरुआती वर्षों में परिवारों को घर की साज-सज्जा, बच्चों की शिक्षा, बचत और अन्य दैनिक खर्चों के साथ ईएमआई का भी प्रबंधन करना पड़ता है। बयान के अनुसार, इस योजना के तहत ग्राहक 39, 52 या 65 महीने की निश्चित ब्याज दर अवधि चुन सकते हैं। इस दौरान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रेपो दर में बदलाव होने पर भी उनके ऋण की ब्याज दर और ईएमआई में कोई बदलाव नहीं होगा बैंक फिलहाल 7.6 प्रतिशत की शुरुआती ब्याज दर पर आवास ऋण उपलब्ध करा रहा है।



अवधि पूरी होने पर ऋण स्वतः फ्लोटिंग होगा

निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद ऋण स्वतः परिवर्तनीय (फ्लोटिंग) ब्याज दर व्यवस्था में बदल जाएगा, जो रेपो दर और ऋण स्वीकृति के समय तय किए गए अतिरिक्त मार्जिन (स्प्रेड) से जुड़ी होगी। बैंक के अनुसार, एक करोड़ रुपये के आवास ऋण पर यदि ब्याज दरें हाल के उच्च स्तर तक बढ़ती हैं, तो उधारकर्ता को 3.46 लाख रुपये तक की बचत हो सकती है।

इस सप्ताह पांच कंपनियों के आईपीओ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वाहन कलपुर्जा विनिर्माता धूत ट्रांसमिशन, टेमासेक समर्थित शिपरॉकेट और मिल्की मिस्ट डेयरी फूड सहित पांच कंपनियां इस सप्ताह अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने जा रही हैं। इन आईपीओ के जरिये कंपनियां कुल मिलाकर 7,400 करोड़ रुपये से अधिक जुटाने की योजना बना रही हैं। रोगों की त्वरित जांच उपकरण बनाने वाली कंपनी मोलबायो डायग्नोस्टिक्स और धूत ट्रांसमिशन का आईपीओ 10 अगस्त को खुलेगा। इसके बाद 11 अगस्त को मिल्की मिस्ट डेयरी फूड का आईपीओ खुलेगा। ई-कॉमर्स कारोबार के लिए तकनीकी समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी शिपरॉकेट और इंजीनियरिंग कास्टिंग तथा मिश्रधातु इस्पात उत्पाद बनाने वाली बिहारी लाल इंजीनियरिंग का आईपीओ 12 अगस्त को खुलेगा।

इन पांचों कंपनियों का लक्ष्य सार्वजनिक निर्गम के जरिये करीब 7,443 करोड़ रुपये जुटाना है। इससे अगले सप्ताह प्राथमिक बाजार में काफी गतिविधियां रहने की उम्मीद है। ईपीओ से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से कारोबार विस्तार, पूंजीगत व्यय, कर्ज चुकाने और अन्य कंपनी कामकाज के लिए किया जाएगा।

- कंपनियों का 7,400 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य



मिल्की मिस्ट 1,553 करोड़ का ला रही निर्गम

मिल्की मिस्ट डेयरी फूड का 1,553 करोड़ रुपये का आईपीओ 11 अगस्त को 133-140 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे पर खुलेगा। इसमें 1,428 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे और 125 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश होगी। शिपरॉकेट ने 1,617.5 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 92-97 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इसमें 885.50 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे।

बिहाली लाल का आईपीओ 12 को खुलेगा

बिहारी लाल इंजीनियरिंग का 302 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 अगस्त को खुलेगा। कंपनी ने 271-285 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इसमें 93 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे और मौजूदा शेयरधारक 73.20 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश लाएंगे।

बिकवाली से सोयाबीन और पाम तेल दाम में गिरावट

नई दिल्ली। लागत से कम दाम पर बिकवाली की वजह से बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल के दाम में गिरावट आई। इसके अलावा सुस्त कामकाज के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में भी मामूली गिरावट रही। दूसरी ओर, आवक कम रहने और आगामी त्योहारों की मांग के बीच सरसों तेल-तिलहन तथा नगण्य उपलब्धता के बीच ब्रांडेड कंपनियों की औद्योगिक मांग के कारण बिनौला तेल के दाम में बीते सप्ताह मामूली तेजी रही। बाजार सूत्रों ने कहा कि आयातक बैंकों में अपना कर्ज (ऋण साख-पत्र या एलसी) घुमाते रहने के लिए माल की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली कर रहे हैं।



कच्चे माल की बढ़ती लागत से कंपनियां दाम बढ़ाने मजबूर

रोजमर्रा सामानों के दाम बढ़ा सकती है कंपनियां

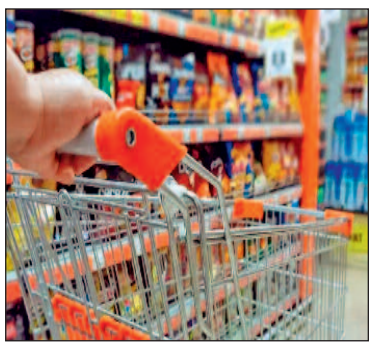
एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कच्चे माल की बढ़ती लागत, जिंसों की महंगाई और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच देश की रोजमर्रा के सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियां सितंबर तिमाही में चुनिंदा उत्पादों के दाम बढ़ाने की तैयारी में हैं।

- कुछ कंपनियां पैक का वजन घटाने जैसे कदम उठा सकती है

कंपनियों का मानना है कि उपभोक्ता मांग, प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती हिस्सेदारी और राजस्व वृद्धि के चलते बाजार की स्थिति मजबूत बनी हुई है। एफएमसीजी क्षेत्र की कंपनियों ने जून तिमाही में कीमतों में औसतन दो से पांच प्रतिशत तक बढ़ोतरी की थी।

मानसून और अल नीनो पर नजर: अब मौजूदा तिमाही में लाभप्रदता बनाए रखने के लिए कुछ कंपनियां पैक का वजन घटाकर या चुनिंदा उत्पादों के दाम बढ़ाने जैसे कदम उठा रही हैं। साथ ही वे महंगाई, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव तथा मानसून और अल नीनो जैसे मौसम संबंधी जोखिमों पर भी नजर बनाए हुए हैं।



मौजूदा तिमाही में भी बढ़ सकती है कीमतें : गोदरेज

गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) मौजूदा तिमाही में भी कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती है। हालांकि, कंपनी फिलहाल जिंस कीमतों का रुख स्पष्ट होने तक कोई बड़ा फैसला नहीं लेना चाहती। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुधीर सीतापति ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता के कारण कंपनी ने अब तक बड़ी मूल्य वृद्धि से परहेज किया है।

बिस्कुट के पैक का वजन कम करेगी : ब्रिटानिया

बेकरी उत्पाद बनाने वाली प्रमुख कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ने कहा कि चीनी और पाम तेल की ऊंची कीमतों के कारण वह पांच रुपये और 10 रुपये वाले बिस्कुट पैक का वजन घटाकर सितंबर तिमाही में कीमतों में करीब 1.5 से दो प्रतिशत की प्रभावी बढ़ोतरी करेगी।

कच्चे माल की ऊंची लागत बनी रह सकती है : डाबर इंडिया

डाबर इंडिया ने कहा कि निकट भविष्य में कच्चे माल की ऊंची लागत बनी रह सकती है। ऐसे में कंपनी लाभप्रदता बनाए रखने के लिए चुनिंदा मूल्य वृद्धि के साथ उत्पादकता और लागत दक्षता पर विशेष ध्यान देगी। कंपनी को मजबूत ब्रांड, नए उत्पादों की श्रृंखला और प्रभावी क्रियान्वयन के दम पर वित्त वर्ष 2026-27 में दोहरे अंक की राजस्व वृद्धि का भरोसा है।

दो से पांच फीसदी वृद्धि संभव : एचयूएल

हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) के भी सितंबर तिमाही में विभिन्न उत्पाद श्रेणियों में कीमतें बढ़ाने की संभावना है। कंपनी का अनुमान है कि अप्रैल-जून तिमाही की तुलना में सितंबर तिमाही में महंगाई दो से पांच प्रतिशत तक बढ़ सकती है।

बिजनेस साइट

रायपुर में सीआईआई का ग्रीन स्टील एवं माइनिंग समिट 12-13 अगस्त को



रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) की ओर से ग्रीन स्टील एवं माइनिंग समिट 2026 के पांचवें संस्करण का आयोजन 12 और 13 अगस्त को मेफेयर लेक रिजॉर्ट, नवा रायपुर में किया जाएगा। सम्मेलन में भारत सहित विदेशों से 400 से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे। समिट में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ में सतत औद्योगिक विकास के रणनीतिक महत्व पर संबोधन देंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन तथा वित्त मंत्री ओपी चौधरी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। फिनलैंड, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और स्वीडन समेत विभिन्न देशों के प्रतिनिधि सम्मेलन में भाग लेंगे। कार्यक्रम में नीति-निर्माता, इस्पात उत्पादक, प्रौद्योगिकी प्रदाता, स्थिरता विशेषज्ञ और शिक्षाविद हरित संक्रमण पर विचार-विमर्श करेंगे। सम्मेलन में भारत के इस्पात क्षेत्र के हरित संक्रमण को समर्थन देने के लिए नवीन प्रौद्योगिकियों, सर्वोत्तम प्रथाओं और नीतिगत ढाँचों पर चर्चा एवं विचार-विमर्श किया जाएगा।

समिट में 40 से अधिक वक्ताओं के साथ आठ तकनीकी सत्र होंगे। 50 से अधिक तकनीकी प्रदर्शनों के जरिए स्वच्छ ऊर्जा समाधानों को प्रदर्शित किया जाएगा। वहीं 70 से अधिक उद्योगों की भागीदारी रहेगी। प्रेस ब्रीफिंग में सीआईआई ईस्टर्न रीजन स्टील सब-कमेटी के चेयरमैन सिद्धार्थ अग्रवाल, सीआईआई छत्तीसगढ़ के चेयरमैन बजरंग गोयल और वाइस चेयरमैन आनंद सिंघानिया उपस्थित रहे।

अश्मिता ने जीता कोरिया मास्टर्स, एक सप्ताह में भारत का दूसरा बीडब्ल्यूएफ खिताब



■ चालिहा ने चीन की चौथी वरीयता प्राप्त हान को 53 मिनट में दी मात

एजेंसी ▶▶| आसन

भारत की अश्मिता चालिहा ने कोरिया मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में चीन की चौथी वरीयता प्राप्त हान कियान शी को हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीता।

असम की रहने वाली इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए विश्व में 35वें नंबर की खिलाड़ी हान को 53 मिनट तक चले मैच में 14-21, 21-14, 21-14 से हराया। इस तरह से भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार दूसरे सप्ताह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर का खिताब जीता। तन्वी शर्मा ने पिछले रविवार को ताइपे ओपन का खिताब अपने नाम किया था।

यह अविश्वसनीय : अश्मिता

विश्व रैंकिंग में 50वें स्थान पर काबिज चालिहा ने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। यह अविश्वसनीय है लेकिन मैं इसे समझने की कोशिश कर रही हूं। इसने मेरी आगे और भी कुछ हासिल करने की भूख बढ़ा दी है।' चालिहा ने कहा, 'पहले गेम में ड्रिफ्ट की वजह से थोड़ी मुश्किल हुई, इसलिए मैं इस पर नियंत्रण नहीं बना सकी लेकिन दूसरे गेम में दूसरी तरफ स्थिति बेहतर थी और ड्रिफ्ट कम थी, इसलिए मैं इसे नियंत्रित कर पाई। तीसरे गेम में 11 प्वाइंट के बाद, मैंने फिर से रणनीति बदली, इसलिए मैं बेहतर स्थिति में थी। मुझे खुशी है कि मैं यह कर पाई।

2024 में कोरिया ओपन में चोटिल हुई थी अश्मिता

अश्मिता 2024 में कोरिया ओपन के दौरान चोटिल हो गई थी। उनके दाहिने घुटने में चोट लगी थी, जिसके लिए उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। उन्होंने अगले साल फरवरी में वापसी की और 14 प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस साल उन्होंने बीडब्ल्यूएफ टूर पर शानदार वापसी करते हुए चाइना मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल और फिर मकाऊ ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

चालिहा ने की अच्छी शुरुआत

फाइनल में भारतीय खिलाड़ी ने अच्छी शुरुआत की तथा पहले 3-0 और फिर 9-5 से बढ़त हासिल कर ली। लेकिन हान ने शानदार वापसी की और उन्होंने स्कोर 11-11 से बराबर कर दिया। चीनी शटलर ने अपनी लय हासिल करने के बाद लगातार अंक बनाए और मैच पर नियंत्रण बना दिया। इसके बाद उन्हें पहला गेम जीतने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। चालिहा ने दूसरे गेम में अधिक आत्मविश्वास के साथ आक्रामक खेल दिखाया और अपने स्मैश का अच्छा इस्तेमाल करते हुए हान पर दबाव बनाया।

चालिहा को मिला चैंपियनशिप प्वाइंट

भारतीय खिलाड़ी ने एक क्रॉस-कोर्ट विनर से स्कोर 19-14 कर दिया। इसके बाद हान ने अपना रिटर्न शॉट बाहर मार दिया, जिससे चालिहा को चैंपियनशिप प्वाइंट मिल गया और फिर उन्होंने अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीतने में देर नहीं लगाई।

वॉर्मअप मैच : भारत ने 214 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया

जायसवाल की वापसी और सिराज का धमाका, श्रीलंका-11 पर आसान जीत

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल की उपयोगी पारियों के बाद मोहम्मद सिराज के तूफानी अंदाज ने भारत को तीन दिवसीय अभ्यास मैच में श्रीलंका क्रिकेट एकादश पर 6 विकेट से शानदार जीत दिला दी।

जीत के लिए 207 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 45 ओवर में 4 विकेट पर 214 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। सिराज ने महज 15 गेंदों में लगातार 3 छक्कों की मदद से नाबाद 32 रन ठोके। पहली पारी में खाता खोले बिना आउट होने वाले जायसवाल ने दूसरी पारी में जोरदार वापसी की। उन्होंने केवल 46 गेंदों पर 61 रन की तेजतर्रार पारी खेली।

कप्तान गिल ने वापसी करते हुए बनाए 44 रन

लक्ष्य का पीछा करते हुए जायसवाल और गिल ने पहले विकेट के लिए 105 रन की आक्रामक साझेदारी कर भारत को तेज शुरुआत दिलाई। जायसवाल अर्धशतक पूरा करने के बाद रिटायर्ड हुए, ताकि टीम के अन्य बल्लेबाजों को भी अभ्यास का पर्याप्त मौका मिल सके। अंगुली की चोट के कारण मैच के शुरुआती दो दिन मैदान से बाहर रहे कप्तान गिल ने वापसी करते हुए 44 रन बनाए। वह स्पिनर केशरा नुवांथा की गेंद पर आउट हुए। गिल की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी भारत के लिए श्रीलंका के खिलाफ आगामी पहले टेस्ट से पहले बड़ी सकारात्मक खबर रही। ध्रुव जुरेल ने 17 रन का योगदान दिया, जबकि ऋषभ पंत ने धैर्यपूर्ण 28 रन की पारी खेली। एक समय भारत का स्कोर तीन विकेट पर 155 रन हो गया था। निचले क्रम के बल्लेबाजों ने अंतिम सत्र में जीत की औपचारिकता पूरी की, जहां सिराज के बल्ले से अंतिम ओवर में लगे लगातार 3 छक्कों ने भारतीय खेमे का पूरा मनोरंजन किया।



जायसवाल ने खेली 61 रन की पारी

सलामी बल्लेबाज निशान मदुश्का ने खेली शानदार पारी

इससे पहले श्रीलंका क्रिकेट एकादश ने अपनी दूसरी पारी 45 ओवर में 6 विकेट पर 200 रन बनाकर घोषित कर दी थी और भारत के सामने 207 रन का लक्ष्य रखा था। सलामी बल्लेबाज निशान मदुश्का ने 73 गेंदों पर 63 रन की सर्वाधिक पारी खेली। पहली पारी में भी उन्होंने अर्धशतक लगाया था। निपुन धनंजया ने 46 और अंजला बंडारा ने 35 रन बनाए। भारत की ओर से रवींद्र जडेजा और गुरनूर बराड़ ने दो-दो विकेट लिए, जबकि मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को एक-एक सफलता मिली। श्रृंखला का पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में शुरू होना है। अभ्यास मैच में कप्तान गिल की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी, जायसवाल का तेज अर्धशतक और पडिक्कल का शतक भारत के लिए सकारात्मक चीजें रही।

पंत ने खेली 21 डॉट बॉल

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के साथ प्रैक्टिस मैच की दूसरी पारी में काफी नाटकीय बैटिंग की। उन्होंने पहली पारी में सस्ते में निपटने के बाद दूसरी पारी में खाता खोलने के लिए 22 गेंद ली। पंत ने छक्के के साथ खाता खोला और इस तरह का शॉट लगाया कि गेंद मैदान से बाहर चली गई और खो गई। इससे पहले उन्होंने, जो 21 गेंद खेली थी उनमें कोई भी स्कोरिंग शॉट नहीं था। पंत का यह बैटिंग का अनोखा तरीका रहा। इससे पहले कभी वे ऐसे नहीं खेले।



खबर संक्षेप

श्रीलंका टेस्ट: टीम में शामिल हुए सरफराज

नई दिल्ली। मुंबई के बल्लेबाज सरफराज खान को 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली दो मैच की टेस्ट श्रृंखला के लिए चोटिल साई सुदर्शन की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया। बाएं हाथ के बल्लेबाज सुदर्शन को पिछले महीने भारत ए के दौरे के दौरान पैर के अंगूठे में चोट लगी थी।



बैलेरेट ओपन स्क्वाश में दूसरे स्थान पर रहीं सान्या

नई दिल्ली। भारत की सान्या वत्स ने ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में खेले गए 3000 अमेरिकी डॉलर के पीएसए चैलेंजर इवेंट बैलेरेट ओपन स्क्वाश में उपविजेता रही। दूसरी वरीयता प्राप्त सान्या महिला एकल के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त सारा कार्डवेल से 6-11, 8-11, 6-11 से हार गईं।



ऊंची कूद में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने मेघवाल

एजेंसी ▶▶| यूजीन

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप

एथलेटिक्स में ऐतिहासिक दिन शाहनवाज ने लंबी कूद में जीता कांस्य

बसंत कुमार मेघवाल विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में ऊंची कूद में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं, जबकि शाहनवाज खान ने लंबी कूद में कांस्य पदक जीता, जिससे भारत के लिए यह दिन यादगार बन गया और प्रतियोगिता में उसके कुल पदकों की संख्या तीन पहुंच गई।

19 वर्षीय मेघवाल ने 2.21 मीटर की कूद लगाकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और रजत पदक जीता। अल्जीरिया के यूनेस अयाची ने स्वर्ण पदक, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के ओटिस पूल ने कांस्य पदक हासिल किया। तीनों पदक विजेता केवल 2.21 मीटर की ऊंचाई तक कूद लगा सके और 2.24 मीटर की ऊंचाई पार करने में असफल रहे। ऐसी स्थिति में पिछली ऊंचाई को पार करने के प्रयासों की संख्या के आधार पर स्थानों का निर्धारण किया गया। अयाची ने अपने पहले प्रयास में ही 2.21 मीटर की ऊंचाई पार कर ली थी, जबकि मेघवाल और पूल ने क्रमशः अपने दूसरे और तीसरे प्रयास में यह ऊंचाई हासिल की थी।



बसंत कुमार मेघवाल

मेघवाल ने किया 10 सेंटी मीटर का सुधार

भारतीय नौसेना में कार्यरत मेघवाल के रजत पदक ने उन्हें विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में ऊंची कूद में पदक जीतने वाला पहला भारतीय भी बना दिया। भारतीय महिला ऊंची कूद की पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक सहाना कुमारी से प्रशिक्षण लेने वाले मेघवाल ने इस सत्र में अपने प्रदर्शन में 10 सेंटीमीटर का सुधार किया है। इससे पहले उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.11 मीटर था।



शाहनवाज ने लगाई सर्वश्रेष्ठ छलांग

इसके बाद शाहनवाज ने पुरुषों की लंबी कूद में 7.84 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कांस्य पदक जीतकर चैंपियनशिप में भारत के पदकों की संख्या को तीन तक पहुंचा दिया। इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने तीसरे प्रयास में सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई। उन्होंने क्रमशः 7.67 मीटर, 7.72 मीटर, 7.84 मीटर, 7.52 मीटर, 7.83 मीटर और 5.37 मीटर छलांग लगाई। फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय आरसी जिथिन अर्जुनान ने अपने पहले और चौथे प्रयास में 7.59 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर आठवां स्थान हासिल किया। इटली के डेनियल इन्जोली ने 7.97 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया के मेसन मैकग्रोडर ने 7.96 मीटर के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ रजत पदक हासिल किया।

नंबर 1 सबालेंका को हराकर अलेक्जेंड्रोवा ने किया उलटफेर

एजेंसी ▶▶| टोरंटो

कनाडा ओपन : 19वीं रैंकिंग वाली एकातेरिना ने बनाई फाइनल में जगह

कनाडा ओपन से बाहर होने वाली शीर्ष 5 खिलाड़ियों में बेलारूस की टेनिस प्लेयर आर्यना सबालेंका का नाम भी जुड़ गया है। 19वीं रैंकिंग वाली रूस की एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी को 7-6 (3), 4-6, 6-4 से हराया। यह मुकाबला दो घंटे 29 मिनट तक चला।

इस जीत के साथ ही अलेक्जेंड्रोवा ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। दोनों खिलाड़ियों के बीच अंतिम 16 के मुकाबले में कड़ी टक्कर देखने को मिली। यह अलेक्जेंड्रोवा की दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ तीसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने इगा स्वियातेक (मियामी 2024) और सबालेंका (दोहा 2025) को हराया था। यह उनका छठा डब्ल्यूटीए 1000 क्वार्टर फाइनल है और दोहा 2025 के बाद पहला मौका है जब वह इस स्टेज तक पहुंचने में सफल रही हैं।



अलेक्जेंड्रोवा ने टाई-ब्रेकर में जीता पहला सेट

दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की सर्विस तीन-तीन बार तोड़ी, जिसके बाद अलेक्जेंड्रोवा ने टाई-ब्रेकर में पहला सेट जीता। सबालेंका ने सेट में मिले एकमात्र ब्रेक प्वाइंट को भुनाकर दूसरा सेट अपने नाम किया और मुकाबला बराबरी पर ला दिया। तीसरा सेट भी पहले सेट जैसा ही रहा, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने कड़े मुकाबले के दौरान कई बार एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी। अलेक्जेंड्रोवा ने चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता को हार की कगार पर पहुंचा दिया और सबालेंका को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए 5-4 के स्कोर पर सर्विस करनी पड़ी।

लेक्सिंगटन ओपन : फाइनल में अमेरिकी जोड़ी को हराया

पूनाचा और गोंजालो की जोड़ी ने जीता डबल्स टाइटल

एजेंसी ▶▶| लेक्सिंगटन

भारत के निकी कलियांडा पूनाचा और इक्वाडोर के गोंजालो एस्कोबार की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लेक्सिंगटन ओपन में मेंस डबल्स का खिताब अपने नाम किया।

पूनाचा और गोंजालो की जोड़ी ने एक सेट गंवाने के बाद बेहतरीन वापसी की। तीसरी वरीयता प्राप्त इस जोड़ी ने केंटकी के लेक्सिंगटन में खेले गए फाइनल में अमेरिकी जोड़ी आंद्रे इलागन और कार्ल पोलिंग को 6-7 (1), 6-3, 11-9 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। पूनाचा-गोंजालो को फाइनल मैच जीतने में एक घंटा और 42 मिनट का समय लगा। यह पूनाचा का 11वां एटीपी चैलेंजर डबल्स खिताब और 2026 सीजन का पांचवां खिताब था। एटीपी चैलेंजर सर्किट पर पूनाचा और एस्कोबार का यह साथ में पहला खिताब है।

पूनाचा-गोंजालो ने हासिल किए लगातार चार अंक

सुपर टाई-ब्रेक में, कोई भी जोड़ी दो अंकों से ज्यादा की बढ़त नहीं बना पाई और मुकाबला बराबरी का बना रहा। हालांकि, पूनाचा और एस्कोबार 7-9 के स्कोर के साथ हार के कगार पर थे। इसके बाद पूनाचा-गोंजालो की जोड़ी ने लगातार चार अंक हासिल करके मैच का पासा पलट दिया। इस दौरान उन्होंने दो मैच प्वाइंट बचाए और फिर शानदार वापसी करते हुए खिताब अपने नाम किया।



भारतीय-इक्वाडोरियन जोड़ी ने किया शुरुआती ब्रेक हासिल

पहले सेट में, भारतीय-इक्वाडोरियन जोड़ी ने चौथे गेम में शुरुआती ब्रेक हासिल किया, लेकिन सातवें गेम में अपनी सर्विस गंवाने के कारण वे पिछड़ गए। टाई-ब्रेक में, पूनाचा और एस्कोबार कोई जवाब नहीं ढूंढ पाए और पहले सेट को 6-7 से गंवा बैठे। इस जोड़ी ने दूसरे सेट में वापसी की और तीसरे गेम में ब्रेक हासिल किया। उन्होंने पूरे सेट के दौरान अपनी बढ़त बनाए रखी और फिर नौवें गेम में एक और निर्णायक ब्रेक हासिल करके मैच को सुपर टाई-ब्रेकर तक पहुंचा दिया।

लक्ष्मण ने किया चोटिल प्लेयर्स का बचाव कहा- क्रिकेटर कोई 'मशीन' नहीं

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) का पुरजोर तरीके से बचाव करते हुए इसके प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने कहा कि खिलाड़ियों की चोट से उबरने की धीमी प्रक्रिया के लिए केंद्र को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है।

उन्होंने कहा कि क्रिकेटर कोई 'मशीन' नहीं हैं, जिनकी फिटनेस हर बार तय समयसीमा के भीतर लौट आए। लक्ष्मण ने यह भी स्पष्ट किया कि सीओई और टीम प्रबंधन के बीच बेहतरीन और निर्बाध समन्वय है। लक्ष्मण ने कहा कि कड़े फिटनेस मानकों और मानव शरीर की प्रकृति को देखते हुए किसी खिलाड़ी का एक निश्चित समयसीमा में पूरी तरह फिट हो जाना हमेशा संभव नहीं होता। उन्होंने कहा, 'यह समझना बहुत जरूरी है कि दिशानिर्देश और समयसीमा हमारी अपेक्षाओं के आधार पर तय की जाती हैं।



सीओई फिटनेस हासिल करने का केंद्र नहीं

फिलहाल तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, हरफनमौला हर्षित राणा, हार्दिक पांड्या, वॉशिंगटन सुंदर और शीर्ष क्रम के बल्लेबाज बी. साई सुदर्शन अपनी-अपनी चोटों से उबरने के लिए सीओई में हैं। लक्ष्मण ने सीओई में कहा, 'सीओई सिर्फ चोट से उबरने और फिटनेस हासिल करने का केंद्र नहीं है। क्रिकेटरों को उत्कृष्टता हासिल करने में मदद करने के लिए इसकी भूमिका इससे कहीं बड़ी है। इसलिए हम चोटों के मामले में 'दोष' शब्द का इस्तेमाल करना पसंद नहीं करते। ऐसा करने पर किसी एक व्यक्ति को बलि का बकरा बनाया जाता है।



उत्तराखंड के युवक ने बनाई उड़ने वाली कार, 12 मिनट में पूरा करेगी 40 मिनट का सफर!

सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से ट्रेंड कर रहा है, जिसमें एक युवक नीले रंग की सिंगल सीटर गाड़ी में बैठकर हवा में उड़ते हुए नजर आ रहा है।

देहरादून। दिखने में ये बहुत छोड़ी सी है और इसमें पहियों के बजाय चारों तरफ कुल 8 पंखड़ियां लगी हुई हैं। इन्हीं की मदद से वो हरे भरे घास के मैदान के बीच से टैक ऑफ करता है और करीब 20 फीट की ऊंचाई पर रहते हुए पूरे ग्राउंड का चक्कर लगाकर वापस उसी जगह सुरक्षित लैंड कर लेता है। ठीक 1 मिनट 37 सेकंड के इस वीडियो को लोग खूब पसंद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर लिख रहे हैं कि सरकार मदद करे या न करे, लेकिन प्रतिभाएं गतिशील होकर अपना काम करती रहती हैं।

बिजली से चलती है ये गाड़ी

जब इस वीडियो की पड़ताल की गई तो पता चला कि ये वीडियो गुरुवार सुबह उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में आर्मी हेलीपैड पर शूट किया गया है। जो शख्स इस उड़ने वाली गाड़ी को चला रहा है उसका नाम रवि टम्टा है, जो पेशे से हपिडा स्काई प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी का फाउंडर और सीईओ है। ये प्रोटोटाइप उन्हीं की कंपनी ने बनाया है, जिसका आज उन्होंने सफल परीक्षण किया है। रवि पिछले कई सालों से इसे बनाने में लगे थे, जो पूरी तरह बिजली से चले, एकदम सुरक्षित हो और मॉर्डन हो।



पहला पर्सनल फ्लाइंग व्हीकल है

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रवि टम्टा ने बताया कि भारत में बना ये पहला पर्सनल फ्लाइंग व्हीकल है। उनके मुताबिक जिस दूरी को सड़क मार्ग से तय करने में करीब 40 मिनट लगते हैं, वही दूरी हवा के रास्ते इस वाहन से करीब 12 मिनट में पूरी की जा सकती थी। रवि का कहना है कि वे अभी इस मशीन को और ज्यादा सुरक्षित और ताकतवर बनाने के लिए आगे कई और टेस्ट करेंगे। उनका विजन है कि ऐसी तकनीक को विकसित करना है जिससे जिससे लोग छोटी दूरी के सफर के लिए सड़क के साथ-साथ हवाई रास्ते का भी इस्तेमाल कर सकें।

पहले भी कर चुके हैं कई प्रयोग

इससे पहले रवि ने एक स्टिक भी बनाई थी, जिसका इस्तेमाल आज उत्तराखंड फॉरेस्ट डिपार्टमेंट में हो रहा है। यह स्टिक मोबाइल चार्ज करती है, टॉर्च का काम करती है। इतना ही नहीं, उन्होंने 2007 में बोतल के अंदर ही बैट्री बनाकर बल्ब जलाया था। इसके अलावा, साल 2019 में उन्होंने एक इलेक्ट्रोलाइट पंप मशीन बनाने का दावा किया था, जिसके इलेक्ट्रिक वाहनों को कम समय में चार्ज किया जा सकता था।

रोचक खबरें

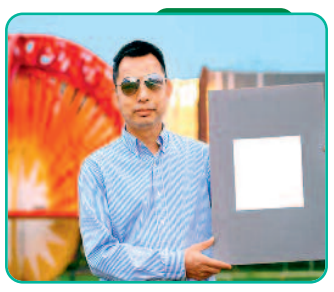
मंगल ग्रह पर पैरों के पास वसंत तो सिर पर जमा देने वाली ठंड!

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। नासा के पर्सिवियरेंस रोवर ने मंगल ग्रह पर तापमान को लेकर ऐसा खुलासा किया है, जो हैरान कर देने वाला है। अक्सर जब हम किसी ग्रह के तापमान की बात करते हैं, तो पूरे इलाके का एक जैसा मौसम दिमाग में आता है। हमारी पृथ्वी पर ऐसा ही होता है जमीन और आस-पास की हवा का तापमान करीब करीब एक समान रहता है। लेकिन, मंगल ग्रह पर यह नियम पूरी तरह टूट जाता है। लाल ग्रह का वातावरण इतना अजीब और अनूठा है कि एक इंसान की लंबाई के दायरे में ही दो अलग-अलग मौसम होते हैं। मंगल ग्रह पर एक ही समय में इंसान के शरीर के दो अलग-अलग हिस्से दो अलग-अलग मौसमों का अहसास कर सकते हैं। अगर कोई इंसान मंगल ग्रह की भूमध्य रेखा पर दोपहर के समय खड़ा हो, तो उसके पैरों को वसंत जैसी गर्मी का अहसास होगा, जबकि उसके सिर को हाड़ कपाने वाली सर्दी महसूस होगी।



एसी के बगैर ठंडी रहेगी बिल्डिंग, वैज्ञानिकों ने बनाया दुनिया का सबसे ज्यादा सफेद पेंट

वॉशिंगटन। तापमान में लगातार होती वृद्धि के साथ ही इमारतों को ठंडा रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। इसके चलते दुनिया भर में एयर कंडीशनिंग की मांग बढ़ती जा रही है। एयर कंडीशन यानी एसी घरों को ठंडा तो रखता है लेकिन यह बिजली की खपत को बहुत बढ़ाता है, जिससे ऊर्जा खर्च और ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बढ़ता है। लेकिन, अब वैज्ञानिकों ने ऐसी खोज की है जो बिना एसी के ही इमारतों को गर्म होने से रोकेगी और उन्हें ठंडा रखने में मदद करेगी। पड्र्यू यूनिवर्सिटी के इंजीजनियरों की एक टीम ने इस दिशा में बड़ी खोज की है। सफेद रंग गर्मी को सबसे कम अवशोषित करता है। इसलिए इंजीनियरों ने इस नई कोटिंग को तैयार किया है, ताकि सूरज से आने वाली लगभग सारी ऊष्मा को छतों और दीवारों पर अवशोषित किए जाने के बजाय वापस लौटा दिया जाए। लैब में हुई जांच में शोधकर्ताओं ने बताया कि यह पेंट सूरज की रोशनी का लगभग 98.1% हिस्सा रिफ्लेक्ट करता है। यह किसी भी सफेद बाहरी पेंट और पहले प्रयोग किए गए वर्शन से बेहतर है। एसीएस एप्लाइड मैटेरियल्स और इंटरफेस जर्नल में छपी रिसर्च में टीम ने इस पेंट को अब तक की सबसे अच्छी परफॉर्मेंस वाी सिंगर-लेयर रेडिएटिव कूलिंग कोटिंग बताया है। रिसर्च टीम ने कई तरह के प्राकृतिक रूप से सफेद पदार्थों की तुलना करने के बाद मुख्य पदार्थ के तौर पर बेरियम सल्फेट को चुना।

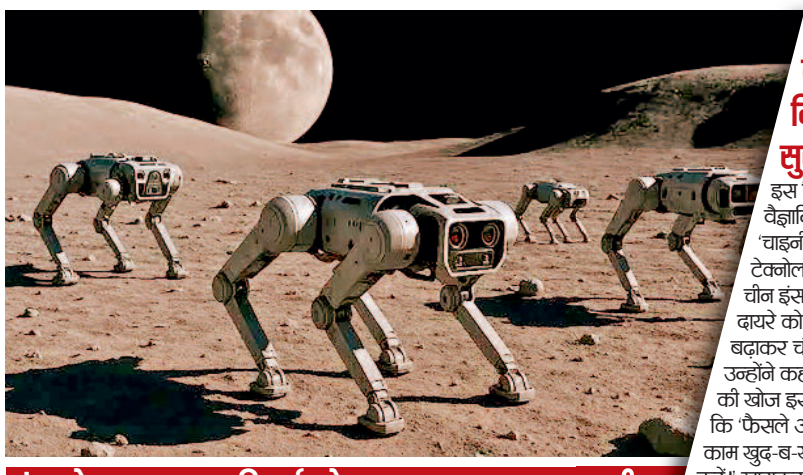


रिसर्चस

एलियंस का डर या चांद पर कब्जे की तैयारी?

मून बेस पर रोबोट कुत्तों की तैनाती करेगा चीन, वैज्ञानिक भी हैरान!

बीजिंग। चीन के लूनर बेस पर काम कर रहे रिसर्चर्स के एक ब्लूप्रिंट के मुताबिक रोबोट कुत्ते एक दिन चांद पर रास्ता दिखा सकते हैं और रिसर्च स्टेशनों की निगरानी कर सकते हैं। इसमें कहा गया है ये रोबोट डॉग्स चांद पर खतरों का पता लगा सकते हैं और एस्ट्रोनॉट्स को वैज्ञानिक रूप से कीमती चट्टानें खोजने में मदद कर सकते हैं। इस सिद्धांत में तीन एस्ट्रोनॉट्स को स्मार्ट मशीनों के साथ काम करते हुए दिखाया गया है। जब क्रू चांद की सतह की खोज करेगा तो एक एस्ट्रोनॉट दो रोबोट कुत्तों को इलाके में आगे ले जाएगा, जबकि दूसरा चट्टानों के सैंपल इकट्ठा करेगा और विस्तृत वैज्ञानिक काम करेगा। चीन की प्रमुख स्पेसक्राफ्ट बनाने वाली संस्था 'चाइना एकेडमी ऑफ स्पेस टेक्नोलॉजी' के वैज्ञानिकों के मुताबिक तीसरा व्यक्ति वैन के आकार के प्रेशराइज़्ड रोवर के अंदर रहेगा जो मिशन को कोऑर्डिनेट करेगा और जरूरत पड़ने पर दूसरे रोबोट्स को कंट्रोल करेगा।



इंटरनेशनल लूनर रिसर्च स्टेशन पर काम कर रहा चीन

साउथ चायना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब चीन 'इंटरनेशनल लूनर रिसर्च स्टेशन' की योजनाओं पर तेजी से काम कर रहा है। यह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास एक लंबे समय तक चलने वाला वैज्ञानिक केंद्र होगा जिसे रूस और अन्य अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर विकसित किया जा रहा है। देश का लक्ष्य 2030 से पहले चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों को उतारना है। उम्मीद है कि 2035 तक रिसर्च स्टेशन का एक बुनियादी वर्शन तैयार हो जाएगा जो नियमित प्रयोगों और संसाधनों के शुरुआती इस्तेमाल में मदद करेगा। इसके बाद 2045 तक इसे चंद्रमा की कक्षा में घूमने वाले स्टेशन के साथ एक बड़े कॉम्प्लेक्स के तौर पर बढ़ाया जाएगा। इस महीने के आखिर में चीन के 'चांग-ई-7' मिशन को लॉन्च करने की उम्मीद है।

रोबोट कुत्ते करेंगे चीनी मिशन की सुरक्षा

इस रिसर्च को लिखने वाले वैज्ञानिकों ने जुलाई में 'चाइनीज स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी' जर्नल में लिखा कि चीन इंसानी अंतरिक्ष उड़ान के दायरे को पृथ्वी की कक्षा से आगे बढ़ाकर चंद्रमा तक ले जा रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में चंद्रमा की खोज इस बात पर निर्भर करेगी कि 'फैसले अंतरिक्ष यात्री लें और काम खुद-ब-खुद चलने वाले रोबोट करें।' खासकर चंद्रमा के संसाधनों को निकालने और चंद्रमा पर इंसानों के लंबे समय तक रहने की व्यवस्था करने में रोबोट अहम भूमिका निभाएंगे जैसे कि जमी हुई बर्फ से पानी निकालना, खनिजों की माइनिंग करना, लावा ट्यूब को रहने की जगहों में बदलना और स्थानीय चीजों से निर्माण करना। वैज्ञानिकों ने लिखा है कि ये रोबोट डॉग्स रोजाना गश्त और जांच-पड़ताल, हवा और तापमान को नियंत्रित करने, रहने की जगहों की सफाई, पौधों की देखभाल और खाना बनाने जैसे रोजमर्रा के काम भी करेंगे।

12 अगस्त को होगा साल 2026 का आखिरी सूर्य ग्रहण, 2 मिनट 18 सेकंड तक छाएगा अंधेरा



वॉशिंगटन। अगले सप्ताह करोड़ों लोग एक दुर्लभ खगोलीय घटना को देखने वाले हैं, जो इस साल का आखिरी सूर्य ग्रहण होगा। इस सूर्य ग्रहण को यूरोप से लेकर अमेरिका तक देखा जाएगा, लेकिन जगह के हिसाब से अलग-अलग जगह इसका बहुत अलग रूप सामने आएगा। ग्रीनलैंड के उत्तर पूर्वी स्पेन तक एक पतले गलियारे में लोग पूर्ण सूर्यग्रहण का दीदार करेंगे, तो यूरोप के ज्यादातर हिस्सों में यह एक गहरा आंशिक ग्रहण होगा। उत्तरी अमेरिका में रहने वालों को आंशिक सूर्य ग्रहण दिखाई देगा। सूर्य ग्रहण जहां आसमान देखने वालों को एक दिलचस्प नजारा दिखाएगा, वहीं, वैज्ञानिकों के लिए यह सूरज का बेहतर ढंग से समझने का मौका होगा।

कहां दिखाई देगा सूर्य ग्रहण?

12 अगस्त को होने वाले पूर्ण सूर्य ग्रहण का मुख्य रास्ता स्पेन, आइसलैंड और ग्रीनलैंड से होकर गुजरेगा। इस संकरे रास्ते के बाहर भी करोड़ों लोग आंशिक सूर्य ग्रहण देख सकेंगे। मैड्रिड जो इस रास्ते के बाहर है, वहां 99.99% आंशिक ग्रहण दिखेगा। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने बताया है कि अलास्का से लेकर नॉर्थ कैरोलिना तक, अमेरिका के उत्तरी हिस्सों में आंशिक सूर्य ग्रहण दिखाई देगा। हालांकि, इस सूर्य ग्रहण को भारत से नहीं देखा जा सकेगा, क्योंकि इसका रास्ता भारतीय उपमहाद्वीप के पास से नहीं गुजरेगा।

मांस, शुगर, कार्बोहाइड्रेट... इंसानी दिमाग के तेज विकास के लिए सबसे जरूरी क्या है?

वॉशिंगटन। सैकड़ों साल से दशकों से इंसानी दिमाग के विकास की कहानी मांस के इर्द-गिर्द घूमती रही है। चार मिलियन सालों में इंसानी दिमाग के तेजी से विकास के लिए लंबे समय से मांस से मिलने वाले प्रोटीन और फैट के सेवन को सबसे ज्यादा अहम माना जाता रहा है। इस धारणा को एक हालिया नई रिसर्च ने चुनौती दी है। ये रिपोर्ट कहती है कि इंसानी दिमाग का विकास मांस ही नहीं, शुगर और कार्बोहाइड्रेट पर भी निर्भर करता है।

साइंस में 'इंसानी विकास में खाने की शुगर की अहम भूमिका', के शीर्षक से एक नई रिसर्च छपी है। इसके रिसर्चर्स ने होमिनिन के विकास के इतिहास में उनकी मैक्रोन्यूट्रिएंट जरूरतों का मॉडल बनाया। उन्होंने पाया कि दिमाग के विकास को बढ़ावा देने में सिर्फ जानवरों से मिलने वाले खाने का ही नहीं बल्कि खाने में मौजूद शुगर का भी अहम रोल था।



इंसानी दिमाग का विकास

रिपोर्ट कहती है कि फल और शहद से मिलने वाला ग्लूकोज और बाद में पकाए गए स्टार्च से मिलने वाला ग्लूकोज, दिमाग की ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने के लिए जरूरी है। ऐसे में इंसानी खान-पान के विकास का फोकस प्रोटीन के साथ-साथ कार्बोहाइड्रेट पर भी आ गया। इंसानी दिमाग के विकास के लिए ग्लूकोज जरूरी पाया गया। इंसानी दिमाग को बहुत ज्यादा ऊर्जा की जरूरत होती है। दिमाग एक वयस्क शरीर के वजन का सिर्फ 2% हिस्सा होता है फिर भी यह शरीर की बेसल मेटाबोलिक दर का 20% हिस्सा इस्तेमाल करता है।

सिर्फ मांस काफी नहीं

रिसर्चर्स ने पाया कि ग्लूकोज के लगातार स्रोत की जरूरत थी, जिसे अकेले मांस से आसानी से पूरा नहीं किया जा सकता था, खासकर आग पर काबू पाने से पहले। रिसर्चर्स ने होमिनिन विकास के अलग-अलग चरणों में खाने में कार्बोहाइड्रेट की उपलब्धता और ग्लूकोज की जरूरी मांग की तुलना करने वाला एक मॉडल बनाया।

क्या है रिसर्च का मतलब

स्टडी में इस बात पर गौर की गई कि इंसानी दिमाग के विकास और खान-पान के लिए इन नतीजों का क्या मतलब है। ये नतीजे जानवरों से मिलने वाले मांस को पूरी तरह से बाहर नहीं करते, लेकिन कार्बोहाइड्रेट को भी बराबर अहमियत देते हैं। इंसानी दिमाग के लिए दूसरी चीजों की अहमियत इससे पता चलती है। हम जब देखते हैं कि खान-पान ने इंसानी विकास और शरीर की बनावट को कैसे आकार दिया तो शुगर और स्टार्च पर ध्यान दिया जाना चाहिए। ये रिसर्च इंसानों और खाने में शामिल कार्बोहाइड्रेट के बीच लंबे रिश्ते की साफ तस्वीर शुगर और स्टार्च के सेवन से जुड़ी बहसों में मदद कर सकती है। यह बातचीत को उस दायरे से आगे ले जा सकती है, जो मांस और प्रोटीन पर केंद्रित रही है।



PRP/GFC तकनीक द्वारा गंजेपन का ईलाज
कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स माल के पास, रायपुर (छ.ग.)
9827143060/8871003060
छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त
Ajay Advt.

बवासीर के मुख्य कारणों में एक है कब्ज़
और बवासीर से असरदार राहत के लिए ज़रूरी है
डबल एक्शन
कब्ज़ और बवासीर दोनों पर
सिड्पाईल्स® टैबलेट
अभयामृत
कब्ज़ के लिए
पाईल्स के लिए
कब्ज़ और पाचन सुधारने में सहायक
प्राकृतिक रूप से पाएँ राहत दर्द, सूजन, खुजली
सिद्धायु- आयुर्वेद का भरोसा
मुफ्त वैद्यकीय सलाह के लिए संपर्क करे : 844 844 4935

(NABH से मान्यता प्राप्त)
सुयश हॉस्पिटल
एडवांस यूरोलॉजी एवं यूरो सर्जरी विभाग
• मूत्राशय, किडनी एवं प्रोस्टेट के कैंसर का इलाज
• पेशाब की धार कमजोर होना
• पेशाब के रास्ते की जन्मजात विकृति का इलाज
• यूरिनरी ब्लेडर में पथरी की समस्या का इलाज
• किडनी स्टोन संबंधी समस्या का इलाज
• किडनी एवं मूत्र संबंधी सभी समस्याओं का निराकरण
• सभी प्रकार की यूरोलॉजी सर्जरी
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

SAVE UN-LIMITED
साड़ियाँ
20 % छूट
साथ में सूटिंग्स, शर्टिंग्स, ड्रेस मटेरियल्स सलवार सूट्स, मैचिंग्स, बेड शीट्स टॉवेल, नेपकीन आदि पर भी छूट का लाभ उठावें।
महेन्द्र कम्पनी
मोदी सन्स
मालवीय रोड, रायपुर (छ.ग.)
फोन: 4049406/7/8

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com